Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 171
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
मंगलवार,20 जनवरी 2026

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

2 कटिया से खुली तीसरी आंख को केस्को ने किया

4 पतंगबाजी में मगन सरकार

7 नेहा कक्कड़ ने किया ब्रेक का एलान सोशल

भारत पहुंचे यूएई के राष्ट्रपति

पीएम मोदी ने प्रोटोकॉल तोड़कर एयरपोर्ट पर किया स्वागत

एक कार में रवाना हुए पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को दिल्ली हवाई अड्डे पर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाान की अगवानी की। ये इस बात का संकेत है कि भारत अल नाान की यात्रा को कितना महत्व देता है। विदेश मंत्रालय द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार, अल नाान राष्ट्रीय राजधानी में दो घंटे से भी कम समय तक रहेंगे।

यूएई के राष्ट्रपति की भारत यात्रा पश्चिम एशिया में ईरान-अमेरिका संबंधों में आई गिरावट, यमन को लेकर सऊदी अरब और यूएई के बीच बढ़ते तनाव और गाजा में अस्थिर राजनीतिक परिदृश्य के कारण उत्पन्न स्थिति के बीच हो रही है।

अल नाान और मोदी जल्द ही व्यापक वार्ता करेंगे। अधिकारियों ने बताया कि दोनों नेताओं के बीच व्यापार और निवेश, रक्षा उद्योग सहयोग और ऊर्जा पहल पर वार्ता होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया की स्थिति पर भी दोनों नेताओं के बीच चर्चा होने की संभावना है।

बस दो घंटे दिल्ली में रुकेंगे अल नाान

बता दें, मंत्रालय के अनुसार, दोनों देशों के बीच व्यापार वित्त वर्ष 24-25 में 100.06 अरब डॉलर के आंकड़े को पार कर गया है, जो कि 19.6 प्रतिशत की शानदार बढ़ोतरी को दर्शाता है। इसी के साथ यह उपलब्धि भारत के लिए यूएई को उसके खास व्यापार साझेदारों में से एक बनाती है।बता दें, बीते कुछ वर्षों में भारत और यूएई के बीच का संबंध और भी प्रगाढ़ हुआ है। दोनों देशों ने अलग-अलग क्षेत्रों में व्यापारिक संबंधों को और मजबूत किया है। पीएम मोदी को यूएई ने 2019 में यूएई के सर्वोच्च नागरिक सम्मान ऑर्डर ऑफ जायद से सम्मानित किया जा चुका है।

कर्नल सोफिया कुरैशी केस

सुप्रीम कोर्ट ने एमपी सरकार से पूछा, अब तक मंत्री पर केस चलाने की मंजूरी क्यों नहीं

नईदिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान कर्नल सोफिया कुरैशी पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में मध्य प्रदेश के भाजपा मंत्री कुंवर विजय शाह के खिलाफ जांच पूरी हो जाने के बावजूद राज्य सरकार की ओर से अब तक अभियोजन की मंजूरी न देने पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त सवाल उठाए हैं। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) की अगुवाई वाली बेंच ने सुनवाई के दौरान कहा कि विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने अगस्त 2025 में ही अपनी जांच पूरी कर ली थी और राज्य सरकार से अभियोजन (केस चलाने) की अनुमति मांगी गई थी, लेकिन अब तक इस पर कोई फैसला नहीं लिया गया है। कोर्ट ने इसे गंभीर मामला बताते हुए कहा कि कानून के तहत सरकार पर समय पर निर्णय लेने की वैधानिक जिम्मेदारी है। सुनवाई के दौरान सीजेआई ने सीधे तौर पर पूछा, क्या हम सही समझ रहे हैं कि एसआईटी) ने राज्य सरकार से कार्रवाई के लिए अनुमति मांगी है और सरकार अब तक उस पर चुप बैठी हुई है? कोर्ट में मौजूद एसआईटी के एक सदस्य ने बताया कि उन्हें अब डीआईजी इंटेलिजेंस के तौर पर नियुक्त किया गया है। इस पर कोर्ट ने एसआईटी की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि रिपोर्ट में दो पुराने मामलों का भी जिक्र है, उनमें एक नवंबर 2020 का और दूसरा उससे पहले का। हालांकि, इन मामलों को मौजूदा जांच में शामिल नहीं किया गया। सीजेआई ने इस पर नाराजगी जताते हुए कहा कि समय की कमी के कारण अगर उन मामलों को छोड़ा गया है तो एसआईटी को उम्मीद है कि वो उन आरोपों की भी जांच पूरी करेगी।

सार संक्षेप

जम्मू-कश्मीर में आतंकी मुठभेड़ में घायल जवान शहीद,कल किश्तवाड़ में 8 जवान घायल हुए थे

किश्तवाड़। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में आतंकियों की तलाश के दौरान रविवार को सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई थी। इस दौरान 8 जवान घायल हो गए थे। इनमें से एक जवान की सोमवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। शहीद जवान की पहचान हवलदार गजेंद्र सिंह के रूप में हुई है। किश्तवाड़ में दूसरे दिन भी सर्च ऑपरेशन जारी है। अधिकारियों के मुताबिक, जंगलों में पाकिस्तान के आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े 2 से 3 आतंकी छिपे हुए हैं। आतंकियों को पकड़ने के लिए सेना, पुलिस और अर्धसैनिक बलों की कई टीमें इलाके में तैनात हैं। ड्रोन और स्निफर डॉग्स की मदद से जंगलों में तलाशी ली जा रही है। दरअसल, सेना ने रविवार को किश्तवाड़ के तरू बेल्ट में मंडराल-सिंहपोरा के पास सोनार गांव के जंगलों में ऑपरेशन त्राशी-1 शुरू किया था। इसी दौरान आतंकियों से मुठभेड़ हो गई थी।

नौसेने प्रमुख युवाओं से बोले, आप विकसित भारत के अभिनेता, निर्देशक और दर्शक होंगे

नईदिल्ली : नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने सोमवार को विकसित भारत के निर्माण में देश के युवाओं की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि इस यात्रा में वे इसके अभिनेता, निमार्ता, निर्देशक और कई बार दर्शक भी होंगे। यहां राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) कैडेट की एक सभा को संबोधित करते हुए, त्रिपाठी ने कड़ी मेहनत और लगन के महत्व पर जोर देने के लिए टेनिस के महान खिलाड़ी रोजर फेडरर का उदाहरण दिया और साहस के महत्व को समझाने के लिए 1971 के युद्ध में सेकंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल के शौर्य और बलिदान को याद किया। नौसेना प्रमुख ने युवाओं से आत्म-अनुशासन और टीम वर्क के मूल्यों को आत्मसात करने का आग्रह किया और जोर देकर कहा कि केवल व्यक्तिगत उत्कृष्टता से कोई संगठन या राष्ट्र विकसित नहीं हो सकता। एडमिरल ने कहा, यदि आप इस टीम भावना और युवा ऊर्जा को एकता और उद्देश्य के साथ जोड़ सकते हैं, तो यह 2047 तक विकसित भारत बनने के हमारे राष्ट्र के लक्ष्य में एक प्रेरक शक्ति बन जाएगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि देश की लगभग 65 प्रतिशत आबादी युवा वर्ग की है, इसलिए 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में उन्हें आगे आना होगा।

आतंक पर जयशंकर की दो टूक पोलैंड के शीर्ष नेतृत्व के साथ की बैठक

पड़ोस में आतंकी ढांचे को बढ़ावा न दें

नई दिल्ली : भारत ने पोलैंड को आतंकवाद पर सख्त संदेश देते हुए कहा है कि वह भारत के पड़ोस में आतंकी ढांचे को बढ़ावा न दे। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कश्मीर पर पोलैंड-पाकिस्तान संयुक्त बयान और यूक्रेन मुद्दे पर भारत के चुनिंदा निशाने पर नाराजगी जताई। आइए इस खबर में जानते हैं कि बैठक में किन-किन मुद्दों पर बात हुई।

भारत ने आतंकवाद के मुद्दे पर एक बार फिर साफ और कड़ा रुख अपनाया है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पोलैंड से स्पष्ट शब्दों में कहा है कि वह आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस अपनाए और भारत के पड़ोस में आतंकी ढांचे को किसी भी तरह से बढ़ावा न दे। यह बयान नई दिल्ली में पोलैंड के शीर्ष नेतृत्व के साथ हुई अहम बैठक के दौरान आया। जयशंकर का यह संदेश उस पृष्ठभूमि में आया है, जब पिछले साल अक्तूबर में पोलैंड और पाकिस्तान के संयुक्त बयान में कश्मीर का उल्लेख किया गया था। इसे लेकर भारत ने असंतोष जताया। बैठक में जयशंकर ने न सिर्फ आतंकवाद पर चिंता रखी, बल्कि यूक्रेन संघर्ष को लेकर भारत पर हो रहे चुनिंदा और अनुचित हमलों पर भी नाराजगी जताई। कश्मीर और आतंकवाद पर सख्त रुख जयशंकर ने पोलैंड के विदेश मंत्री रादोस्लाव सिकोरस्की से स्पष्ट बात रखी। उन्होंने कहा कि पोलैंड भारत के क्षेत्र और उसकी सुरक्षा चुनौतियों से भली-भांति परिचित है। सीमा पार आतंकवाद पर पोलैंड से साफ और संतुलित रुख अपनाने की अपेक्षा जताई। भारत के पड़ोस में सक्रिय आतंकी ढांचे को किसी भी तरह का समर्थन न देने पर जोर दिया। राजनीतिक या कूटनीतिक स्तर पर आतंक से जुड़े ढांचों को समर्थन अस्वीकार्य बताया। यूक्रेन संघर्ष और 'चुनिंदा निशाना' बैठक में विदेश मंत्री ने यूक्रेन संघर्ष को लेकर भारत पर हो रही आलोचना का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि रूस से ऊर्जा खरीद को लेकर भारत को बार-बार निशाना बनाया जाना न तो उचित है और न ही न्यायसंगत। इस पर पोलैंड के विदेश मंत्री ने भी सहमति जताते हुए माना कि कुछ मामलों में भारत को चुनिंदा तौर पर टारगेट किया गया है। भारत-पोलैंड रिश्तों में मजबूती जयशंकर ने दोनों देशों के रिश्तों में आई मजबूती को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि अगस्त 2024 में नरेंद्र मोदी की पोलैंड यात्रा के बाद द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझेदारी का दर्जा मिला। व्यापार, निवेश, रक्षा, स्वच्छ तकनीक और डिजिटल इनोवेशन जैसे क्षेत्रों में सहयोग लगातार बढ़ रहा है। भारत-पोलैंड व्यापार करीब 7 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है और भारतीय निवेश से पोलैंड में रोजगार के नए अवसर बने हैं। जयशंकर ने भारत और पोलैंड के ऐतिहासिक मानवीय संबंधों का भी जिक्र किया। उन्होंने डोब्री महाराजा की परंपरा को याद दिलाया, जिसके तहत द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान पोलिश बच्चों को भारत में शरण, भोजन और शिक्षा मिली थी। उन्होंने कहा कि यही मानवीय जुड़ाव आज भी दोनों देशों के रिश्तों की मजबूत नींव है।

एटा में दिनदहाड़े एक ही परिवार के चार लोगों की हत्या रू फर्स पर खून से लथपथ मिलीं लाशें

एटा। एटा जिला मुख्यालय के कोतवाली नगर क्षेत्र में सोमवार को कथित रूप से हमला करके एक ही परिवार की तीन महिलाओं समेत चार सदस्यों की हत्या कर दी गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार कोतवाली नगर थानाक्षेत्र के सुनहरी नगर नगला प्रेमी मोहल्ले में अज्ञात हत्यारों ने एक घर में घुसकर तीन महिलाओं समेत चार लोगों को ईंटों से कुचलकर मार डाला। वैसे यह घटना कब और कैसे हुई-- इसका रहस्य बना हुआ है। बाद में मौके पर सैकड़ों की संख्या में भीड़ जमा हो गई। पुलिस के मुताबिक मृतकों की पहचान गंगा सिंह (70), उनकी पत्नी श्यामा देवी (65) और उनकी बेटी ज्योति (23) तथा कमल सिंह की पत्नी रत्ना सिंह के रूप में हुई है। पुलिस का कहना है कि हमले में रत्ना सिंह गंभीर रूप से घायल हो गई और एटा मेडिकल कॉलेज में उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। स्थानीय निवासी अभिलाख सिंह ने बताया कि गंगा सिंह कैंसर से पीड़ित थे। उन्होंने बताया कि ग्रामीणों ने पुलिस को इस घटना की सूचना दी। अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) श्वेताभ पांडे ने बताया कि कई थानों की पुलिस टीम मौके पर पहुंचीं और इलाके को सुरक्षित कर लिया, जबकि फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि हमलावरों ने ईंट से हमला कर वारदात को अंजाम दिया लेकिन इसकी आधिकारिक पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो पायेगी। एएसपी ने बताया कि घटना स्थल के सीसीटीवी कैमरे के सहारे हत्यारों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि परिजनों की तहरीर मिलने के बाद रिपोर्ट दर्ज कर कार्यवाही की जाएगी।

उन्होंने कहा कि हत्यारों की तलाश के लिए पुलिस टीम गठित की गई हैं। पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा। एएसपी के मुताबिक क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है एवं शवों को पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया है।

संजय राउत का दावा

शिंदे के बाद भाजपा भी अपने पार्षदों को छिपाने की योजना बना रही

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने सोमवार को दावा किया कि शिंदे के बाद भाजपा भी अपने पार्षदों को किसी सुरक्षित जगह पर ले जाने की योजना बना रही है। राउत ने कहा शिंदे अपने पार्षदों को पहले ही पांच सितारा होटल में भेज चुके हैं। सवाल है-कौन किससे डर रहा है? संजय राउत ने कहा नगर निकाय चुनावों के नतीजों को देखते हुए कोई भी पार्टी आसानी से बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) मेयर पद पर दावा नहीं कर सकती। मुख्यमंत्री फडणवीस स्विट्जरलैंड में वर्ल्ड इकॉनोमिक फोरम की बैठक में हैं और यहां पार्षदों को इधर-उधर भेजा जा रहा है। यह अजीब है। महाराष्ट्र के 29 नगर निगमों में 15 जनवरी को चुनाव हुए थे। बीएमसी सहित अन्य निगमों के नतीजे 16 जनवरी को आया था। बीएमसी के 227 सीटों में भाजपा ने 89 वार्ड जीते। शिंदे गुट को 29 सीटें मिलीं। मेयर के लिए बहुमत का आंकड़ा 114 है। इसके लिए भाजपा को शिंदे गुट के 25 पार्षदों के समर्थन की जरूरत होगी। 29 नगर निगमों में मेयर पद के लिए 22 जनवरी को लॉटरी निकाली जाएगी। इसमें यह तय होगा कि पद ओपन कैटेगरी, अनुसूचित जाति,जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग या महिलाओं के लिए आरक्षित रहेगा। कैटेगरी तय होते ही उसी दिन या अगले दिन अधिसूचना जारी की जाएगी। इसके बाद सात दिन का नोटिस अनिवार्य होने के कारण मेयर चुनाव 29 या 30 जनवरी को होने की संभावना है। अगर अधिसूचना 23 जनवरी को जारी हुई तो मतदान 30 या 31 जनवरी को कराया जा सकता है। मुख्यमंत्री फडणवीस 24 जनवरी को स्विट्जरलैंड से वापस आएंगे। चुनाव नतीजों के बाद शिवसेना ने अपने 29 पार्षदों को बांद्रा के होटल ताज लैंड्स एंड में ठहराया है। पार्टी का कहना है कि होटल में पार्षदों के लिए ओरिएंटेशन वर्कशॉप किया जा रहा है, ताकि उन्हें देश की सबसे समृद्ध नगर निकाय बीएमसी के कामकाज की जानकारी दी जा सके।

भाजपा अध्यक्ष चुनाव- नितिन नबीन का नामांकन कराने पहुंचे शाह-राजनाथ, : निर्विरोध चुना जाना तय

नई दिल्ली : भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनना तय है। वे पार्टी के 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए भाजपा मुख्यालय में कुछ देर में नामांकन दाखिल करने वाले हैं। नॉमिनेशन की प्रक्रिया पार्टी हेडक्वार्टर में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, नितिन गडकरी और दूसरे सीनियर नेताओं की मौजूदगी में शुरू हो गई है। इन सभी नेताओं ने चुनाव अधिकारी को नितिन के लिए समर्थन पत्र जमा कर दिया है। इधर, नितिन की पत्नी दीपमाला श्रीवास्तव ने कहा, केंद्रीय नेतृत्व को पहचान है कि कौन व्यक्ति काम करने में सक्षम, हीरे की परख जौहरी को ही होती है। पार्टी ने हीरा चुनकर निकाल लिया। पार्टी के लिए नितिन ने दिन रात मेहनत की। उनकी मेहनत का फल उन्हें मिल गया। शाम 4 बजे से 5 बजे तक नामांकन की जांच होगी। शाम 5 बजे से 6 बजे तक नाम वापस लेने का समय होगा। एक ही नामांकन पत्र आया तो चुनाव अधिकारी नितिन को निर्विरोध अध्यक्ष घोषित कर देंगे। अगर किसी और दावेदार ने फॉर्म जमा किया तो 20 तारीख को वोटिंग होगी। भाजपा ने 16 जनवरी को राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए नोटिफिकेशन जारी किया था। नितिन को 14 दिसंबर 2025 को पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया था। भाजपा में अब तक 11 नेता राष्ट्रीय अध्यक्ष रह चुके हैं। इनमें लालकृष्ण आडवाणी तीन बार अध्यक्ष बने, जबकि राजनाथ सिंह ने दो बार यह जिम्मेदारी संभाली। पिछले 6 महीने में तीन राज्यों में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष निर्विरोध चुने गए हैं। जुलाई में हेमंत खंडेलवाल को एमपी का प्रदेश अध्यक्ष चुना गया था। उसके बाद दिसंबर में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री और सात बार के लोकसभा सांसद पंकज चौधरी को उत्तर प्रदेश बीजेपी का प्रदेश अध्यक्ष चुन गया था। उनके अलावा किसी ने नामांकन दाखिल नहीं किया। वहीं जनवरी में झारखंड में आदित्य साहू को प्रदेश अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी मिली। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव राष्ट्रीय परिषद करती है, जिसमें लगभग 5,708 सदस्य शामिल हैं।

एनसीआर में वायु प्रदूषण ने तोड़ा रिकॉर्ड, एक्यूआई 500 के करीब, ग्रैप-4 नियम हैं लागू

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु प्रदूषण ने बीते कई दिनों के सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद सहित पूरे एनसीआर में एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) बेहद गंभीर श्रेणी में पहुंच गया है। कई इलाकों में एक्यूआई 450 से ऊपर दर्ज किया गया, जबकि कुछ स्थानों पर यह 500 के करीब पहुंचता नजर आया। प्रदूषण की भयावह स्थिति के चलते पूरा एनसीआर मानो गैस चैंबर में तब्दील हो गया है। दिल्ली के हालात सबसे ज्यादा खराब हैं। दिल्ली के अधिकांश मॉनिटरिंग स्टेशनों पर एक्यूआई गंभीर श्रेणी में दर्ज किया गया। आनंद विहार में एक्यूआई 461, अशोक विहार में 471, बवाना में 442, चांदनी चौक में 454, जहांगीरपुरी में 468, रोहिणी में 471, विवेक विहार में 472 और वजीरपुर में 473 दर्ज किया गया। आईटीओ क्षेत्र में 430, आर.के. पुरम में 439, सोनिया विहार में 467 और मंदिर मार्ग में 371 रहा। आईजीआई एयरपोर्ट (टी-3) क्षेत्र में भी एक्यूआई 339 दर्ज किया गया, जो खराब से गंभीर की श्रेणी में आता है। नोएडा और गाजियाबाद की स्थिति भी चिंताजनक बनी हुई है। नोएडा में सेक्टर-62 में एक्यूआई 375, सेक्टर-1 में 439 और सेक्टर-116 में 422 दर्ज किया गया। गाजियाबाद के इंदिरापुरम में एक्यूआई 433, लोनी में 476, संजय नगर में 389 और वसुंधरा में 457 रिकॉर्ड किया गया। इन आंकड़ों से साफ है कि दिल्ली से सटे शहरों में भी प्रदूषण खतरनाक स्तर पर पहुंच चुका है।

केरल से राहुल का भाजपा पर बड़ा हमला

ये लोग जनता की आवाज सुनना ही नहीं चाहते

केरल। केरल में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भाजपा पर सत्ता का केंद्रीकरण करने और जनता की आवाज को अनसुना करने का आरोप लगाया। उन्होंने 'मौन की संस्कृति' की आलोचना करते हुए कहा कि महान राष्ट्र तब बनते हैं जब लोग अपने विचारों के लिए संघर्ष करते हैं, न कि चुप रहते हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को जनता से चुप्पी न साधने का आग्रह करते हुए कहा कि निःसंकोच संस्कृति में लालच का विचार गहराई से समाया हुआ है। राहुल गांधी ने कलामस्सेरी में एम लीलावती को केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा प्रियदर्शनी साहित्य पुरस्कार प्रदान किया। कोच्चि में एक सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि पूरे देश में हम ऐसे लोगों को देखते हैं जो किसी बात पर विश्वास तो करते हैं लेकिन उसे कहने का साहस नहीं रखते। लेकिन महान राष्ट्र मौन में नहीं बनते। महान राष्ट्र और महान लोग तब बनते हैं जब वे अपने विचार और राय व्यक्त करते हैं और उनके लिए संघर्ष करते हैं। गांधी ने कहा कि मौन संस्कृति में लालच का विचार भी गहराई से समाया हुआ है: मुझे जो चाहिए वह मिल रहा है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। मुझे कुछ कहने की जरूरत नहीं है। मैं लोगों को अपमानित होते हुए, लोगों की हत्या होते हुए, लोगों को मरते हुए देख सकता हूं। जब तक मैं ठीक हूं, सब ठीक है। यही लालच की संस्कृति है। लोकसभा के विपक्ष के नेता ने कोच्चि के मरीन ड्राइव में पार्टी के निर्वाचित स्थानीय निकाय प्रतिनिधियों से भी मुलाकात की। राहुल ने कहा कि मैं स्थानीय निकाय चुनावों में भाग लेने वाले सभी लोगों को बधाई देना चाहता हूँ जिन्होंने कांग्रेस पार्टी और यूडीएफ के लिए शानदार परिणाम दिए। ग्राम पंचायत, ब्लॉक पंचायत, जिला परिषद, नगरपालिका और नगर निगमों सहित सभी स्तरों पर हमारा प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा। मैं विशेष रूप से प्रसन्न हूँ क्योंकि पंचायतें, जो सरकार का तीसरा स्तर हैं, हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था की नींव हैं। यदि हम संविधान की रक्षा करना चाहते हैं, तो हमें पंचायतों और नगर पालिकाओं की रक्षा करनी होगी। हमें हमेशा याद रखना चाहिए कि 73वें और 74वें संवैधानिक संशोधनों का विचार कांग्रेस पार्टी का ही था। संविधान का मूल सिद्धांत एक व्यक्ति, एक वोट है। और इसका मतलब यह है कि देश के संचालन में प्रत्येक भारतीय नागरिक की आवाज होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर आप भाजपा और आरएसएस तथा हम, कांग्रेस पार्टी, के बीच के अंतर को गहराई से देखें, तो पाएंगे कि वे सत्ता के केंद्रीकरण के पक्षधर हैं, जबकि हम सत्ता के विकेंद्रीकरण के पक्षधर हैं।

वे भारत की जनता से अंधाधुंध आज्ञापालन चाहते हैं; वे भारत की जनता की आवाज सुनना ही नहीं चाहते। पर एक पोस्ट में कांग्रेस ने कहा, ₹केरल के कोचीन हवाई अड्डे पर विपक्ष के नेता राहुल गांधी का पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया। केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता वी.डी. सतीशान, एआईसीसी महासचिव वेणुगोपाल और अन्य पार्टी नेता भी महापंचायत में मौजूद हैं।

मार्ग परिवर्तन, पुनर्निर्धारण, शॉर्ट टर्मिनेशन/शॉर्ट -ओरिजिनेशन निम्नवत किया जायेगा

गोरखपुर,: पूर्वोत्तर रेलवे पर इन्फ्रास्ट्रक्चर का विस्तार निरन्तर किया जा रहा है। इसी क्रम में गाड़ियों की गति बढ़ाने, संचलन समय में बचत करने एवं अतिरिक्त गाड़ियों के संलचन हेतु गोण्डा-बुढ़वल रेलखण्ड पर स्थित गोण्डा-गोण्डा कचहरी स्टेशनों के मध्य तीसरी लाइन के प्रावधान हेतु प्री-नान इण्टरलॉक एवं नान इण्टरलॉक कार्य किये जाने के कारण 18 फरवरी से 08 मार्च, 2026 तक कुछ गाड़ियों का निरस्तीकरण, मार्ग परिवर्तन, पुनर्निर्धारण, शॉर्ट टर्मिनेशन/शॉर्ट - ओरिजिनेशन निम्नवत किया जायेगा -

निरस्तीकरण-

-बान्द्रा टर्मिनस से 15 मार्च, 2026 को चलने वाली 22921 बान्द्रा टर्मिनस-गोरखपुर एक्सप्रेस निरस्त रहेगी।

-गोरखपुर से 17 मार्च, 2026 को चलने वाली 22922 गोरखपुर-बान्द्रा टर्मिनस एक्सप्रेस निरस्त रहेगी।

-ग्वालियर से 18 मार्च, 2026 को चलने वाली 22199 ग्वालियर-बलरामपुर एक्सप्रेस निरस्त रहेगी।

-बलरामपुर से 19 मार्च, 2026 को चलने वाली 22200 बलरामपुर-ग्वालियर एक्सप्रेस निरस्त रहेगी।

-छपरा से 16 मार्च, 2026 को चलने वाली 15133 छपरा-आनन्द विहार टर्मिनस एक्सप्रेस निरस्त रहेगी।

-आनन्द विहार टर्मिनस से 18 मार्च, 2026 को चलने वाली 15134 आनन्द विहार टर्मिनस-छपरा एक्सप्रेस निरस्त रहेगी।

-गोरखपुर से 17 मार्च, 2026 को चलने वाली 12597 गोरखपुर-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस एक्सप्रेस निरस्त रहेगी।

-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से 18 मार्च, 2026 को चलने वाली 12598 छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-गोरखपुर एक्सप्रेस निरस्त रहेगी।

-पुणे से 19 मार्च, 2026 को चलने वाली 15029 पुणे-गोरखपुर एक्सप्रेस निरस्त रहेगी।

-गोरखपुर से 21 मार्च, 2026 को चलने वाली 15030 गोरखपुर-पुणे एक्सप्रेस निरस्त रहेगी।

-गोरखपुर से 22 मार्च, 2026 को चलने वाली 55073 गोरखपुर-बढ़नी एक्सप्रेस निरस्त रहेगी।

-वाराणसी से 03 से 20 मार्च, 2026 तक चलने वाली 14213 वाराणसी-बहराइच एक्सप्रेस निरस्त रहेगी।

-बहराइच से 04 से 21 मार्च, 2026 तक चलने वाली 14214 बहराइच-वाराणसी एक्सप्रेस निरस्त रहेगी।

-अयोध्या कैण्ट से 16 से 20 मार्च, 2026 तक चलने वाली 64220 अयोध्या कैण्ट-मनकापुर मेमू गाड़ी निरस्त रहेगी।

-मनकापुर से 16 से 20 मार्च, 2026 तक चलने वाली 64223 मनकापुर-अयोध्या धाम मेमू गाड़ी निरस्त रहेगी।

-अयोध्या धाम से 16 से 20 मार्च, 2026 तक चलने वाली 64224 अयोध्या धाम-मनकापुर मेमू गाड़ी निरस्त रहेगी।

-मनकापुर से 16 से 20 मार्च, 2026 तक चलने वाली 64217 मनकापुर-अयोध्या कैण्ट मेमू गाड़ी निरस्त रहेगी।

-रक्सौल से 18 से 20 मार्च, 2026 तक चलने वाली 15273 रक्सौल-आनन्द विहार टर्मिनस एक्सप्रेस निरस्त रहेगी।

-आनन्द विहार टर्मिनस से 19 से 21 मार्च, 2026 तक चलने वाली 15274 आनन्द विहार टर्मिनस-रक्सौल एक्सप्रेस निरस्त रहेगी।

-गोण्डा एवं बहराइच के मध्य 02 से 20 मार्च, 2026 तक चलने वाली 75109/75110 गोण्डा-बहराइच-गोण्डा डेमू गाड़ी निरस्त रहेगी।

-गोण्डा एवं बहराइच के मध्य 02 से 20 मार्च, 2026 तक चलने वाली 75111/75112 गोण्डा-बहराइच-गोण्डा डेमू गाड़ी निरस्त रहेगी।

-गोण्डा एवं बहराइच के मध्य 02 से 20 मार्च, 2026 तक चलने वाली 75113/75114 गोण्डा-बहराइच-गोण्डा डेमू गाड़ी निरस्त रहेगी।

-गोण्डा एवं सीतापुर के मध्य 02 से 20 मार्च, 2026 तक चलने वाली 55033/55034 गोण्डा-सीतापुर-गोण्डा सवारी गाड़ी निरस्त रहेगी।

-सीतापुर एवं शाहजहाँपुर के मध्य 02 से 20 मार्च, 2026 तक चलने वाली 55059/55060 सीतापुर-शाहजहाँपुर-सीतापुर सवारी गाड़ी निरस्त रहेगी।

-गोण्डा से 02 से 20 मार्च, 2026 तक चलने वाली 55091 गोण्डा-सीतापुर सिटी सवारी गाड़ी निरस्त रहेगी।

-सीतापुर सिटी से 03 से 21 मार्च, 2026 तक चलने वाली 55092 सीतापुर सिटी- गोण्डा सवारी गाड़ी निरस्त रहेगी।

-गोरखपुर से 02 से 20 मार्च, 2026 तक चलने वाली 55093 गोरखपुर-गोण्डा सवारी गाड़ी निरस्त रहेगी।

-गोण्डा से 03 से 21 मार्च, 2026 तक चलने वाली 55094 गोण्डा-गोरखपुर सवारी गाड़ी निरस्त रहेगी।

-गोरखपुर से 16 से 20 मार्च, 2026 तक चलने वाली 15081 गोरखपुर-गोमतीनगर एक्सप्रेस निरस्त रहेगी।

-गोमतीनगर से 17 से 21 मार्च, 2026 तक चलने वाली 15082 गोमतीनगर- गोरखपुर एक्सप्रेस निरस्त रहेगी।

-ऐशबाग से 17 से 20 मार्च, 2026 तक चलने वाली 15070 ऐशबाग-गोरखपुर एक्सप्रेस निरस्त रहेगी।

-गोरखपुर से 18 से 21 मार्च, 2026 तक चलने वाली 15069 गोरखपुर-ऐशबाग एक्सप्रेस निरस्त रहेगी।

-छपरा से 17 से 19 मार्च, 2026 तक चलने वाली 15114 छपरा-गोमतीनगर एक्सप्रेस निरस्त रहेगी।

-गोमतीनगर से 19 से 20 मार्च, 2026 तक चलने वाली 15113 गोमतीनगर-छपरा एक्सप्रेस निरस्त रहेगी।

-गोरखपुर एवं लखनऊ जं. से 18 से 20 मार्च, 2026 तक चलने वाली 15031/15032 गोरखपुर-लखनऊ जं.-गोरखपुर एक्सप्रेस निरस्त रहेगी।

-भटनी एवं अयोध्या धाम से 18 से 20 मार्च, 2026 तक चलने वाली 65115/65116 भटनी-अयोध्या धाम-भटनी सवारी गाड़ी निरस्त रहेगी।

-गोण्डा से 21 मार्च से 22 मार्च, 2026 तक चलने वाली 55032 गोण्डा-गोरखपुर सवारी गाड़ी निरस्त रहेगी।

-गोरखपुर एवं बढ़नी से 21 से 22 मार्च, 2026 तक चलने वाली 55075 गोरखपुर-बढ़नी सवारी गाड़ी निरस्त रहेगी।

उच्च-तल प्लेटफॉर्मों से ट्रेनों में चढ़ना/उतरना सुविधाजनक हो गया

गोरखपुर, : यात्री प्रधान पूर्वोत्तर रेलवे अपने उपभोक्ताओं को उन्नत यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने के लिये सतत प्रयत्नशील है। पूर्वोत्तर रेलवे पर यात्री सुविधाओं के विकास एवं विस्तार के लिये इन्फ्रास्ट्रक्चर को सुदृढ़ एवं सुविकसित किया जा रहा है। वर्तमान वित्त वर्ष 2025-26 में यात्रियों के संरक्षित आवागमन हेतु फुट ओवर ब्रिज (एफ.ओ.बी.) का कार्य पूर्ण कर यात्री जनता के लिये खोल दिया गया है तथा यात्रियों का ट्रेनों में चढ़ना/उतरना सुविधाजनक बनाने हेतु उच्च-तल के प्लेटफॉर्म (नया/विस्तार) का कार्य पूर्ण किया गया है। पूर्वोत्तर रेलवे के कुल 23 स्टेशनों पर फुट ओवर ब्रिज (एफ.ओ.बी.) तथा 09 स्टेशनों पर 14 उच्च-तल के प्लेटफॉर्म (नया/विस्तार) का कार्य पूर्ण किया गया। यात्री सुविधा हेतु वर्तमान वित्त वर्ष में पूर्वोत्तर रेलवे के करीमुद्दीनपुर, पिपरीडीह, कीड़िहरापुर, रामकोला, कठकुइयाँ, तरयासुजान, लक्ष्मीगंज, दुदही, शमसाबाद, लार रोड, रति का नगला, अगसौली, मुरसान, बोदरवार, गुरसहायगंज, रामनाथपुर, जशोदा, सलेमपुर, राया, रिसिया, मटेरा, नानपारा एवं नेपालगंज रोड सहित कुल 23 स्टेशनों पर फुट ओवर ब्रिज (एफ.ओ.बी.) का निर्माण किया गया है। यात्रियों के सुगम आवागमन हेतु नवाबगंज, लार रोड, गूलरभोज, पिपरीडीह, रिसिया (02 अदद प्लेटफॉर्म), मटेरा (02 अदद प्लेटफॉर्म), नानपारा (02 अदद प्लेटफॉर्म), बाबागंज एवं नेपालगंज रोड (03 अदद प्लेटफॉर्म) सहित 09 स्टेशनों पर 14 उच्च-तल के प्लेटफॉर्म (नया/विस्तार) का कार्य पूर्ण किया गया। इन फुट ओवर ब्रिज के माध्यम से यात्रियों को एक प्लेटफॉर्म से दूसरे प्लेटफॉर्म पर आने-जाने में सहूलियत हो रही है साथ ही संरक्षा एवं सुरक्षा को बढ़ावा मिल रहा है। उच्च-तल प्लेटफॉर्मों से ट्रेनों में चढ़ना/उतरना सुविधाजनक हो गया है।

यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता है

गोरखपुर,: रेलवे सुरक्षा बल, पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा, रेल सम्पत्ति की सुरक्षा, अवैध सामानों की धर-पकड़, यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता है। इसी क्रम में 18 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट बस्ती व अपराध आसूचना शाखा गोरखपुर क्षेत्र द्वारा संयुक्त निगरानी के दौरान जिगना बाजार स्थित मोबाइल रिपेयरिंग की दुकान से रेलवे टिकटों के अवैध कारोबार में संलिप्त एक व्यक्ति को 06 अद आरक्षित ई-टिकट व बिना यात्रा किये 03 अद रेल आरक्षित ई-टिकट के साथ गिरफ्तार किया गया। 18 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट कप्तानगंज द्वारा निगरानी के दौरान उनौला रेलवे स्टेशन के पश्चिम छोर से रेल सम्पत्ति की चोरी करने वाले शातिर अपराधी चोरी के रेल सम्पत्ति (02 अद विभिन्न साइज के क्वाड केबल व 11 अद पेन्डाल) के साथ गिरफ्तार किया गया। मानवीय सहायता के अन्तर्गत 18 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट लखनऊ जं. व बचपन बचाओ अन्दोलन के सदस्य को संयुक्त निगरानी के दौरान लखनऊ जं. के प्लेटफार्म सं0 2/3 के पश्चिम साइड एफओबी के पास से 50 वर्ष का पिता अपने 06 वर्ष के लड़के के साथ गम्भीर रूप से बीमार हालत में मिला, जिसे बलरामपुर हास्पिटल में ईलाज हेतु भर्ती कराया गया तथा 06 वर्ष के लड़के को चाइल्ड लाइन लखनऊ जं. को सुपुर्द किया गया। 18 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोरखपुर को निगरानी के दौरान स्टेशन के मेन गेट के सामने हाल से घर में नाराज होकर आयी 17 वर्ष की एक लड़की लावारिस हालत में मिली, जिसे पूछताछ के उपरान्त चाइल्ड लाइन गोरखपुर को सुपुर्द किया गया। 17 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट वाराणसी सिटी को निगरानी के दौरान स्टेशन के प्लेटफार्म सं0 1 पर घर से नाराज होकर आयी 14 वर्ष की एक लड़की लावारिस हालत में मिली, जिसे पूछताछ के उपरान्त चाइल्ड लाइन, वाराणसी को सुपुर्द किया गया। 16 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट वाराणसी सिटी को निगरानी के दौरान स्टेशन के प्लेटफार्म सं0 1 पर 14 वर्ष का एक लड़का लावारिस हालत में मिला, जिसे पूछताछ के उपरान्त चाइल्ड लाइन वाराणसी को सुपुर्द किया गया। 16 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोण्डा को निगरानी के दौरान स्टेशन के प्लेटफार्म सं0 1 पर 16 वर्ष का एक लड़का लावारिस हालत में मिला तथा गाड़ी सं0 11079 के रेलवे सुरक्षा बल के स्कोर्ट को 17 वर्ष के एक लड़का एवं 17 वर्ष की एक लड़की लावारिस हालत में मिलने पर रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट कप्तानगंज को सौंपा गया। पूछताछ के उपरान्त तीनों बच्चों को चाइल्ड लाइन गोण्डा को सुपुर्द किया गया।

सहकारिता का अर्थ निस्वार्थ सेवा और सामूहिक उत्थान

बस्ती। सहकार भारती के 48वें स्थापना दिवस पर रविवार को प्रेस क्लब में सहकारिता आंदोलन के प्रणेता लक्ष्मणराव इनामदार को नमन करते हुए सहकारिता के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने का संकल्प लिया गया। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष ओमकार चौधरी व संचालन पूर्व विभाग संयोजक सुनील यादव ने किया। मुख्य अतिथि सभापति पीसीएफ उत्तर प्रदेश वाल्मीकि त्रिपाठी ने सहकार भारती के ऋषि पुरुष लक्ष्मणराव इनामदार के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इनामदार ने सहकारिता को केवल व्यापार नहीं, बल्कि एक संस्कार के रूप में स्थापित किया।

लखनऊ में बम की सूचना पर कानपुर के एयरपोर्ट पर चेकिंग अभियान यात्रियों के सामान की जांच कर मिल रही एंट्री

कानपुर। बाहर से आने वाले यात्रियों की गाड़ियों की भी जांच हो रही है। सीआईएसएफ जवान सीसीटीवी कैमरे से निगरानी कर रहे हैं।

प्लेन में बम की सूचना पर लखनऊ में इंडिगो की फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। इसी को देखते हुए कानपुर एयरपोर्ट पर रविवार को चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान सीआईएसएफ ने सभी गाड़ियों की चेकिंग की। एयरपोर्ट पर आने वाले यात्रियों को भी कड़ी चेकिंग के बीच से होकर गुजरना पड़ा। एयरपोर्ट परिसर पर सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है। रविवार सुबह इंडिगो की फ्लाइट में बम की सूचना मिली। इस दौरान लखनऊ एयरपोर्ट पर दिल्ली से बागडोगरा (पश्चिम बंगाल) जा रहे विमान की लखनऊ में इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। बम की सूचना एक नैपकिन में लिखी यात्री को मिली इस दौरान यात्री ने क्रू मेंबर्स को सूचना दी थी। वहीं, इस फ्लाइट में 230 यात्री मौजूद थे जिनको चेकिंग के बाद निकाला गया। सीआईएसएफ के जवानों ने कानपुर एयरपोर्ट पर भी सघन चेकिंग अभियान चलाया। गणतंत्र दिवस पर किसी भी तरह की अनहोनी न हो इसको लेकर एयरपोर्ट अथॉरिटी पूरी तरह से सतर्क है। कानपुर एयरपोर्ट पर हाईअलर्ट जारी कर दिया गया है। चार फ्लाइटों से करीब एक हजार यात्रियों का आवागमन कानपुर एयरपोर्ट से दिल्ली, हैदराबाद मुंबई और बंगलूरू के लिए रोजाना एक हजार के लगभग यात्रियों का आवागमन होता है। वहीं, एयरपोर्ट के अंदर सभी यात्री के परिवार के लोग उन्हें छोड़ने आते हैं। इसी को लेकर एयरपोर्ट पर सभी की चेकिंग की जा रही है। मुंबई, हैदराबाद व दिल्ली की फ्लाइट लेट रविवार को मुंबई की फ्लाइट एक घंटा 39 मिनट की देरी से शाम 4:14 बजे पर कानपुर आई जिसने 4:56 बजे कानपुर से मुंबई के लिए उड़ान भरी। इसमें 177 यात्री कानपुर आए। वहीं, 156 यात्री कानपुर से मुंबई गए। ऐसे ही हैदराबाद की फ्लाइट भी छह मिनट की देरी पर दोपहर 12:51 बजे कानपुर आई जिसने दोपहर 1:19 बजे पर कानपुर से हैदराबाद के लिए उड़ान भरी। 159 यात्री कानपुर आए जबकि 182 यात्री कानपुर से हैदराबाद गए। वहीं, दिल्ली की फ्लाइट सात मिनट की देरी से दोपहर 2:07 बजे कानपुर आई जिसने दोपहर 2:40 बजे पर कानपुर से दिल्ली के लिए उड़ान भरी। इसमें 161 यात्री कानपुर आए जबकि 178 यात्री कानपुर से दिल्ली गए।

मणिकर्णिका घाट पर प्रदर्शन करने पहुंचे पाल समाज के लोग पुलिस ने 17 लोगों को उठाया

वाराणसी। मणिकर्णिका घाट पर टिप्पणी और एआई जनरेटेड वीडियो साझा किए जाने के मामले में कमिश्नरेट की पुलिस ने सख्ती बढ़ा दी है। इसके बावजूद सोमवार को मणिकर्णिका घाट पर पाल समाज के लोग धरना देने पहुंच गए। वाराणसी जिले में मणिकर्णिका घाट विवाद का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। सोमवार को पाल समाज के लोग मणिकर्णिका घाट पर धरना प्रदर्शन करने पहुंचे। इस दौरान वे रानी अहिल्याबाई अमर रहे का नारा लगा रहे थे। इसकी जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और 17 लोगों को चौक थाने उठा कर ले गई। पुलिस इन पर विधिक कार्रवाई कर रही है। इस दौरान पाल समाज के लोगों और पुलिस के बीच कहासुनी भी हुई। क्या है मामला मणिकर्णिका घाट पर टिप्पणी और मणिकर्णिका घाट का बताकर सोशल मीडिया पर साझा किया गया जो तेजी से वायरल हो रहा है। इसका

एआई जनरेटेड वीडियो साझा किए जाने के मामले में कमिश्नरेट की पुलिस ने सख्ती बढ़ा दी है। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर स्थित कुंभ महादेव मंदिर का वीडियो संज्ञान चौक थाने की पुलिस ने लिया और आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रभारी व राज्यसभा सांसद संजय सिंह, बिहार के पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव सहित आठ लोगों को नोटिस दिया है। इन सबको तीन दिन के भीतर बयान दर्ज कराने के लिए चौक थाने बुलाया गया है। इससे पहले पुलिस ने शनिवार को दो सांसद सहित आठ आरोपियों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की थी। अधिकारी बोले डीसीपी काशी जोन गौरव बंशवाल ने बताया कि खंडित मूर्ति और मंदिरों को बेवजह ही मणिकर्णिका घाट से जोड़ कर वायरल किया जा रहा है। कुंभ महादेव का मंदिर सुरक्षित है। नियमित रूप से पूजा हो रही है फिर भी मंदिर को खंडित बताया जा रहा है। यह मंदिर श्रीकाशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर में स्थापित है। यह धार्मिक सद्भाव बिगाड़ने की साजिश है। ऐसे पोस्ट, टिप्पणी करने वालों की पहचान की जा रही है।

70 लाख की धोखाधड़ी मामले में 25 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार पांच साल से थी तलाश

वाराणसी। पांच साल से फरार 25 हजार के इनामी अकाउंटेंट को पुलिस ने गुरुग्राम से गिरफ्तार किया। 70 लाख की धोखाधड़ी मामले में उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। वाराणसी जिले की कैंट पुलिस ने 70 लाख की धोखाधड़ी मामले में पांच साल से वांछित चल रहे 25 हजार रुपये के इनामी अकाउंटेंट सौरभ गुप्ता को गुरुग्राम से गिरफ्तार किया है। कैंट इंस्पेक्टर शिवाकांत मिश्रा ने बताया कि अर्दली बाजार स्थित सुविधा साड़ी से 70 लाख रुपये की धोखाधड़ी और गबन मामले में सौरभ की तलाश थी। आरोपी सौरभ गुप्ता ने गुरुग्राम सिविल लाइन थाना क्षेत्र के पटेल नगर में अपना ठिकाना बनाया था। मूलरूप से वह आदमपुर थाना क्षेत्र के गंगा नगर कालोनी का निवासी है। पीड़ित देवानंद सेवारमानी सप्पू द्वारा अपने फर्म सुविधा साड़ीज अर्दली बाजार वाराणसी में नियुक्त मैनेजर/अकाउंटेंट सौरभ गुप्ता समेत दो लोगों के विरुद्ध फर्जी फर्म अपने नाम से स्थापित कर माल के भुगतान के नाम पर लगभग 70 लाख रुपये गबन करने का मामला दर्ज कराया था। कैंट पुलिस व साइबर सेल की सहायता से रविवार को सौरभ गुप्ता को गिरफ्तार किया गया।

तीर्थ स्थान पर कमरा बुक करने के नाम पर 1.32 लाख हड़पे आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस

कानपुर। कानपुर में ऑनलाइन कमरा बुक कराने के नाम पर 1.32 लाख रुपये हड़पने का मामला सामने आया है। पुलिस मामले की कार्रवाई में जुट गई। किदवई नगर थाना क्षेत्र में साइबर अपराधियों ने एक बुजुर्ग से तीर्थ स्थान पर ऑनलाइन कमरा बुक कराने के नाम पर 1.32 लाख रुपये का चूना लगा दिया। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। जूही बारादेवी निवासी बुजुर्ग विनायक त्रिपाठी ने पुलिस को बताया कि वह

नवंबर में पत्नी के साथ महाराष्ट्र स्थित पंढरपुर में दर्शन करना चाहते थे। इसके लिए उन्हें संत गजानन महाराज भक्त निवास में कमरा बुक कराना था। व्हाट्सएप कॉल के माध्यम से एक व्यक्ति ने स्वयं को भक्त निवास से संबंधित बताते हुए संपर्क किया। मोबाइल पर लिंक व चार्ट भेजा। इसके बाद आरोपी ने क्यूआर कोड भेजा। एक रुपये भेजकर टेस्टिंग करने को कहा। आरोपी ने अगले दो दिनों में उनके खाते से 1.32 लाख रुपये निकाल लिए। किदवईनगर इंस्पेक्टर धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि करीब 94 हजार रुपये की रकम होल्ड करा दी गई है जबकि शेष रकम आरोपियों ने निकाल ली है।

मंडुवाडीह चौराहे से बनारस स्टेशन मार्ग पर भीषण जाम

वाराणसी। वाराणसी जिले में मंडुवाडीह चौराहे से बनारस स्टेशन मार्ग पर सोमवार को भीषण जाम लगा। जिससे लोग काफी देर तक परेशान रहे। माघ मेला और पलट प्रवाह के चलते काशी में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ हो रही है। इस बीच शहर के कई प्रमुख स्थानों पर भीषण ट्रैफिक जाम लग रहा है। सोमवार की सुबह मंडुवाडीह चौराहे से बनारस स्टेशन मार्ग पर भीषण जाम में गाड़ियां रेंगती रहीं। इस दौरान जरूरी काम से घर से निकले लोग बिलबिलाते रहे।

संक्षिप्त खबरें

पानी टंकी सफाई के चलते हुई परेशानी

बस्ती। शहर के कटरा पानी टंकी की सफाई होने के चलते परेशानी हुई। टंकी से सप्लाई न होने के चलते रमेश्वरपुरी, बभनगांवा, आंशिक आवास विकास व बैरिहवा में जलापूर्ति के लिए लोग परेशान हुए। लोगों ने बताया कि शाम से पानी नहीं आया। इससे परेशानी हुई। वहीं, जलकल जेई अर्चना कुमारी का कहना है कि पानी टंकी की सफाई कराई जा रही है। जलापूर्ति डायरेक्ट ट्यूबवेल के जरिये की जा रही है। सोमवार से टंकी से जलापूर्ति शुरू हो जाएगी।

पानी भरे गड्ढे में मिला महिला का शव

नगर बाजार (बस्ती)। थाना क्षेत्र के बसहवा गांव के एक खेत के पास पानी भरे गड्ढे में रविवार की सुबह 50 वर्षीय महिला का शव सड़ी-गली अवस्था में मिलने से सनसनी फैल गई। देर शाम तक शव की शिनाख्त नहीं हो पाई थी। पुलिस अब सोशल मीडिया के जरिये शव की शिनाख्त कराने में जुटी है। जानकारी के अनुसार, सुबह चरवाहे पशुओं को चराने गए थे। उनकी नजर खेत के पास पानी भरे गड्ढे में पड़े शव पर गई। चरवाहों के शोर मचाने पर गांव वालों की भीड़ जुट गई। इसी बीच किसी ने पुलिस को सूचना दे दी। सूचना पाकर फुटहिया चौकी प्रभारी आनंद सिंह मौके पहुंच गए। आसपास के लोगों से शव के शिनाख्त कराने की कोशिश की, मगर कामयाबी नहीं मिल पाई। नगर बाजार के थानेदार भानु प्रताप सिंह ने बताया कि शव चार-पांच दिन पुराना लग रहा है। कुछ लोग महिला के शिनाख्त के लिए जिला अस्पताल भी पहुंचे थे।

तांत्रिक हत्याकांड का एक और आरोपी गिरफ्तार

बस्ती। पुलिस की संयुक्त टीम ने तांत्रिक हत्याकांड के एक और आरोपी दुबौलिया थाना क्षेत्र के भट्ट पुरवा निवासी अरुण कुमार को रविवार को ग्राम पायकपुर क्षेत्र के रामजानकी मार्ग से गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से तमंचा, बाइक और 1020 रुपये बरामद हुए हैं। इस मामले में तीन आरोपी पहले ही गिरफ्तार किए जा चुके हैं। बता दें कि 26 दिसंबर 2025 को दुबौलिया थाना क्षेत्र के ग्राम बेमहरी के टोला खूनी पुरवा निवासी तांत्रिक रामजीत (58) वर्ष की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वारदात पदार्फाश में पाया गया कि आरोपी मास्टर माइंड लवकुश उर्फ लालचंद ने एक लाख रुपये की सुपारी देकर सजरे आलम निवासी लारा थाना दुबौलिया, विवेक उर्फ प्रदुमन चौधरी निवासी खदरा उपाध्याय थाना दुबौलिया जनपद बस्ती व अरुण कुमार निवासी भट्ट पुरवा थाना दुबौलिया से तांत्रिक की हत्या कराई थी। हत्या के आरोप में पुलिस पहले ही मास्टर माइंड लवकुश लालचन्द निवासी खदरा उपाध्याय थाना दुबौलिया, सजरे आलम निवासी लारा थाना दुबौलिया और विवेक उर्फ प्रदुमन चौधरी निवासी खदरा उपाध्याय थाना दुबौलिया को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।

डीएम ने बढ़ाई बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड बनवाने की अवधि

बस्ती। 70 वर्ष से अधिक उम्र वाले बुजुर्गों का आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए समयावधि बढ़ा दी गई है। डीएम के निर्देश पर सीएमओ के अधीन संचालित आयुष्मान अनुभाग 15 जनवरी से अगले 90 दिनों तक इस अभियान को संचालित रखेगा। बढ़ी हुई अवधि में शत प्रतिशत बुजुर्गों का आयुष्मान कार्ड बनाया जाना है। शासन के निर्देश पर 25 नवंबर 2025 से 25 दिसंबर 2025 तक अभियान चलाया गया था। इस दौरान शतप्रतिशत बुजुर्गों का आयुष्मान कार्ड नहीं बन पाया। डीएम कृत्तिका ज्योत्सना ने अपेक्षित प्रगति न होने पर नाराजगी जताई है। उन्होंने दोबारा 15 जनवरी से अगले 90 दिनों तक अवधि बढ़ाकर अभियान चलाने का निर्देश दिया है। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग ने इस अभियान को फिर से संचालित किया है। इसके तहत शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में आयुष्मान कार्ड बनाने की जिम्मेदारी एएनएम और सीएचओ को दी गई है। एएनएम और सीएचओ वरिष्ठ नागरिकों को इस योजना के बारे में जागरूक करते हैं। उनका कार्ड बनवाने में मदद भी करते हैं। इन स्वास्थ्य कर्मियों को अपने- अपने क्षेत्र में 70 वर्ष से अधिक उम्र वाले बुजुर्गों तक पहुंचना होगा। जिन लोगों का कार्ड अभी तक नहीं बना है, उन्हें इस योजना का लाभार्थी बनाया जाना है। पंजीकरण के लिए सिर्फ आधार कार्ड की जरूरत है। इस योजना के तहत वरिष्ठ नागरिक देश भर के तीस हजार से अधिक सरकारी और सूचीबद्ध निजी अस्पतालों में गंभीर बीमारियों का पांच लाख तक मुफ्त इलाज करवा सकते हैं। आयुष्मान अनुभाग का कार्य देखने वाले कर्मचारी अजय मिश्रा ने बताया कि अभी तक जिले में 29 हजार बुजुर्गों का आयुष्मान कार्ड बनवाया गया है। इस अभियान में सबसे अधिक आयुष्मान कार्ड तीन हजार बस्ती सदर में बनाया गया है। जबकि अन्य ब्लॉकों का फीड बैक खराब पाया गया है। बढ़ी हुई अवधि में आयुष्मान कार्ड बनाने की मॉनीटरिंग सीडीओ सार्थक अग्रवाल कर रहे हैं। इससे अभियान में काफी तेजी आने की उम्मीद हैं।

रैली में शामिल होकर आजमगढ़ से लौटे सुभासपा कार्यकर्ताओं में मारपीट

बस्ती। आजमगढ़ में आयोजित रैली से लौटकर आ रहे सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के कार्यकर्ताओं में रविवार रात मारपीट हो गई। शहर के रोडवेज परिसर के पास दो गुटों में बंटे कार्यकर्ताओं ने जमकर मारपीट की, जिसमें एक कार के शीशे तोड़ दिए गए और एक कार्यकर्ता को गंभीर चोटें आईं। सूचना मिलने पर पुलिस ने कई लोगों को हिरासत में ले लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रैली से लौटते समय कुछ कार्यकर्ता कार से और कुछ बस से बस्ती पहुंचे थे। रोडवेज के पास किसी बात को लेकर पहले बहस हुई, जो जल्द ही हाथापाई में बदल गई। झगड़े के दौरान एक कार को निशाना बनाकर उसके शीशे तोड़ दिए गए, जबकि एक कार्यकर्ता को लाठी-डंडों और घूंसे-लात से पीटा गया। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस और चौकी प्रभारी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए दोनों पक्षों के कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया और भीड़ को तितर-बितर किया। घायल कार्यकर्ता को प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। पुलिस मारपीट में शामिल लोगों की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। इंस्पेक्टर कोतवाली दिनेश चंद्र चौधरी ने बताया कि पुलिस पूछताछ कर रही है।

कार की टक्कर से उछला युवक, घायल

दुबौलिया । थाना क्षेत्र के राम जानकी मार्ग पर रविवार की शाम करीब चार बजे धरमपुर चौराहे पर पैदल सड़क पार कर रहे युवक को कार चालक टक्कर मारते हुए भाग गया। इससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार, धरमपुर गांव निवासी ताज मोहम्मद (40) चौराहे पर ही मैकेनिक का काम करते हैं। शाम को वह किसी काम से राम जानकी मार्ग को पार कर रहे थे अचानक एक बिना नंबर प्लेट के कार ने टक्कर मार दी। इससे वह ऊपर उछलकर सड़क पर गिर पड़े।

नगर निगम पर पार्षद धरने पर बैठे, बोले, पार्क से हटे ओपन जिम, मुदार्बाद के लगाए नारे

लखनऊ (संवाददाता)। लालबहादुर शास्त्री प्रथम वार्ड के लवकुशनगर पार्क में ओपन जिम लगाने और पौधारोपण करने का स्थानीय पार्षद सुरेंद्र वाल्मीकि ने विरोध कर दिया। लालबाग मुख्यालय में स्थानीय लोगों के साथ इकट्ठा होकर पार्षद ने नगर निगम के खिलाफ नारेबाजी की। मौके पर नगर निगम मुदार्बाद, पार्क से ओपन जिम हटाओ, लवकुश नगर एकता जिंदाबाद के नारे लोगों ने लगाए। पार्षद शैलेंद्र वाल्मीकि ने बताया बद्री प्रसाद वाल्मिकानंद स्थल एक सार्वजनिक स्थान है। यहां स्थानीय निवासियों द्वारा धार्मिक, सामाजिक और पारिवारिक आयोजन सम्पन्न किए जाते हैं। इसी सार्वजनिक स्थल पर स्थानीय बच्चे खेलते हैं। इस स्थान के अतिरिक्त अन्य कोई सार्वजनिक स्थान नहीं है। कुछ असमाजिक तत्वों द्वारा नगर निगम प्रशासन के समक्ष गलत तरीके से तथ्यों को रखकर उस स्थान पर बच्चे खेल न सकें। इसलिए बीचो-बीच कटीले पेड़-पौधे, क्यारी और ओपन जिम लगवाने का कार्य कराया जा रहा है। इसके कारण स्थानीय निवासियों को अत्यंत आपत्ति है। स्थल के 200 मीटर की दूरी पर पूर्व से ओपन जिम स्थापित है। स्थानीय निवासी सफाई कर्मचारी कम आय वर्ग के हैं। उनके लिए इस स्थान के अतिरिक्त कोई अन्य स्थान नहीं है।

सर्वार्थ सिद्धि योग में आज शुरू होंगे माघ गुप्त नवरात्र, साधक करेंगे साधना

■ ग्वालियर

माघ गुप्त नवरात्र सर्वार्थ सिद्धि योग में सोमवार से शुरू होंगीं। सर्वार्थ सिद्धि योग में ही नवें दिन समापन होगा। गुप्त नवरात्र देवी उपासना, साधना का विशेष पर्व है।

ज्योतिषाचार्य डॉ हुकुमचंद जैन ने बताया यह पर्व देवी उपासना के साथ-साथ तांत्रिक साधना, मंत्र साधना, शक्ति साधना का पर्व है। वैसे तो नवरात्र एक साल में चार बार आती है। दो बार गुप्त रूप में दो बार प्रकट रूप में आती है। माघ शुक्ल प्रतिपदा से गुप्त नवरात्र अंग्रेजी वर्ष 2026 की पहली गुप्त नवरात्र 19 जनवरी सोमवार से सर्वार्थ सिद्धि योग के साथ होंगी और 27 जनवरी मंगलवार को समाप्त होगी। नवरात्र में देवी की दशमहाविद्या स्वरूपों की उपासना में तंत्र, मंत्र, यंत्र साधना गुप्त रूप में ग्रह बाधा, शत्रुभय निवारण, सिद्धि, साधना और आत्म उन्नति सुख शांति के लिए की जाती है। इसमें काली, तारा, षोडशी, भुवनेश्वरी, छिन्नमस्ता, भैरवी, धूमावती, बगलामुखी, मातंगी, कमला दस देवियों की साधना की जाती है। घट स्थापना मुहूर्त 19 जनवरी सोमवार को प्रातः 7.14 से 10.46 बजे तक रहेगा। श्री जैन ने बताया दिनांक 19 को प्रतिपदा, 20 को द्वितीया, 21 को तृतीया, 22 को चतुर्थी, 23 को पंचमी, 24 को षष्ठी, 25 को सप्तमी, 26 को अष्टमी, 27 को नवमी गुप्त नवरात्रि समापन, 28 को व्रत पारण होगा। इस प्रकार इस बार की माघ शुक्ल गुप्त नवरात्र पूरे नौ दिन के होंगे। किसी तिथि का क्षय नहीं और नहीं कोई तिथि की वृद्धि हुई ।

भागवत कथा सुनने से बदल जाता है जीवन

■ ग्वालियर

चमत्कारी हनुमान मंदिर पर मंदिर प्रतिष्ठा उत्सव पर महामंडलेश्वर धूमेश्वर धाम, दंदरौआ धाम पीठाधीश्वर एवं रतनगढ़ महंत श्री महाराज के सानिध्य में श्रीमद् भागवत कथा रविवार को शुरू हुई। कथा 18 से 24 जनवरी तक थाना झांसी रोड स्थित पारस बिहार कॉलोनी में आयोजित की गई है। कथा के शुभारंभ के अवसर पर व्यासपीठ पर विराजमान भागवत वाचक पं. रमाकांत व्यास टोला रावतपुरा सरकार ने कथा के प्रथम दिन भागवत के माहात्म्य की कथा का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि भागवत कथा सुनने से मनुष्यों का जीवन बदल जाता है। भागवत का मंगलाचरण, भागवत कथा सभी प्रकार के क्लशों का नाश कर देती। कथा में धुंधकारी की कथा के माध्यम से इस बात को बताया गया कि जो प्राणी नित्य रूप से भगवत पूजन करते है वो प्राणी कुविचार के मार्ग पर चलते हुए भी अपने जीवन को बदल सकते है। इस अवसर पर कमेटी सदस्य अशोक चौधरी, आनंद चतुर्वेदी, डॉ. राजेश भार्गव, जयदीप सिकरवार आदि मौजूद थे।

शिक्षक संघ ने कर्तव्य दिवस मनाया

ग्वालियर। मध्य प्रदेश शिक्षक संघ जिला ग्वालियर द्वारा कर्तव्य दिवस का आयोजन रविवार को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गजराराजा में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी हरिओम चतुर्वेदी रहे, जबकि मुख्य वक्ता रिसर्च एसोसिएट जानवी नायक एवं अध्यक्षता जिला अध्यक्ष वेदपाल सिंह परमार ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में चंद्रपाल सिंह सेंगर उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता जानवी नायक ने कहा कि सच्चा कर्तव्यबोध ही अच्छे नागरिक और आदर्श शिक्षक की पहचान है। उन्होंने देश व समाज के प्रति दायित्वों के निर्वहन पर बल दिया। जिला शिक्षा अधिकारी चतुर्वेदी ने शिक्षकों की समस्याओं के शीघ्र निराकरण का आश्वासन दिया। कार्यक्रम का संचालन जिला सचिव सीमा श्रीवास्तव ने किया। सरस्वती वंदना पल्लवी गौड एवं मृदुला गुप्ता द्वारा प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम में विभिन्न पदाधिकारी एवं सैकड़ों शिक्षक उपस्थित रहे।

गहोई दिवस पर शोभा यात्रा निकली, समाज की विभूतियों का सम्मान

गहोई समाज एक जागृत और संगठित समाज है : तोमर

■ ग्वालियर

गहोई सेवा संस्थान एवं श्री गहोई वैश्य समाज बृहत्तर ग्वालियर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित गहोई दिवस समारोह एवं शोभा यात्रा निकालने के साथ ही सामाजिक उत्थान पर चर्चा की गई। आयोजन में संभाग भर से गहोई बंधु आए थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष डॉ. नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि गहोई समाज जाग्रत समाज है, समाज सामाजिक दृष्टि से एकत्र है। जो ताकत गहोई समाज की दिखाई देती है वह अन्य समाजों में भी दिखनी चाहिए।

रविवार सुबह 10 बजे से शोभा यात्रा एवं चल समारोह प्रारंभ किया गया। इस चल समारोह को हरी झंडी दिखाकर विधायक ग्वालियर पूर्व डॉ. सतीश सिंह सिकरवार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण जयराम कुबेर ने रवाना किया। श्री सिकरवार ने कहा कि मुझे गहोई समाज का आशीर्वाद मिलता है मैं गहोई समाज का हमेशा ऋणी रहूंगा। लोहिया बाजार में शोभा यात्रा का स्वागत पुष्प वर्षा से मिष्ठान वितरण से किया गया। चल समारोह सनातन धर्म मंदिर से प्रारंभ होकर जयेंद्रगंज चौराहा, ओल्ड हाईकोर्ट से लोहिया बाजार, नया बाजार से होते हुए हुजरात पुल, दौलतगंज, महाराज बाड़ा, सर्राफा बाजार, डीडवाना ओली से गस्त का ताजिया, राम मंदिर से ऊंट पुल होते हुए जयेंद्रगंज चौराहा से सनातन धर्म मंदिर से अचलेश्वर मंदिर पहुंचकर सम्पन्न हुआ।

सूर्य भगवान की झांकी आकर्षण का केंद्र :

इस आयोजन में आकर्षण का केन्द्र 20 किलो पीतल से निर्मित सूर्य भगवान का स्वरूप, झांकियां बैंड बग्गी विंटेज कार थी। चल समारोह में आयोजित लोग दो पहिया और चार पहिया वाहनों पर भी चल रहे थे। इस आयोजन में रैली के प्रभारी डॉ. विवेक कस्तबार, सुधीर रावत अपनी टीम के साथ व्यवस्था संभाल रहे थे। इसके अलावा महेश नीखरा, डॉ प्रकाश लोहिया, सुरेश कस्तबार, दादा ओमप्रकाश सेठ आदि मौजूद थे। मुख्य आयोजन स्थानीय रंग महल गार्डन में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, विशिष्ट अतिथि ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, सामाजिक न्याय मंत्री नारायण सिंह कुशवाह, भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल, श्याम बिहारी गुप्ता अध्यक्ष उत्तर प्रदेश गौ सेवा, विधायक डॉ सतीश सिंह सिकरवार, पूर्व विधायक मुन्ना लाल गोयल उपस्थित थे। इस अवसर पर गनपत राम नीखरा, मुंशी लाल डेंगरे, लाला लक्ष्मी नारायण तपा, नवल किशोर गुप्ता खर्द एडवोकेट, संजय कट्टल समाजसेवी, संजय गुप्ता, दिलीप गुप्ता सीजेएम, चित्रकार नीता पहाड़िया, राजेंद्र सेठ अध्यक्ष जीवाजी क्लब, डॉ प्रवेश सिजरिया, डॉ श्रीप्रकाश लोहिया, डॉ. आदित्य हेमंत मोदी, राम गोपाल नीखरा, राखी गेंडा, डॉ विकास सांवला, राम स्वरूप मोर का सम्मान किया गया। इस अवसर पर महिला मंडल द्वारा एक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया।

ब्राह्मण मिलनोत्सव में रिश्ते किए तय, चिकित्सकों का किया सम्मान

■ ग्वालियर

सनाढ्य, भार्गव, कान्यकुब्ज, आदि गौड़, जिझौतिया, महाराष्ट्रीयन, बरूआ, सारस्वत, ऋषीश्वर, ब्रह्म भट्ट, सहित अनेकों उपवर्गीय ब्राह्मणों सहित 16 संस्थाओं ने भागीदारी कर,सकल ब्राह्मण महासमिति द्वारा आयोजित ब्राह्मण मिलनोत्सव एवं सम्पूर्ण सनातन ब्राह्मण सभा के परिचय सम्मेलन का आयोजन सनातन धर्म मंदिर में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सकल ब्राह्मण महासमिति के अध्यक्ष प्रकाश नारायण शर्मा, महिला अध्यक्ष बीना भारद्वाज ने की। संचालन शशिकांत दीक्षित, डॉ. अनिल शर्मा, राजू पंडित, योगेंद्र दीक्षित, श्याम बाबू शर्मा ने 400 लड़कियों के बायोडाटा का वाचन किया किया।

सनातन चिकित्सा रत्न सम्मान दिया : कार्यक्रम में सनातन चिकित्सा रत्न सम्मान से डॉ.ओएन कौल, डॉ. अशोक मिश्रा, डॉ.अजय गौड़, डॉ. दिनेश उदैनिया, डॉ. अविनाश शर्मा, डॉ.आर.के. राजौरिया, डॉ. आरके शर्मा, डॉ. डीके शर्मा, डॉ.ममता शुक्ला, डॉ. रीता मिश्रा, डॉ. अनुराधा शर्मा, डॉ. सीमा कौल, डॉ. दीपक शर्मा, डॉ. राम रावत, डॉ. धर्मेंद्र तिवारी, डॉ. आलोक पुरोहित, डॉ. उज्जवल शर्मा, डॉ. नवीन शुक्ला, डॉ. सीपी शर्मा, डॉ. एसके शर्मा, डॉ.अभिषेक शर्मा, डॉ. गौरव कवि भार्गव, डॉ. अभिलेख मिश्रा, डॉ. अंकित शर्मा, डॉ. बी.एल.शर्मा को मुख्य अतिथि बालेन्दु शुक्ला ने अंगवस्त्र, श्री फल, स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। अतिथियों का स्वागत कार्यक्रम संयोजक अशोक कुमार शर्मा, राकेश नारायण दीक्षित, महिला संयोजिका शशि व्यास, आशा त्रिपाठी ने किया।

निःशुल्क पंजीयन 21 से : संस्थापक डॉ. जयवीर भारद्वाज ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि कल से गुप्त नवरात्रि व्रत प्रारम्भ है। आज हमारी टीम ने दो रिश्ते सनाढ्य एवं भार्गव समाज के कराए। ऊंट पुल, जिंसी नाले किताब घर के बगल में 21 जनवरी तक दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक निःशुल्क पंजीयन एवं रिश्ते तय कर सकेंगे। कार्यक्रम में1826 विप्रजन के युवक-युवतियों का बायोडाटा अवलोकन कराया। रश्मि दीपक त्रिपाठी,अंजू दीक्षित,संगीता शर्मा ,आशा त्रिपाठी , देवेन्द्र कुमार पाठक ने 116 नवीन पंजीयन किए।

आरपीएफ की सतर्कता से बची महिला की जान, बैग भी सुरक्षित लौटाया

■ ग्वालियर

रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन सेवा के तहत शनिवार को रेलवे स्टेशन पर दो अलग-अलग मामलों में यात्रियों को त्वरित मदद देकर सराहनीय कार्य किया गया। एक ओर चलती ट्रेन से गिरकर घायल हुई महिला को समय रहते अस्पताल पहुंचाया गया, वहीं दूसरी ओर एक यात्री का करीब 95 हजार रुपए मूल्य का छूटा बैग सुरक्षित बरामद कर उसे सौंपा गया।

मंगला एक्सप्रेस प्लेटफॉर्म नंबर दो पर निर्धारित ठहराव के बाद जैसे ही रवाना हुई, उसी दौरान एक महिला यात्री अपने बेटे के प्लेटफॉर्म पर छूट जाने पर घबराकर चलती ट्रेन से कूद गई। इससे महिला के

सिर के पीछे गंभीर चोट आ गई। मौके पर तैनात एसआई अवतार सिंह धाकड़ एवं कांस्टेबल शिवशंकर ने तुरंत स्थिति संभाली और महिला स्टाफ आरक्षक भावना मोदी को बुलाकर घायल महिला को सुरक्षित स्थान पर बैठाया। इसके बाद डिप्टीएसएस कमर्शियल के माध्यम से एंबुलेंस बुलवाई गई। घायल महिला की पहचान पुष्पा (45 वर्ष), पत्नी संतराम, निवासी ग्राम व थाना टहरौली, जिला झांसी के रूप में हुई। महिला अपने 15 वर्षीय बेटे करण के साथ ग्वालियर से निजामुद्दीन की यात्रा कर रही थी। बाद में उनके परिजन भी मौके पर पहुंचे। महिला को एंबुलेंस से डॉ. सरिता की निगरानी में जयारोग्य हॉस्पिटल भेजा गया। दूसरी घटना में बुंदेलखंड एक्सप्रेस के यात्री मुसीर अहमद का ब्लैक रंग का बैग, जिसमें दो लैपटॉप व चार्जर थे, दतिया स्टेशन पर उतरते समय छूट गया। सूचना मिलने पर ट्रेन में ड्यूटी पर तैनात आरपीएफ स्टाफ ने कोच की सर्चिंग कर बैग को सुरक्षित बरामद कर आरपीएफ पोस्ट ग्वालियर में जमा किया। बाद में पहचान सुनिश्चित करने के बाद बैग यात्री को सुपुर्द किया गया। यात्री ने आरपीएफ का आभार जताया।

विरासत प्रदर्शनी का शुभारंभ

■ ग्वालियर

इंटेक ग्वालियर चैप्टर के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक प्रदर्शनी विरासत का भव्य शुभारंभ पूर्व सांसद विवेक नारायण शेजवलकर द्वारा तानसेन कलावीथिका, पड़ाव में किया गया। प्रदर्शनी में दुर्लभ एवं ऐतिहासिक सिक्कों तथा डाक टिकटों का अनूठा संग्रह प्रदर्शित किया गया है। इसमें सिंधिया एवं मुगल वंश के ऐतिहासिक सिक्कों के साथ-साथ सौरमंडल एवं कोविड विषय पर जारी डाक टिकटों का विशेष संग्रह आकर्षण का केंद्र है। प्रदर्शनी में एक किलोग्राम चांदी का दुर्लभ सिक्का भी दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण बना हुआ है। युवा प्रतिभा मास्टर हितार्थ द्वारा पंचतंत्र एवं डायनासोर विषय पर आधारित सिक्कों ने बच्चों और युवाओं का ध्यान आकर्षित किया। वहीं आराध्या महेश्वरी के संग्रह में 100 से 1000 रुपए तक के स्मारक सिक्के प्रदर्शित हैं। आधुनिक भारत के सिक्कों की यात्रा सहित अन्य संग्रहों ने प्रदर्शनी को समृद्ध बनाया है।

सांसद ने किया निर्माणाधीन सड़क का निरीक्षण

■ ग्वालियर

सांसद भारत सिंह कुशवाह ने रविवार को विक्की फैक्ट्री से एजी ऑफिस पुल तक निर्माणाधीन सड़क का निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि यह सड़क शहर के प्रवेश मार्ग की मुख्य सड़क हैं इसलिए गुणवत्ता और समय सीमा का विशेष ध्यान रखा जाए, साथ ही राहगीरों को परेशानी न हो इसका भी ख्याल निर्माण एजेंसी रखे। गौरतलब है कि सांसद श्री कुशवाह के प्रयासों से विक्की फैक्ट्री से एजी ऑफिस पुल तक सड़क का निर्माण कार्य शुरू हुआ है। यह सड़क बरसात में काफी खुद गई थी जिससे आम राहगीरों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। उक्त सड़क की लंबाई करीब 4.50 किलोमीटर है इसके निर्माण

पर करीब 16 करोड़ 50 लाख रुपए की लागत राशि खर्च की जा रही है। व्हाइट टॉपिंग कार्य के साथ-साथ डिवाइडर, हार्ड शोल्डर और नाली निर्माण एवं रोड मार्किंग का कार्य भी किया जाएगा।

गांव-गांव में लिखा जा रहा विकसित भारत का भविष्य

ग्वालियर लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत भितरवार विधानसभा के ग्राम पंचायत चैत में विकसित भारत-जी राम जी योजना को लेकर चौपाल बैठक कर ग्रामवासियों के संवाद कर उन्हें योजना के बारे में विस्तार से बताया। चौपाल में क्षेत्रीय विधायक मोहन सिंह राठौर जिला अध्यक्ष प्रेम सिंह राजपूत, जिला संयोजक कुंवर सिंह जाटव , हिमांशु पड़सेरिया , जिला पंचायत सदस्य केशव बघेल, पूर्व जिलाध्यक्ष बज्जर सिंह गुर्जर, मण्डल अध्यक्ष चंचल राठौर एवं रामेश्वर रावत एवं देवेंद्र सिंह कौरव सहित विधानसभा के सम्मानित कार्यकर्ता एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे ।

ब्लडमैन सुधीर राव दुरापे को हैदराबाद में मिला राष्ट्रीय सम्मान

ग्वालियर। जिंदगी फाउंडेशन, हैदराबाद के तत्वावधान में थैलेसीमिया एंड सिकल सेल सोसायटी के सभागार में एक गरिमामय सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कारगिल युद्ध के नायक दीपचंद एवं समाजसेवी प्रेम कच्छावा ने सामाजिक सेवा एवं रक्तदान के क्षेत्र में विगत 16 वर्षों से निरंतर निस्वार्थ योगदान के लिए ब्लडमैन सुधीर राव दुरापे को स्मृति चिन्ह भेंट कर राष्ट्रीय स्तर के सम्मान से सम्मानित किया। कार्यक्रम में भारत के विभिन्न राज्यों सहित नेपाल से आए अनेक एनजीओ प्रतिनिधियों को भी उनके उत्कृष्ट सामाजिक कार्यों के लिए सम्मानित किया गया।

माहेश्वरी महिला मंडल ने भोजन वितरित किया

ग्वालियर। माहेश्वरी महिला मंडल बिरला नगर द्वारा मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में पाताली हनुमान शनिदेव मंदिर पर भोजन वितरण कराया गया। इसके अलावा गजक का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष सविता पेड़ीवाल, प्रादेशिक संयुक्त सचिव मंत्री डॉ. भारती भूतड़ा, जिला सचिव रश्मि मालू, स्थानीय अध्यक्ष लता चांडक, सचिव आरती डागा, रेनू माहेश्वरी, नीता माहेश्वरी, अलका बरडिया, लक्ष्मी खटोड़, सीमा चांडक, पूनम माहेश्वरी, मंजू महेश्वरी, पुष्पा खटोड़ आदि उपस्थित थे।

कैट आपके द्वार आज जयेंद्रगंज में

ग्वालियर। कांफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) का कार्यक्रम कैट आपके द्वार की श्रृंखला में सोमवार को जयेंद्रगंज स्थित राजीव प्लाजा में दोपहर 4.0 बजे आयोजित किया जा रहा है। कैट ग्वालियर के जिलाध्यक्ष रवि गुप्ता ने बताया कि इस कार्यक्रम में जयेंद्रगंज उसकी विभिन्न मार्केट और हाईकोर्ट चौराहा क्षेत्र के व्यापारिक संगठन, कैट सदस्य एवं क्षेत्रीय व्यापारी सम्मिलित होकर विभिन्न व्यापारिक समस्याओं पर विचार विमर्श करेंगे।

51 जोड़ों के सामूहिक विवाह की तैयारियां जोरों पर

ग्वालियर। जन उत्थान न्यास के तत्वाधान होने वाले चतुर्थ सर्वजातीय निःशुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन के आयोजन की तैयारियों को लेकर रविवार को न्यास के अध्यक्ष एवं विधायक डॉ. सतीश सिकरवार की अध्यक्षता में पेयजल समिति, यातायात समित, भोजन समिति एवं स्वच्छता समिति की बैठक का आयोजन विवाह स्थल जनकपुरी मैदान में किया गया। बैठक में सभी समितियों के सदस्यों द्वारा कार्यक्रम आयोजन को भव्य रूप दिये जाने के लिए सुझाव दिए गए। विधायक डॉ. सिकरवार ने कहा कि बहनों की शादी पूरे धूम-धाम से की जा रही है, किसी प्रकार की कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। 21 जनवरी को हल्दी, मेहंदी की रस्म, 22 जनवरी को महिला संगीत एवं 23 जनवरी को सामूहिक विवाह सम्मेलन पूरी भव्यता के साथ किया जायेगा। विवाह कार्यक्रम में विवाह स्थल के अंदर एवं बाहर सहभोज की व्यवस्था की गई है।

शासकीय सेवानिवृत पेंशनर्स एसोसिएशन की प्रांतीय कार्यकारिणी एवं जिला अध्यक्षों की घोषणा

■ ग्वालियर

शासकीय सेवानिवृत पेंशनर्स एसोसिएशन, मध्य प्रदेश भोपाल के प्रांत अध्यक्ष वीरेंद्र शर्मा ने संघ अधिसूचना जारी कर संघ संविधान में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए प्रांतीय कार्यकारिणी एवं जिला अध्यक्षों की घोषणा की है। जिसमें वरिष्ठ प्रांतीय उपाध्यक्ष अशोक भार्गव भोपाल, डॉ प्रताप शंकर भार्गव ग्वालियर, रामचंद्र दुबे इंदौर, डॉक्टर विजय सिंह मौर्य शिवपुरी, धर्मेंद्र सिंह भदौरिया इंदौर, डॉक्टर परमानंद तिवारी शहडोल, सुनील नेमा जबलपुर, प्रांतीय उपाध्यक्ष के रूप में नरोत्तम दास गुप्ता सिंगरौली, शिवाजीराव भौंसले ग्वालियर, आत्माराम पंचोली उज्जैन, नवल किशोर पाठक ग्वालियर, सुनील पांडे सागर, प्रांतीय महामंत्री अरविंद कुमार शुक्ला ग्वालियर, प्रांतीय कोषाध्यक्ष बृजमोहन त्रिवेदी ग्वालियर,वरिष्ठ प्रांतीय संगठन मंत्री आनंद मिश्रा ग्वालियर, वरिष्ठ प्रांतीय समन्वयक डॉ अरुण कुमार तिवारी भोपाल, प्रांतीय प्रवक्ता शंभू प्रसाद तिवारी शहडोल, प्रांतीय संयोजक महिला प्रकोष्ठ श्रीमती कमला द्विवेदी इंदौर, प्रांतीय संयोजक चिकित्सा प्रकोष्ठ नरेंद्र भार्गव भोपाल, प्रांतीय मीडिया प्रभारी आरबी सगर हरदा, को सम्मिलित किया गया है।

संगठन में प्रांतीय सचिव के रूप में श्रीमती सविता अवस्थी भोपाल, बृजेश कुमार मिश्रा ग्वालियर, भीकमचंद जैन इंदौर, शरद मिठास ग्वालियर, राजेश दुबे दमोह, राकेश कुमार भार्गव शिवपुरी, प्रांतीय संयुक्त सचिव के रूप में राजेंद्र कुमार शर्मा ग्वालियर, गोविंद व्यास इंदौर, दिनेश शर्मा ग्वालियर को सम्मिलित किया गया है। प्रांतीय संगठन मंत्री के रूप में राजेश शर्मा ग्वालियर, मनोज मिश्रा भोपाल, संतोष कुमार कानूनगो खरगोन, प्रमोद गुप्ता इंदौर, प्रमोद चतुर्वेदी ग्वालियर, प्रांतीय प्रचार मंत्री के रूप में सुदामा शर्मा शिवपुरी, अशोक मंडलोई इंदौर, संतोष यादव भोपाल, सतीश गुप्ता ग्वालियर, ओमप्रकाश भार्गव उज्जैन, शोभाराम धाकड़ ग्वालियर को सम्मिलित किया गया है। इसी प्रकार संगठन में जिला अध्यक्षों की घोषणा की गई है जिसमें अरविंद शुक्ला और महेश शर्मा ग्वालियर, रामस्वरूप नरवरिया शिवपुरी, अशोक भार्गव गुना, राजेंद्र शर्मा मुरैना, श्याम सिंह तोमर भिंड, आरके दीक्षित श्योपुर, दिनेश तिवारी इंदौर रामकिशोर सिंह तोमर अलीराजपुर, जयंत बैरागी झाबुआ, टी के मालवीय उज्जैन, राजेंद्र श्रीवास्तव भोपाल,अशोक शर्मा राजगढ़,आरके दुबे विदिशा, राजेश रिछारिया होशंगाबाद, रमाकांत मिश्रा जबलपुर, अनिल शर्मा सिवनी,रमाकांत तिवारी सागर, राजेश दुबे दमोह, पी के मिश्रा पन्ना, सुमन कवि छतरपुर, महेश शर्मा निवाड़ी को शामिल किया गया है। ग्वालियर संभाग के अध्यक्ष आरबीएस कुशवाह एवं संभागीय सचिव अनिल मिश्रा ने बताया पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह ग्वालियर में 8 फरवरी को चेंबर और कॉमर्स के सभागार में संपन्न होगा।

महिलाएं आत्मनिर्भर बनें, उद्योग संचालित करें

■ ग्वालियर

महिला उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित जागरूकता एवं मार्गदर्शन कार्यक्रम 'नई राहें-नई शुरुआत' आयोजित किया गया । कार्यक्रम का संचालन श्रीमती रीना गांधी ने किया। कार्यक्रम में नेशनल गवर्निंग काउंसिल सदस्य एवं मुख्य वक्ता अजय चोपड़ा ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजीव कुमार, उप निदेशक, एमएसएमई मंत्रालय, भारत सरकार ने एमएसएमई की विभिन्न सरकारी योजनाओं पर विस्तार से बताया। उन्होंने उद्यमियों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मेलों में भाग लेने पर मिलने वाली सरकारी अनुदान एवं सहायता की विस्तृत जानकारी दी तथा अधिक से अधिक उद्यमियों से इसका लाभ लेने के लिए आगे आने का आह्वान किया। कार्यक्रम में श्रीमती निकुंज शर्मा, सह निदेशक, एमएसएमई (फूड टेक्नोलॉजी विशेषज्ञ) ने एमएसएमई के अंतर्गत उपलब्ध प्रशिक्षण कार्यक्रमों, फूड टेक्नोलॉजी एवं तकनीकी सहयोग से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। कार्यक्रम के दौरान 39 महिलाओं ने सूक्ष्म उद्योग स्थापित करने हेतु अपनी रुचि व्यक्त की, वहीं सभी प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह एवं सक्रियता के साथ कार्यक्रम में सहभागिता की। उपस्थित महिलाओं ने कार्यक्रम को अत्यंत उपयोगी, प्रेरणादायक एवं मार्गदर्शक बताया।

संपादकीय

बेरोजगारी का दंश

केंद्रीय सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय की हालिया रिपोर्ट चिंता बढ़ाने वाली है, जिसमें गत दिसंबर में बेरोजगारी दर बढ़कर 4.8 फीसदी होने की बात कही गई है। भारत दुनिया में युवाओं के देश के रूप में जाना जाता है। लेकिन हम इस युवा शक्ति का भरपूर उपयोग राष्ट्र विकास में नहीं कर पा रहे हैं। चिंता की बात यह भी है कि देश के शहरी क्षेत्र में पंद्रह वर्ष से अधिक आयुवर्ग के युवाओं में बेरोजगारी की दर गांवों के मुकाबले ज्यादा है। जहां शहरों में यह प्रतिशत बढ़कर 6.7 फीसदी हुआ है, वहीं ग्रामीण क्षेत्र में यह 3.9 फीसदी स्थिर है। हाल ही के वर्षों में बेरोजगारी देश में बड़ा मुद्दा रहा है, जो भारत जैसे विकासशील देश के हित में नहीं है। किसी भी अर्थव्यवस्था में विकास दर तभी सार्थक होगी, जब रोजगार के नये मौके उपलब्ध हो रहे हों। नीति-नियंताओं को आत्ममंथन करना होगा कि दुनिया में सबसे तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था में रोजगार के नये अवसर क्यों नहीं बन रहे हैं। सरकारें सुनिश्चित करें कि युवाओं को देश की तरक्की में योगदान देने का अवसर मिले। यदि बेरोजगारी की दर बढ़ रही है तो इसके मायने हैं कि संगठित और असंगठित क्षेत्र में नौकरी के मौके बढ़ नहीं रहे हैं। कहा जा रहा है कि औद्योगिक क्षेत्रों में एआई और डिजिटलीकरण के चलते भी नौकरियां घटी हैं। तो क्या हम इस चुनौती के लिये अपने युवाओं को तैयार कर रहे हैं ?निश्चित रूप से देश के नीति-नियंताओं को मंथन करना चाहिए कि आत्मनिर्भर भारत और स्किल इंडिया जैसे अभियानों के जमीनी परिणाम उत्साहवर्धक क्यों नहीं हैं ? युवाओं की कौशल विकास कार्यक्रमों में भागीदारी के बावजूद रोजगार के मौके क्यों नहीं बढ़ रहे हैं ? क्या हमारी शिक्षा व्यवस्था समय के साथ कदमताल नहीं कर पा रही है ? विडंबना यह भी है कि बढ़ती आबादी के बावजूद सरकारी क्षेत्र की नौकरियां कम हो रही हैं। युवाओं की शिकायत होती है कि सरकारी नौकरियों में भर्ती प्रक्रिया में तमाम तरह की विसंगतियां व्याप्त हैं। वे परीक्षा प्रणाली पर भी सवाल उठाते रहे हैं। निस्संदेह, बढ़ती बेरोजगारी हमारे विकास के मापदंडों पर भी सवाल खड़ी करती है। निश्चित रूप से संतुलित आर्थिक विकास की सार्थकता के लिए जरूरी है कि देश में प्रति व्यक्ति आय बढ़े तथा आर्थिक असमानता भी दूर हो। तेज विकास दर के साथ लोगों के जीवन में खुशहाली भी आनी चाहिए। रोजगार के अवसर बढ़ने से ही समाज में खुशहाली आ सकती है। जब देश में रोजगार के मौके बढ़ेंगे तो समाज में वास्तविक समृद्धि आ सकती है। रोजगार के अवसर बढ़ने से उत्पादकता बढ़ेगी और महंगाई पर नियंत्रण पाने में भी मदद मिलेगी। निस्संदेह, बढ़ती क्रय शक्ति भी अर्थव्यवस्था को गति देती है। निर्विवाद रूप से बेरोजगारी कम किए बिना हम देश के सौ साल पूरे होने तक विकसित भारत का लक्ष्य मुश्किल से हासिल कर पाएंगे। हमें एआई व डिजिटल चुनौती के मुकाबले के लिए युवाओं का कौशल विकास तेज करना चाहिए।

हिमाचल में हिम अकाल खतरे का संकेत

इंसान के लालच और अंधाधुंध दोहन का नतीजा, प्रकृति के नियमों को तोड़ने पर होने वाले प्रलय या असंतुलन को दशार्ता है, जिसके कारण मानव जाति को भयानक परिणाम भुगतने पड़ते है। प्रकृति एक नाजुक संतुलन पर टिकी है, और इंसान जब अपने स्वार्थ के लिए इस संतुलन को बिगाड़ता है, तो प्रकृति अपना हिसाब बराबर करती है। अब हिमाचल प्रदेश में हिम अकाल एक गंभीर खतरे के रूप में हमारे सामने है। जो कम बर्फबारी, तापमान वृद्धि और वर्षा पैटर्न में बदलाव के कारण बन रहा है, जिससे जल स्त्रोतों, कृषि और पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान हो रहा है और निकट भविष्य में पारिस्थितिक आपदा की आशंका बढ़ गई है, क्योंकि नदियाँ सूख रही हैं और जमीन का सुरक्षा कवच कमजोर हो रहा है, जिससे सूखा, आग और अन्य आपदाओं का खतरा बढ़ रहा है। ज्ञात हो कि 1990 के दशक की तुलना में शिमला में बर्फबारी लगभग 37 प्रतिशत कम हो गई है, यही नही दिसंबर 2022, 2023, 2024 पूरी तरह सूखे रहे हैं।

प्रेम शर्मा

अक्सर प्रकृति के संतुलन बिगाड़ने के विनाशकारी परिणाम सामने आते है। बेमौसम बारिश, सूखा, बाढ़, ग्लोबल वार्मिंग और अन्य प्राकृतिक आपदाएँ इसके घातक परिणाम है। इंसान के लालच और अंधाधुंध दोहन का नतीजा, प्रकृति के नियमों को तोड़ने पर होने वाले प्रलय या असंतुलन को दशार्ता है, जिसके कारण मानव जाति को भयानक परिणाम भुगतने पड़ते है। प्रकृति एक नाजुक संतुलन पर टिकी है, और इंसान जब अपने स्वार्थ के लिए इस संतुलन को बिगाड़ता है, तो प्रकृति अपना हिसाब बराबर करती है। अब हिमाचल प्रदेश में हिम अकाल एक गंभीर खतरे के रूप में हमारे सामने है। जो कम बर्फबारी, तापमान वृद्धि और वर्षा पैटर्न में बदलाव के कारण बन रहा है, जिससे जल स्त्रोतों, कृषि और पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान हो रहा है और निकट भविष्य में पारिस्थितिक आपदा की आशंका बढ़ गई है, क्योंकि नदियाँ सूख रही हैं और जमीन का सुरक्षा कवच कमजोर हो रहा है, जिससे सूखा, आग और अन्य आपदाओं का खतरा बढ़ रहा है। ज्ञात हो कि 1990 के दशक की तुलना में शिमला में बर्फबारी लगभग 37 प्रतिशत कम हो गई है, यही नही दिसंबर 2022, 2023, 2024 पूरी तरह सूखे रहे हैं। ऊंचे पहाड़, बुग्याल (घास के मैदान) और प्रसिद्ध तीर्थ स्थल (जैसे केदारनाथ, औली) बर्फ के बजाय सूखे और वीरान दिख रहे हैं। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फ के बजाय हल्की कोहरे की परत जम रही है, जिससे वनस्पति और मिट्टी को नुकसान हो रहा है। नाजुक जैव-नेटवर्क और वन्यजीवों पर विपरीत असर पड़ रहा है, क्योंकि उन्हें नमी नहीं मिल पा रही है। ऐसे में ग्राउंडवाटर रिचार्ज नहीं हो रहा, नदियां सूख रही हैं और रबी फसलों को नमी नहीं मिल पा रही है।पर्यटन, कृषि और स्थानीय अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ रहा है, जिससे सूखे की स्थिति बन सकती है। सर्दियों में बर्फ और बारिश लाने वाले ये सिस्टम कमजोर पड़ रहे हैं।जलवायु परिवर्तन इसका मुख्य कारण है, जिससे

मौसम का संतुलन बिगड़ रहा है। बर्फबारी और बारिश लेटलतीफी से आपदाओं को नकारा नही जा सकता। हिमाचल में प्रकृति का जो रूप दिख रहा है उसके परिणाम स्वरूप सूखे के कारण आग लगने और अकाल की स्थिति पैदा हो सकती है, जिससे जल संसाधनों पर दबाव बढ़ेगा। कुल मिलाकर, हिमाचल में कम बर्फबारी सिर्फ एक मौसम की विसंगति नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन और हिम अकाल का संकेत है, जो पूरे हिमालयी क्षेत्र के लिए एक गंभीर चेतावनी है। वैसे भी देश इस सर्दी एक असामान्य और चिंताजनक दौर से गुजर रहा है। वैसे तो दिसंबर और जनवरी के महीनों में हिमालयी राज्यों में बारिश और बर्फबारी से पहाड़ ढक जाते हैं। इस बार स्थिति इसके ठीक विपरीत है। मौसम विभाग आंकड़े बताते हैं कि उत्तराखंड में दिसंबर और जनवरी में एक बूंद बारिश नहीं हुई, हिमाचल प्रदेश में दिसंबर 1901 के बाद यानी पिछले सवा सौ सालों में छठी सबसे कम बारिश दर्ज की गई। जम्मू-कश्मीर में जनवरी में बेहद कम बारिश और बर्फबारी हुई है। इसके परिणाम स्वरूप इस सर्दी हिमालय की चोटियां असामान्य रूप से बिना बर्फ की नजर आई।यह केवल मौसमीय विचलन नहीं, बल्कि जल सुरक्षा, कृषि उत्पादकता, जंगलों में आग और जलवायु अनिश्चितता से जुड़ा गंभीर संकेत हैं। हिमालय चुपचाप चेतावनी दे रहा है, ऐसे में अहम सवाल यह है कि क्या पहाड़ों की वेदना सुन, समझ पा रहे हैं ? जनवरी के पहले पखवाड़े में देश को सामान्य से चार गुना कम बारिश मिली. इस अवधि में जहां सामान्य तौर पर जितनी बारिश होनी चाहिए थी, उसका एक-चौथाई से भी कम दर्ज किया गया। सबसे गंभीर स्थिति उत्तर-पश्चिम भारत की रही। जबकि इस अवधि में जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड के साथ-साथ पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश सिर्फ 8 प्रतिशत बारिश ही हो पाई। देहरादून के निदेशक सी. एस. तोमर बता चुके है कि उत्तराखंड में पिछले एक दशक से सर्दियां लगातार सूखी होती जा रही हैं। उनके अनुसार पिछले 10 वर्षों में चार बार ऐसा हुआ है जनवरी में न के बराबर बारिश हुई। उनके अनुसार यह अब कोई अपवाद नहीं, बल्कि एक नया ट्रेंड बनता जा रहा है। 2024-25 की सर्दियों में उत्तर-पश्चिम भारत में 96 प्रतिशत तक बारिश की कमी बेहद चिंताजनक है। वैसे तो सामान्य तौर पर सर्दियों में उत्तर और उत्तर-पश्चिम भारत में पश्चिमी विक्षोभ के कारण हल्की से मध्यम बारिश होती है। यही बारिश गेहूं, सरसों, चना के लिए जीवनरेखा मानी जाती है। पहाड़ों में बर्फ और बारिश भूजल भंडार को रिचार्ज करती है. नदियों को गर्मियों तक पानी देने में यही बर्फ पिघलकर अहम भूमिका निभाती है। लेकिन इस बार यही प्रक्रिया कमजोर पड़ती दिख रही है। वैज्ञानिकों के अनुसार इस सर्दी पश्चिमी विक्षोभ तो आए, लेकिन असर नहीं दिखा पाए। दिसंबर में जहां सामान्य तौर पर 6 पश्चिमी विक्षोभ आते हैं, इस बार 8 सिस्टम गुजरे, लेकिन बारिश नहीं करा सके। इसके पीछे कई कारण में पश्चिमी विक्षोभ में नमी की कमी, कम दबाव का क्षेत्र (ट्रफ) उथला होना शामिल है। इन्ही कारणों से नमी ऊपर नहीं उठ पाई, सिस्टम का उत्तर की ओर ऊंचे अक्षांशों में गुजरना, जिससे कश्मीर और हिमाचल में थोड़ी नमी गिरी, लेकिन उत्तराखंड तक पहुंच ही नहीं पाई और भारत पहुंचते-पहुंचते सिस्टम की गति कमजोर पड़ गई, जिससे उसका ठहराव कम हो गया। यह परिवर्तन इतना विस्तृत रहा कि भारत के साथ-साथ नेपाल में भी सूखी सर्दी देखने को मिल रही है। यह इस बात का संकेत है कि यह समस्या सिर्फ स्थानीय नहीं, बल्कि पूरे हिमालयी क्षेत्र में फैली जलवायु अस्थिरता का हिस्सा है। अब तक अनुभवों के आधार पर कहा जाता है कि अगर दिसंबर में बर्फ गिरे, तो वह लंबे समय तक जमीन में नमी बनाए रखती है। पिघलाव धीमा होता है, जिससे खेतों और जंगलों को फायदा मिलता है। लेकिन जब बर्फ फरवरी में गिरती है, तब दिन और रात के तापमान में भारी अंतर कारण लंबे समय तक नमी नहीं टिक पाती और आग लगने का खतरा बढ़ जाता है। आंकड़ों के मुताबिक उत्तराखंड में 1 नवंबर से अब तक 1,600 से ज्यादा फायर अलर्ट मिले जबकि हिमाचल प्रदेश में 600 और जम्मू-कश्मीर में करीब 300 आए। नंदा देवी नेशनल पार्क और वैली ऑफ फ्लावर्स जैसे संवेदनशील इलाकों में आग की घटनाएं सामने आई हैं। वनभूमि में नमी की कमी इसकी सबसे बड़ी वजह रही। वैसे भी हिमालयी ग्लेशियर पहले ही लगातार सिकुड़ रहे हैं अब अगर सर्दियों की बर्फबारी घटती है, तो संकट और गहरा सकता है। जहां बर्फ जमती और पिघलती है, उसका संतुलन बिगड़ जाएगा। जलवायु पैटर्न में आ रहे बदलाव हैं। चेतावनी साफ है, हिमालय की सूखी सर्दी सिर्फ यह संकेत है आने वाले जल संकट का, कृषि उत्पादन में गिरावट का, जंगलों और जैव विविधता पर खतरे का और भविष्य में अचानक बाढ़ और आपदाओं का कारक साबित होगा। अगर सर्दियों की बारिश और बर्फबारी इसी तरह अनिश्चित होती गई, तो इसका असर मैदानी इलाकों से लेकर महानगरों तक महसूस होगा।

पतंगबाजी में मगन सरकार

स्वतंत्रता सेनानी के रूप में उन्हें स्वीकृत 500 रुपये की सरकारी पेंशन लेने से भी उन्होंने यह कहकर मना कर दिया था कि उन्होंने आजादी की लड़ाई पेंशन के लिए थोड़े ही लड़ी थी। खुद्दार तो वे इतने थे कि उन्हें अपनी संतानों, परिजनों व शुभचिंतकों से किसी भी रूप में आर्थिक सहायता लेना गवारा नहीं था। सरकार द्वारा घर देने के प्रस्ताव को भी उन्होंने ठुकरा दिया था। उनके पास अपना घर तक नहीं था तो कार या कोई और वाहन होने का सवाल ही नहीं था। इसलिए राजधानी दिल्ली में वे प्राय: बसों से आते-जाते दिखाई देते थे। बाद में उनकी अहमदाबाद वासी बेटी से उनकी दुर्दशा नहीं देखी गई तो वह उन्हें किसी तरह समझा-बुझाकर अपने साथ ले गईं। वर्ष 1998 में 15 जनवरी को अपने सौवें जन्मदिन से कुछ महीनों पहले उन्होंने वहीं अंतिम सांस ली। निधन से कोई साल भर पहले 1997 में उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से विभूषित किया गया, जबकि पद्मविभूषण से पहले से विभूषित किया जा चुका था। अपने मंत्रिकाल में वे भ्रष्टाचार को लेकर इतने असहिष्णु थे कि भ्रष्टाचारी कितना भी प्रभावशाली या अपना क्यों न हो, उसे बख्शते नहीं थे। एक बार इसी के चलते उन्हें अपना मंत्री पद भी गंवा देना पड़ा था। यह जानना भी दिलचस्प है कि वे जितने बड़े राजनेता, उतने ही अच्छे अर्थशास्त्र के जानकार व लेखक भी थे। उन्होंने कई किताबें तो लिखी ही हैं, श्रमिकों के अधिकारों की सुरक्षा और 1947 में इंडियन नेशनल ट्रेड यूनियन कांग्रेस की स्थापना में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

असम के कालियाबोर में एक रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने महाराष्ट्र नगरीय निकाय चुनावों को लेकर कांग्रेस पर एक बेहूदा टिप्पणी की। इन चुनावों में भाजपा ने कई निगमों पर अपना कब्जा जमाया है और सबसे बड़ी जीत तो बृहन्मुंबई नगरपालिका में मिली है, जहां भाजपा ने शिवसेना को पीछे कर दिया है। लेकिन महाराष्ट्र के चुनावों में कांग्रेस को चौथा स्थान मिला है, जिस पर अपनी जीत का घमंड दिखाते हुए नरेन्द्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस का जन्म 1885 में मुंबई में हुआ था, लेकिन फिर भी वह अपनी नकारात्मक राजनीति के कारण पहले स्थान पर नहीं आ पाई। कांग्रेस ने देश का भरोसा खो दिया है क्योंकि उसके पास कोई विकास का एजेंडा नहीं है। महाराष्ट्र में जहां कांग्रेस ने सालों तक शासन किया, कांग्रेस पूरी तरह खत्म हो गई है।असम चुनावों में महाराष्ट्र के नगरीय निकाय चुनावों का जिक्र कर और उसमें भी कांग्रेस की हार पर टिप्पणी कर प्रधानमंत्री मोदी क्या हासिल करना चाहते हैं, यह समझना कठिन नहीं है। दरअसल उनकी सबसे बड़ी कुंठा ही यही है कि वे कांग्रेस को खत्म नहीं कर पा रहे हैं। नेहरूजी से लेकर राहुल गांधी तक के लिए तमाम अपमानजनक और अक्सर झूठी बातें कहने के बावजूद गांधी परिवार को धर्मनिरपेक्ष राजनीति से डिगा पाने में नरेन्द्र मोदी असफल रहे हैं, इसलिए उन्हें चुनावी जीत के बावजूद खुशी नहीं मिल पा रही।यूं भी नरेन्द्र मोदी चुनाव दर चुनाव जीतने के बावजूद अपनी जिम्मेदारियों को कहां पूरा कर पा रहे हैं, उनकी जगह राहुल गांधी ही पीड़ितों के आंसू पोंछते नजर आते हैं। अभी इंदौर में ही कम से कम 24 लोगों की मौत गंदा पानी पीने से हो गई। इसमें लोगों की नहीं सरकार की गलती है, जो लोगों को पीने का साफ पानी मुहैया नहीं करा पाई। अब भी कई लोग इसी वजह से अस्पताल में भर्ती हैं। लेकिन भाजपा अपनी गलती मानने की जगह मामले को किस तरह दबाने में लगी है, इसकी कई खबरें बाहर आ चुकी हैं।मध्यप्रदेश में भाजपा की सरकार है और इंदौर नगरनिगम पर भी भाजपा का ही कब्जा है। और इसके लिए भी भाजपा नेता नरेन्द्र मोदी को ही श्रेय देते हैं। जैसे रविवार के कई अखबारों में मुंबई में जीत का श्रेय नरेन्द्र मोदी को देने वाले विज्ञापन एकनाथ शिंदे ने छपवाए हैं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस ने भी मोदी के नेतृत्व को ही जीत का श्रेय दिया है। लेकिन क्या मोदी की भूमिका यहीं तक सीमित है कि वे भाजपा को किसी भी तरह से जीत दिलाएं और उसके बाद हारे हुए दलों पर नकारात्मक टिप्पणी करें। क्यों नरेन्द्र मोदी को अब तक फुर्सत नहीं मिली कि वे एक बार कुछ घंटों के लिए ही इंदौर चले जाते। वहां भी राहुल गांधी ही पहुंचे।राहुल गांधी ने पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर लिखा कि बीजेपी की डबल इंजन सरकार का नया स्मार्टसिटी मॉडल। पानी में जहर, हवा में जहर, दवा में जहर, जमीन में जहर, और, जवाब मांगो तो चलेगा बुलडोजर! कुछ इस तरह इस मॉडल में गरीबों की मौतों के लिए कोई भी जिम्मेदार नहीं होता। सरकार अभी उनकी लापरवाही से हुई इंदौर की त्रासदी की जवाबदेही ले- दोषियों को सजा और पीड़ितों को अच्छा इलाज और मुआवजा जल्द से जल्द दिलाए।बता दें कि राहुल गांधी के इंदौर आने पर भी भाजपा विरोध कर रही थी। उसके मुताबिक राहुल गांधी राजनीति के मकसद से आ रहे थे। हालांकि इसे भाजपा की नासमझी ही माना जाए, क्योंकि राजनेता अगर राजनीति न करे तो फिर क्या करे। और अगर पीड़ितों के हक में आवाज उठाना या उनके आंसू पोंछने आना राजनीति है, तो ऐसी राजनीति देश के हर जनप्रतिनिधि को करनी चाहिए। लेकिन मणिपुर से लेकर इंदौर तक हर बार राहुल गांधी ही पीड़ितों के साथ खड़े दिखते हैं। नरेन्द्र मोदी तो केवल पतंगबाजी, पूजा-पाठ, ट्रेन को हरी झंडी दिखाते या फिर चुनावी सभाओं को संबोधित करते दिखते हैं। हैरानी की बात ये है कि इस पर भी मीडिया नरेन्द्र मोदी से सवाल करने की जगह राहुल गांधी से ही सवाल करता है। शनिवार को ही जब राहुल इंदौर में थे, तो एक पत्रकार ने उनसे यही राजनीति करने वाला सवाल पूछा तो राहुल गांधी ने साफ कहा कि वे नेता प्रतिपक्ष हैं और उनकी जिम्मेदारी है कि वे लोगों के दुख में उनके साथ खड़े रहें। राहुल गांधी ने ये भी कहा कि उन्हें फर्क नहीं पड़ता कि कौन इस बारे में क्या सोचता है। यह सीधा लेकिन चुभता हुआ जवाब जनता को भी सुनना चाहिए जो इस बात से खुश रहती है कि उसके प्रधानमंत्री कितने धार्मिक आयोजनों में स्वांग भरते दिखाई देते हैं। उसे इस बात की नाराजगी होनी चाहिए कि प्रधानमंत्री अपनी जिम्मेदारी पूरी करते हुए क्यों नहीं दिखते।

दुनिया से जाने के बाद की जिंदगी का डिजिटल अवतार

सिग्मंड फ्रायड ने कहा था कि इंसानों को अपने अमर होने का यकीन है। इसलिए मौत पर चर्चा करना आम तौर पर भयावह, घृणास्पद, विकट और रोग समझा जा सकता है। जब से टेक्नोलॉजी ने मरने की प्रक्रिया को दीर्घ व जटिल बनाया है तब से यह लेखिका अच्छी मौत के कारणों पर विचार कर रही हैं। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले को ध्यान में रखते हुए कि सम्मान के साथ मरना मौलिक अधिकार है, मौत की गुणवत्ता के महत्व पर ध्यान दिया जाना स्वाभाविक ही होगा। अच्छी मौत में रोगी की इच्छाओं का संज्ञान लिया जाता है कि उसकी उपचार संबंधी प्राथमिकताएं क्या हैं, उसे जिंदगी और मौत की कैसी गुणवत्ता चाहिए व इसके साथ ही उसके सम्मान को भी बरकरार रखा जाये। आज मौत का अर्थ है जीवन का अंत। लेकिन अल्फा पीढ़ी के लिए यह कुछ अलग हो सकता है। इस नयी जेनरेशन के लिए परम्परागत जीवन के अंत के बाद अनंत डिजिटल जीवन एक विकल्प हो सकता है। मसलन, ग्रीफबोट्स वह एआई सिस्टम्स हैं जो मृत व्यक्ति के व्यक्तित्व, बोलने के अंदाज और व्यवहार का अनुकरण (सिमुलेट) करते हैं। इसके तहत वर्चुअल ूमनोइड अवतार को ट्रेन किया जाता है कि वह टेक्स्ट मैसेज, ईमेल, सोशल मीडिया पोस्ट्स और वीडियोज तैयार करे व भेजे। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि जितना अधिक डाटा सप्लाई किया जायेगा उतना ही वास्तविक अवतार होगा। इस डिजिटल प्रक्रिया के माध्यम से उपयोगकर्ता यानी यूजर अपने प्रियजन के डिजिटल वर्जन को देख व सुन सकेंगे और उससे बातें भी कर सकेंगे। बातचीत करने वाला एआई इमेज सिंथेसिस व वॉइस क्लोनिंग का प्रयोग करता है।

एआई का प्रयोग करके मृतकों को पुनःजीवित किया जा रहा है ताकि परिजनों को दिलासा दिया जा सके। ग्रीफबोट्स वह एआई सिस्टम्स हैं जो मृत व्यक्ति के व्यक्तित्व, बोलने के अंदाज और व्यवहार का अनुकरण (सिमुलेट) करते हैं। इन्हें सांत्वना देने वाले टूल्स के रूप में मार्किट किया जा रहा है। एआई टेक्नोलॉजी मृतक की हूबहू कापी, आवाज और भाव बना देती है, जिससे परिवार वर्चुअली मृतक से मिलकर बात कर सकता है। हालांकि इसके उपयोग के औचित्य पर सवाल भी खड़े हो रहे हैं। सिग्मंड फ्रायड ने कहा था कि इंसानों को अपने अमर होने का यकीन है। इसलिए मौत पर चर्चा करना आम तौर पर भयावह, घृणास्पद, विकट और रोग समझा जा सकता है। जब से टेक्नोलॉजी ने मरने की प्रक्रिया को दीर्घ व जटिल बनाया है तब से यह लेखिका अच्छी मौत के कारणों पर विचार कर रही हैं। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले को ध्यान में रखते हुए कि सम्मान के साथ मरना मौलिक अधिकार है, मौत की गुणवत्ता के महत्व पर ध्यान दिया जाना स्वाभाविक ही होगा। अच्छी मौत में रोगी की इच्छाओं का संज्ञान लिया जाता है कि उसकी उपचार संबंधी प्राथमिकताएं क्या हैं, उसे जिंदगी और मौत की कैसी गुणवत्ता चाहिए व इसके साथ ही उसके सम्मान को भी बरकरार रखा जाये। आज मौत का अर्थ है जीवन का अंत। लेकिन अल्फा पीढ़ी के लिए यह कुछ अलग हो सकता है। इस नयी जेनरेशन के लिए परम्परागत जीवन के अंत के बाद अनंत डिजिटल जीवन एक विकल्प हो सकता है। मसलन, ग्रीफबोट्स वह एआई सिस्टम्स हैं जो मृत व्यक्ति के व्यक्तित्व, बोलने के अंदाज और व्यवहार का अनुकरण (सिमुलेट) करते हैं। इसके तहत वर्चुअल ूमनोइड अवतार को ट्रेन किया जाता है कि वह टेक्स्ट मैसेज, ईमेल, सोशल मीडिया पोस्ट्स और वीडियोज तैयार करे व भेजे। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि जितना अधिक डाटा सप्लाई किया जायेगा उतना ही वास्तविक अवतार होगा। इस डिजिटल प्रक्रिया के माध्यम से उपयोगकर्ता यानी यूजर अपने प्रियजन के डिजिटल वर्जन को देख व सुन सकेंगे और उससे बातें भी कर सकेंगे। बातचीत करने वाला एआई इमेज सिंथेसिस व वॉइस क्लोनिंग का प्रयोग करता है। डिजिटल जुड़वां बनाने के लिए वह रियल-टाइम में प्राकृतिक भाषा व भावनाओं के साथ प्रतिक्रिया करता है। यहां उल्लेखनीय है कि प्रोजेक्ट दिसम्बर, हियरआफ्टर एआई और स्टोरीफाइल जैसे प्लेटफॉर्म्स ग्रीफबोट का अनुभव प्रदान करते हैं। ग्रीफबोट्स को मृत व्यक्ति के परिजनों को सांत्वना देने वाले टूल्स के रूप में मार्किट किया जा रहा है। लोग अपने प्रियजनों की मौत को स्वीकार नहीं कर पाते हैं। वह चाहते हैं कि जीवन जैसे डिजिटल अवतार से निरंतर संपर्क में रहें। लेकिन इसके लम्बे समय

तक प्रयोग करने से भावनात्मक उपचार बाधित हो सकता है, जिससे अस्वस्थ निर्भरताएं उत्पन्न हो सकती हैं। ग्रीफबोट्स से मृतक के सम्मान को सुरक्षित रखने के संदर्भ में सवाल उठते हैं। गलत प्रतिनिधित्व और मौत से पहले मंजूरी न लेने से चिंताएं उत्पन्न होती हैं। निजता के मानकों का सख्ती से पालन करना कठिन है और साथ ही देयता, जिम्मेदारी व जवाबदेही को भी। मौत के बाद डिजिटल जीवन को डिजिटल आफ्टर लाइफ, डिजिटल इम्मोर्टेलिटी, वर्चुअल इम्मोर्टेलिटी व भौतिक मृत्यु के बाद व्यक्ति की स्थायी ऑनलाइन उपस्थिति कहा जाता है। आज व्यक्ति के व्यक्तित्व, यादों और चेतना को डिजिटल प्लेटफार्म (कंप्यूटर, ूमनोइड या साइबरस्पेस) पर स्टोर या क्लोन करना संभव है। मूल व्यक्ति की अवतार नकल वर्चुअल वातावरण में अनंत जीवन को मुमकिन बनाती है। इस विविधता को प्रभावी बनाने के लिए इसमें मूल्यों, आस्थाओं और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि को शामिल करना आवश्यक है। रोगियों पर एआई आधारित निर्णयों का भावनात्मक व मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ना चिंता का विषय है। ग्रीफबोट्स का जिस तेजी से व्यवसायीकरण हो रहा है वह जिम्मेदारी भरे डिप्लॉयमेंट, शोध व नियमों को पीछे छोड़ रहा है। ग्रीफबोट्स वास्तविकता व कल्पना के बीच की रेखा को धुंधला कर सकता है, जिससे नुकसान को स्वीकार करके आगे बढ़ने की प्राकृतिक प्रक्रिया बाधित हो सकती है। रि-मेमोरी एआई-आधारित स्मृति-सेवा (दिवंगत व्यक्ति को श्रद्धांजलि देने और उसकी यादों को सम्मान देने के लिए आयोजित कार्यक्रम) है, जिसे डीपब्रेन एआई ने विकसित किया है, जिससे जिंदा लोग अपने मृत प्रियजनों के अति वास्तविक डिजिटल अवतार से संपर्क कर सकते हैं। एडवांस्ड एआई टेक्नोलॉजी मृतक की हूबहू कॉपी, आवाज और भाव बना देती है, जिससे दुखी परिवार वर्चुअल सेटिंग में मृतक से मिल सकता है व बातें कर सकता है। डीपब्रेन की एआई प्रोप्राइटरी टेक्नोलॉजी लाइफलाइक (जीवन जैसा) डिजिटल अवतार जनरेट करती है, जो वीडियो के जरिये इंटरएक्ट करता है, यानी दो-तरफा बातचीत होती है। यह अनुभव वर्चुअल पुनर्मिलन जैसा होता है। यूजर यादें शेयर करते हैं। रि-मेमोरी को स्मृति-सेवाओं में, पारिवारिक समारोह में, शादियों में और जन्मदिनों पर प्रयोग किया जा रहा है ताकि दिवंगत को जीवित के रूप में शामिल किया जा सके। अपने मृत प्रियजन से पुनः मिलकर व्यक्ति अपने दुःख से उबरता है, अनसुलझे जज्बात को संबोधित करता है और अच्छी यादों को संजोकर रखता है। यह सेवा दिलासा देती है, भावनात्मक उपचार करती है और सम्पर्कों को हमेशा के लिए बनाये रखती है।

विवादित पोस्ट मामले में हजरतगंज थाने पहुंचीं नेहा सिंह राठौर, कहा, जांच में सहयोग दूंगी

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ के हजरतगंज पुलिस स्टेशन में सोमवार को लोक गायिका नेहा सिंह राठौर अपने खिलाफ दर्ज एफआईआर के सिलसिले में पुलिस के सामने पेश हुईं। सुप्रीम कोर्ट ने उनकी गिरफ्तारी पर अंतरिम रोक लगाई हुई है और उन्हें निर्देश दिया था कि वे जांच अधिकारी के सामने निर्धारित समय पर हाजिर हों और जांच में सहयोग करें। नेहा सिंह राठौर इस आदेश का पालन करते हुए सुबह 11 बजे थाने पहुंचीं। उन्होंने न्यूज एजेंसी से बातचीत में कहा, मुझे सुप्रीम कोर्ट ने 19 जनवरी को सुबह 11 बजे हजरतगंज पुलिस स्टेशन में जांच अधिकारी के सामने पेश होने का आदेश दिया था। मैं उसी आदेश का पालन करने यहां आई हूं। मैं न्यायिक प्रक्रिया में अपना पूरा सहयोग दूंगी। दरअसल, मामला जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले से जुड़ा है, जिसमें पर्यटकों की धर्म पूछकर हत्या की गई थी। इस घटना के बाद नेहा सिंह राठौर ने सोशल मीडिया और सार्वजनिक मंचों पर कुछ पोस्ट और गाने साझा किए। इनमें सबसे विवादित गाना था, चौकीदारवा कायर बा, जिसे उन्होंने मई 2025 में प्रस्तुत किया। इस गाने में कथित तौर पर भाजपा सरकार के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां की गई थीं, जिसके बाद वाराणसी और लखनऊ में कई एफआईआर दर्ज की गईं।

बच्चे की आंख में लगा रही हैं भर-भर कर काजल तो ये बड़े नुकसान भी जान लें

भारतीय घरों में यह परंपरा बहुत पुराने समय से चली आ रही है कि बच्चे के जन्म के कुछ ही दिनों बाद उसकी आंखों में काजल लगाया जाता है। परिवार में मां, दादी या नानी यह मानती हैं कि काजल लगाने से बच्चे की आंखें बड़ी, चमकदार और खूबसूरत दिखती हैं और नजर भी तेज होती है। कई परिवारों में इसे रोजाना या नियमित अंतराल पर लगाया जाता है। लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या सच में काजल लगाने से आंखों को कोई फायदा होता है, या यह केवल एक पुरानी मान्यता है? क्या यह छोटे बच्चों की नाजुक आंखों के लिए सुरक्षित है। इस लेख में हम जानेंगे कि बच्चों की आंखों में काजल लगाना सही है या नहीं।

क्या काजल से सच में आंखें बड़ी हो जाती हैं?

क्या काजल से सचमुच आंखें बड़ी होती हैं? इस सवाल का जवाब डॉक्टर साफ तौर पर ना में देते हैं। उनका कहना है कि यह एक पूरी तरह से गलत धारणा है कि बच्चे की आंखों में काजल लगाने से उनका साइज बढ़ जाता है या उनकी रोशनी तेज हो जाती है। नेत्र विज्ञान के अनुसार, आंख का आकार और उसकी रोशनी प्राकृतिक रूप से तय होती है, जिस पर काजल का कोई असर नहीं पड़ता। यह सिर्फ एक पुरानी मान्यता है, जिसे लोग पीढ़ी दर पीढ़ी मानते आ रहे हैं, जबकि इसका कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है।

बच्चे की आंखों में काजल लगाने के नुकसान

बच्चों की आंखें बहुत नाजुक होती हैं और ऐसे में काजल लगाने से फायदा नहीं बल्कि नुकसान ही ज्यादा होता है। मार्केट में मिलने वाले ज्यादातर काजल पूरी तरह से साफ या स्टरलाइज्ड नहीं होते, जिससे आंखों में इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। कई बार काजल लगाने से आंखों में जलन, खुजली और लगातार पानी आने जैसी दिक्कतें भी शुरू हो सकती हैं। अगर पलकों के अंदर काजल लगाया जाए तो यह ऑयल ग्लैंड को ब्लॉक कर सकता है, जिससे आंखों में सूजन और पानी बहने की समस्या बढ़ सकती है। इसके अलावा आजकल मिलने वाले काजल में केमिकल मौजूद होते हैं, जो छोटे बच्चों की नाजुक आंखों को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

डॉक्टर की क्या सलाह है?

डॉक्टर के अनुसार, बच्चे की आंखों में कभी भी काजल नहीं लगाना चाहिए क्योंकि यह उनकी नाजुक आंखों के लिए सुरक्षित नहीं है। अगर परंपरा या मान्यता की वजह से काजल लगाना जरूरी लगे तो इसे आंखों के अंदर न लगाकर केवल बच्चे के माथे या कान के पीछे लगाया जा सकता है, यह तरीका अपेक्षाकृत सुरक्षित माना जाता है। डॉक्टर का कहना है कि बच्चे की आंखें तभी सचमुच सुंदर और आकर्षक लगती हैं जब वे पूरी तरह स्वस्थ और साफ रहती हैं, इसलिए उनकी देखभाल और स्वच्छता पर ही ध्यान देना चाहिए। बच्चों की आंखों में काजल लगाने से न तो आंखें बड़ी होती हैं और न ही उनकी रोशनी बढ़ती है। बल्कि इसके उलट, इससे आंखों में जलन, खुजली, इन्फेक्शन और सूजन जैसी कई समस्याएं हो सकती हैं। इसी कारण डॉक्टर की सलाह है कि बच्चे की आंखों में काजल बिल्कुल नहीं लगाना चाहिए और उनकी आंखों को साफ व स्वस्थ रखना ही सबसे बेहतर विकल्प है।

रोजमर्रा की इन आदतों से दवाओं के बिना भी कम की जा सकती है पीसीओडी ब्लोटिंग, जानिए कैसे

प्रोसेस्ड फूड में सोडियम बहुत ज्यादा होता है। ज्यादा सोडियम पानी रोकता है और ब्लोटिंग बढ़ाता है। इसलिए कोशिश करें कि प्रोसेस्ड फूड जैसे चिप्स, फ्रोजन फूड और फास्ट फूड आदि से दूरी बनाएं। इसके अलावा खाने में ज्यादा नमक या अचार आदि का सेवन भी ना करें।

पीसीओडी में कई तरह की समस्याओं जैसे वजन बढ़ने से लेकर मूड स्विंग्स तक का सामना करना पड़ता है। लेकिन इसके अलावा भी एक ऐसी समस्या है, जो आपको काफी परेशान कर सकती है और वह है ब्लोटिंग यानी पेट फूलना।

पीसीओडी में जब ब्लोटिंग होती है तो आपको बहुत अधिक बैचेनी का अहसास होता है। इस स्थिति में अधिकतर महिलाएं दवाओं का सहारा लेती हैं। लेकिन जरूरी नहीं है कि हर बार आप सिर्फ और सिर्फ दवाओं पर ही निर्भर रहें। अगर आप अपने लाइफस्टाइल में कुछ बदलाव करती हैं और अपनी रोजमर्रा की आदतों को कुछ बदल देती हैं तो इससे भी आपको काफी लाइट और एनर्जेटिक महसूस होता है।

हालांकि, इन बदलावों में सिर्फ आपका खान-पान ही शामिल नहीं है, बल्कि आप अपने दिन की शुरूआत कैसे करती हैं या स्ट्रेस को किस तरह मैनेज करती हैं, यह सब भी काफी मायने रखता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी ही रोजमर्रा की आदतों के बारे में बता रहे हैं, जो पीसीओडी ब्लोटिंग को कम करने में आपकी काफी मदद करेंगे-

दिन की शुरूआत में लें नींबू पानी

दिन की शुरूआत हमेशा नींबू पानी के साथ करें। इसके लिए एक गिलास गुनगुने पानी में नींबू का रस डालकर पीएं। इससे ना केवल शरीर के टॉक्सिन बाहर निकलते हैं, बल्कि डाइजेशन पर भी अच्छा असर पड़ता है, जिससे आपको ब्लोटिंग की शिकायत नहीं होती।

नमक और प्रोसेस्ड फूड को करें कम

प्रोसेस्ड फूड में सोडियम बहुत ज्यादा होता है।

बचे हुए खाने को इस तरह करेंगे रिहीट तो नहीं होगा सॉगी

अगर रात में रोटी या पराठा बच गया है तो उसे दोबारा गरम करने के लिए तवे का इस्तेमाल करना सबसे अच्छा माना जाता है। इससे वह दोबारा उतनी ही क्रिस्पी और टेस्टी लगती है। इसके लिए आपको बस इतना करना है कि पराठे को थोड़ा घी या बटर लगाकर सेंक लो। हम सभी के घर में अक्सर खाना बच ही जाता है। अमूमन हम अपने घर में खाना एक अंदाजे से बनाते हैं। लेकिन कभी कोई खाना स्किप कर देता है या फिर बहुत कम खाता है तो इससे खाना बच ही जाता है। ऐसे में हम सभी उस बचे हुए खाने को फ्रिज में स्टोर कर देते हैं। लेकिन अगले दिन जब उस खाने को दोबारा गरम किया जाता है तो उसमें फिर से वह क्रिस्पीनेस नहीं होती है, जो होनी चाहिए। अगर दोबारा गरम करने पर खाना सॉगी हो जाता है तो किसी का भी मन उसे खाने का नहीं करता। अक्सर इस स्थिति में हम खाने को बाहर फेंक देते हैं, जो बिल्कुल भी सही नहीं है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बचे हुए खाने को रिहीट करने के कुछ ऐसे तरीकों के बारे में बताएंगे, जिसे फॉलो करने से वह खाना दोबारा उतना ही टेस्टी व क्रिस्पी महसूस होगा- तवे पर यूं करें खाना गरम अगर रात में रोटी या पराठा बच गया है तो उसे दोबारा गरम करने के लिए तवे का इस्तेमाल करना सबसे अच्छा माना जाता है। इससे वह दोबारा उतनी ही क्रिस्पी और टेस्टी लगती है। इसके लिए आपको बस इतना करना है कि पराठे को थोड़ा घी या बटर लगाकर सेंक लो। इससे पराठे का टेस्ट और भी ज्यादा बेहतर हो जाएगा। माइक्रोवेव में यूं करें खाना गरम आज के समय में हम सभी खाना गरम करने के लिए माइक्रोवेव का इस्तेमाल करना पसंद करते हैं। माइक्रोवेव में खाना गरम करना काफी आसान है। लेकिन जब माइक्रोवेव में खाना गरम किया जाता है, तो वह अक्सर सॉगी हो जाता है। ऐसे में आप एक आसान ट्रिक को अपनाएं। इसके लिए खाने के ऊपर एक गीला टिश्यू या माइक्रोवेव सेफ ढक्कन रख दें। इससे भाप बनेगी और खाना एकसमान गरम होगा। इससे खाना खाने में ना सूखा लगेगा और ना ही उसे चबाने में मुश्किल होगी। एयर फ्रायर में यूं करें खाना गरम आज के समय में लोग अपने घरों में एयर फ्रायर का इस्तेमाल करने लगे हैं। बचे हुए खाने खासतौर से स्नैक्स को रिहीट करने के लिए एयर फ्रायर का इस्तेमाल करना काफी अच्छा माना जाता है।

मुंह का कैंसर होने के ये 2 संकेत, बिल्कुल न करे लापरवाही पड़ सकती है भारी

आज के समय में मुंह का कैंसर भारत में सबसे तेजी से फैलने वाले कैंसरों में से एक बन चुका है। दुर्भाग्य से ज्यादातर लोग इसे तब तक गंभीरता से नहीं लेते, जब तक लक्षण बढ़ न जाएं या हालत बिगड़ न जाए। जबकि हकीकत ये है कि इसकी शुरूआत अक्सर कुछ आम आदतों से होती है, जिन्हें हम नजरअंदाज करते रहते हैं। इस लेख में हम बात करेंगे मुंह के कैंसर के दो मुख्य कारणों की, जिन्हें अगर समय रहते पहचाना और छोड़ा जाए, तो इस खतरनाक बीमारी से बचा जा सकता है।

तंबाकू और गुटखा का सेवन द सबसे बड़ा कारण

भारत में मुंह के कैंसर का सबसे बड़ा कारण है तंबाकू, गुटखा, पान मसाला और सुपारी का सेवन। ये चीजें जब रोजाना लंबे समय तक चबाई जाती हैं, तो उनमें मौजूद हानिकारक केमिकल्स मुंह के अंदर की त्वचा और टिश्यूज को धीरे-धीरे खराब करना शुरू कर देते हैं। अक्सर शुरूआत में सिर्फ छाले, जलन या सफेद चकत्ते दिखते हैं, जिन्हें लोग मामूली समझकर इग्नोर कर देते हैं। लेकिन ये शुरूआती संकेत होते हैं कि शरीर में कुछ गड़बड़ शुरू हो गई है। गुटखा और तंबाकू के कारण मुंह में घाव ठीक नहीं होते, और वहीं से कैंसर सेल्स पनपना शुरू कर देते हैं। सबसे खतरनाक बात यह है कि जब तक कैंसर डिटेक्ट होता है, तब तक वह आखिरी स्टेज में पहुंच चुका होता है। इसलिए अगर आप या आपके घर में कोई तंबाकू, गुटखा या सुपारी का सेवन कर रहा है तो आज ही इसे रोकने का संकल्प लें। ये आदत सिर्फ एक लत नहीं, एक धीमा जहर है।

बार-बार मुंह में छाले या घाव को नजरअंदाज करना

बहुत बार लोगों को लगता है कि मुंह में होने वाले छाले, जलन या हल्की सूजन कोई बड़ी बात नहीं है, ये तो गर्म चीजें खाने या मसालेदार खाने से हो जाती हैं। लेकिन अगर यही छाले दो हफ्तों से ज्यादा समय तक न ठीक हों, तो ये संकेत हो सकता है कि कुछ गंभीर हो रहा है।

मुंह का कैंसर अक्सर इसी तरह की छोटी-छोटी समस्याओं से शुरू होता है, जिन्हें लोग घरेलू नुस्खों से ठीक करने की कोशिश करते हैं या खुद से ही इलाज करना शुरू कर देते हैं। लेकिन कैंसर के शुरूआती लक्षणों को पहचानना बेहद जरूरी है।

बार-बार छाले होना

मुंह में गांठ बनना

गालों में सूजन

जबड़े का हिलना मुश्किल होना

आवाज में बदलाव

ये सभी संकेत हो सकते हैं कि आपको डॉक्टर को तुरंत दिखाने की जरूरत है।

कई बार छोटे-छोटे घाव कैंसर का शुरूआती रूप होते हैं, जिन्हें अगर सही समय पर पकड़ लिया जाए, तो इलाज संभव है। लेकिन देरी आपकी सेहत और जिंदगी द दोनों को जोखिम में डाल सकती है।

लापरवाही न करें, समय रहते चेत जाएं

मुंह का कैंसर एक जानलेवा बीमारी है, लेकिन समय रहते पहचाना जाए तो यह पूरी तरह से ठीक भी हो सकता है। इसके लिए सबसे जरूरी है कि आप अपनी आदतों पर नजर रखें और शरीर के संकेतों को हल्के में न लें। तंबाकू और गुटखा छोड़ना सिर्फ एक स्वास्थ्य निर्णय नहीं, बल्कि जीवन बचाने वाला कदम है। और अगर मुंह में किसी तरह की असामान्यता दिखे द जैसे छाले, घाव, जलन, या रंग में बदलाव तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लें। आपकी थोड़ी सी सतर्कता और जागरूकता, आपको और आपके परिवार को इस गंभीर बीमारी से बचा सकती है।

डल स्किन भी हो जाएगी ब्राइटन, बस किचन की इन चीजों का करें इस्तेमाल

अगर आपकी स्किन डल व बेजान नजर आने लगी है तो ऐसे में आप हल्दी और दही की मदद से एक ब्राइटनिंग फेस पैक बना सकती हैं। हल्दी स्किन के रूखेपन को कम करने के साथ-साथ एक ब्राइटनेस भी लेकर आती है। हम सभी एक ब्राइटन स्किन चाहते हैं और इसके लिए तरह-तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट्स का सहारा लेते हैं। लेकिन यह जरूरी नहीं है कि हर बार आप मार्केट में मौजूद प्रोडक्ट्स पर ही भरोसा करें। बल्कि अगर आप चाहें तो खुद घर पर अपने किचन इंग्रीडिएंट्स की मदद से भी डल और बेजान स्किन

का बेहतर तरीके से ख्याल रख सकते हैं। जी हां, डल स्किन की समस्या आज के समय में बेहद आम होती जा रही है। बहुत अधिक तनाव, धूल-मिट्टी, प्रदूषण व खान-पान का असर सिर्फ सेहत ही नहीं, स्किन पर भी देखने को मिलता है। जिसकी वजह से स्किन काफी थकी हुई, बेजान व डल नजर आती है। ऐसे में अपनी स्किन को फिर से रिजुविनेट करने के लिए आप अपनी किचन का ही रुख कर सकते हैं। हम सभी की किचन में ऐसे कई आम इंग्रीडिएंट्स होते हैं, जो स्किन के लिए किसी वरदान से कम नहीं होते हैं। साथ ही, केमिकल फ्री होने की वजह से आपको अपनी स्किन को लेकर परेशान होने की भी जरूरत नहीं होती है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको ऐसे ही कुछ किचन इंग्रीडिएंट्स के बारे में बता रहे हैं, जो आपकी डल स्किन में फिर से नई जान डालने में मदद करेंगे- हल्दी और दही से बनाएं ब्राइटनिंग पैक अगर आपकी स्किन डल व बेजान नजर आने लगी है तो ऐसे में आप हल्दी और दही की मदद से एक ब्राइटनिंग फेस पैक बना सकती हैं। हल्दी स्किन के रूखेपन को कम करने के साथ-साथ एक ब्राइटनेस भी लेकर आती है। वहीं, दही में मौजूद लैक्टिक एसिड स्किन को हल्का एक्सफोलिएट करते हैं, जिससे स्किन दमकने लगती है। इसके लिए आधा चम्मच हल्दी को दो चम्मच दही में डालकर मिक्स करें और एक स्मूथ पेस्ट बना लें। अब अपनी स्किन को क्लीन करके इस पैक को चेहरे पर लगाएं। करीबन 15-20 मिनट बाद अपने चेहरे को धो लें। बेसन और दूध से बनाएं ब्राइटनिंग पैक अगर आपकी स्किन ऑयली व चिपचिपी नजर आने लगी है तो ऐसे में बेसन और दूध की मदद से एक ब्राइटनिंग पैक बनाया जा सकता है। जहां बेसन चेहरे की गंदगी और अतिरिक्त तेल सोख लेता है। वहीं, दूध स्किन को हल्का एक्सफोलिएट करता है, जिससे स्किन ब्राइटन नजर आती है। फेस पैक बनाने के लिए आप दो बड़े चम्मच बेसन में आवश्यकतानुसार दूध मिलाकर पेस्ट बनाएं। करीबन 10-15 मिनट बाद चेहरे को गुनगुने पानी से धो लें।

इतिहास, विरासत और हथकरघे की नगरी है चंदेरी

चंदेरी का इतिहास लगभग 11वीं शताब्दी से जुड़ा हुआ है। यह नगर विभिन्न राजवंशों– जैसे प्रतिहार, गुर्जर, सुल्तान, मुगल, बुंदेला और मराठा – के अधीन रहा है। यहां की वास्तुकला में हिन्दू, इस्लामी और जैन प्रभावों का सुंदर समन्वय देखने को मिलता है।

मध्य प्रदेश की मालवा और बुंदेलखंड की सीमाओं पर बसा चंदेरी (उँल्लीं१) एक ऐतिहासिक नगर है जो अपने भव्य किलों, प्राचीन स्मारकों, जैन मंदिरों और विश्वप्रसिद्ध चंदेरी साड़ियों के लिए प्रसिद्ध है। यह नगर न केवल इतिहास प्रेमियों, बल्कि कला, संस्कृति और पारंपरिक वस्त्रों के शौकीनों के लिए भी एक आकर्षक पर्यटन स्थल है।

चंदेरी का ऐतिहासिक महत्व

चंदेरी का इतिहास लगभग 11वीं शताब्दी से जुड़ा हुआ है। यह नगर विभिन्न राजवंशों– जैसे प्रतिहार, गुर्जर, सुल्तान, मुगल, बुंदेला और मराठा – के अधीन रहा है। यहां की वास्तुकला में हिन्दू, इस्लामी और जैन प्रभावों का सुंदर समन्वय देखने को मिलता है।

पारंपरिक व्यापार मार्गों पर स्थित होने के कारण यह नगर व्यापार, विशेष रूप से वस्त्र उद्योग, का एक बड़ा केंद्र रहा है।

प्रमुख दर्शनीय स्थल

1. चंदेरी किला

बंदरगढ़ पहाड़ी पर स्थित यह भव्य किला 13वीं शताब्दी में बना था और चंदेरी के इतिहास की रक्षा करता प्रतीत होता है। यहां से पूरे शहर का मनोरम दृश्य देखा जा सकता है। किले में कौशक महल नामक भव्य महल भी है, जिसे मुगल सम्राट जहांगीर के समय में बनवाया गया था।

2. जौरी की मस्जिद और बड़ी मस्जिद

चंदेरी की मस्जिदें अपनी मुगलकालीन वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध हैं। इनका निर्माण 15वीं शताब्दी में किया गया था और ये आज भी अपनी भव्यता और शांति के लिए जानी जाती हैं।

3. कटी घोड़ी

यह दो स्तंभों पर खड़ी एक अनूठी संरचना है, जो देखने में एक घोड़े के कटे हिस्से जैसी प्रतीत होती है। यह चंदेरी की पहचान बन चुकी है।

4. जैन मंदिर और नालगिरी पर्वत

यहां प्राचीन जैन मंदिरों की श्रृंखला है और नालगिरी पर्वत पर स्थित विशाल जैन तीर्थ क्षेत्र एक आध्यात्मिक केंद्र है, जहां भगवान आदिनाथ की विशाल प्रतिमा स्थापित है।

चंदेरी की साड़ियाँ

चंदेरी की पहचान सबसे अधिक उसकी चंदेरी साड़ियों से है। ये साड़ियाँ अपनी हल्के वजन, चमकदार कपड़े और पारंपरिक बूटियों के लिए प्रसिद्ध हैं। रेशम और सूती धागों से बनी ये साड़ियाँ भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया भर में लोकप्रिय हैं। चंदेरी शहर के विभिन्न बुनकर मोहल्लों में आज भी पारंपरिक हथकरघा तकनीक से इन साड़ियों का निर्माण होता है।

कैसे पहुँचे?

निकटतम रेलवे स्टेशनः ललितपुर (36 किमी) और अशोकनगर (38 किमी)

निकटतम हवाई अड्डाः ग्वालियर (200 किमी) और भोपाल (215 किमी)

सड़क मार्गः चंदेरी झांसी, ललितपुर, शिवपुरी और सागर जैसे शहरों से सड़क द्वारा अच्छी तरह जुड़ा हुआ है।

गुफरान माब के व्यक्तित्व पर शैक्षणिक सत्र आयोजित,पुस्तक का हुआ विमोचन

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ में अयातुल्लाह सैय्यद दिलदार अली उर्फ गुफरान माब की याद में एक शैक्षणिक सत्र का आयोजन हुआ। यादे गुफरान माब कार्यक्रम मे शिया धर्म गुरु मौलाना कल्बे जवाद समेत बड़ी संख्या में उलमा और विद्वानों ने हिस्सा लिया। इस दौरान धर्म गुरु गुफरान माब के व्यक्तित्व और सेवाओं पर चर्चा हुई। कार्यक्रम की शुरूआत मौलवी साएम रजा ने कुरआन पढ़कर किया। इसके बाद संयोजक महुसैन तफा हुसैन नकवी असीफ जायसी ने परिचयात्मक वक्तव्य पेश किये। कार्यक्रम में अलीगढ़ से मौलाना तकी रजा, दिल्ली से मौलाना हैदर मेहंदी करीमी और लखनऊ से मौलाना मुशाहिद आलम ने शोध पत्र पढ़े। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे मौलाना जवाद ने गुफरान माब के कार्यों पर चर्चा किया। उन्होंने कहा कि गुफरान माब जैसी हस्तियां समाज के लिए मिसाल हैं। वह ऐसे महान व्यक्ति थे जिन्होंने अपने दूरदर्शी नजरिये और कामों से समाज में इंकलाब पैदा कर दिया। उनके छात्र भारत समेत विदेशों में भी सेवाएं दे रहे हैं। भारत में जितने भी शिया धार्मिक परिवार हैं, उनका धार्मिक रिश्ता गुफरान माब से जुड़ता है। मौलाना कल्बे जवाद ने कहा कि गुफरान माब ने जितना कार्य किया है

रोहित-जडेजा की विफलता बनी न्यूजीलैंड से सीरीज हार की वजह जानें 38 साल बाद क्यों और कैसे हारा भारत

नई दिल्ली। भारत की 2-1 से न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज हार ने दिखाया कि टीम में कई पुरानी खामियां अब भी मौजूद हैं, रोहित शर्मा की धीमी शुरूआत, जडेजा जैसे प्रमुख खिलाड़ियों की नाकामी, मध्यक्रम की अस्थिरता, गेंदबाजी में धार की कमी और प्लान-बी का अभाव। कोहली की शतकीय पारी जैसी सकारात्मक चीजें थीं, लेकिन एक टीम के रूप में भारत फ्लॉप रहा। आने वाले बड़े टूर्नामेंट्स को देखते हुए इन मसलों पर तुरंत सुधार जरूरी है। भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे और आखिरी वनडे में 41 रन से हार मिली। इंदौर में मिली इस हार के साथ ही टीम इंडिया ने तीन मैचों की वनडे सीरीज 2-1 से गंवा दी। पिछले तीन महीने के अंदर यह टीम इंडिया की तीन में से दूसरी वनडे सीरीज हार रही। इससे पहले अक्तूबर में भारत को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार मिली थी, लेकिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वापसी ने संकेत दिए थे कि अपने घर में हम अब भी मजबूत हैं, लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू जमीन पर 2-1 की हार ने कई सवाल खड़े कर दिए। यह सिर्फ एक सीरीज हार नहीं थी, बल्कि ऐतिहासिक भी थी, क्योंकि 1988 के बाद पहली बार न्यूजीलैंड ने भारत में कोई द्विपक्षीय वनडे सीरीज जीती। साथ ही, इंदौर में लगातार सात मैच जीतने के बाद भारत पहली बार इस मैदान पर हारा। तीन दशकों में फैले इन रिकॉर्ड्स ने इस हार को और भी गंभीर बना दिया। अब यह समझना जरूरी है कि इस हार की जड़ में कौन सी कमियां रहीं। क्या यह रोहित शर्मा की पावरप्ले में संघर्ष था? क्या रवींद्र जडेजा की ऑलराउंड भूमिका का गायब होना एक बड़ा कारण बना? या फिर मध्यक्रम का ढहना भारत के लिए निर्णायक साबित हुआ? आइए पूरी तस्वीर समझते हैं- 1. रोहित शर्माः पावरप्ले में स्ट्रगल मोड भारत का पावरप्ले लंबे समय तक रोहित शर्मा की आक्रामकता पर निर्भर रहा है, लेकिन इस सीरीज में उन्होंने न गति दी, न स्थिरता। खराब टाइमिंग, सीमित शॉट चयन और कम स्ट्राइक रेट ने भारत की शुरूआत को कमजोर किया। असिस्टेंट कोच रेयान टेन डेशकाटे के मुताबिक रोहित क्रिकेट से शॉर्ट दिख रहे थे। जब ओपनर बल्लेबाज रन नहीं बनाता, तो मध्यक्रम दबाव में आता है और यही इस सीरीज में दिखाई दिया। विराट कोहली को पावरप्ले की कमी की भरपाई करनी पड़ी, लेकिन कई बार अंत तक यह नुकसान भारी साबित हुआ। 2. रवींद्र जडेजाः बैट-एंड-बॉल रोल पूरी तरह मिसिंग रवींद्र जडेजा भारत के बैलेंस प्लेयर हैं, गेंदबाजी में नियंत्रण, बल्लेबाजी में स्थिरता और फील्डिंग में एक्स्ट्रा वैल्यू, लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ वे दो बड़े विभागों में फ्लॉप रहे। बीच के ओवरों में उनका काम रन रोकना और विकेट निकालना होता है, पर वे ग्लेन फिलिप्स और डेरिल मिचेल के सामने लगातार महंगे साबित हुए। अंतिम वनडे में छह ओवर में 41 रन देकर एक भी विकेट न मिलना इस बात का प्रमाण है। बल्ले से उनके 4, 27 और 12 जैसे स्कोर भी यह दिखाते हैं कि असल जडेजा इस सीरीज में दिखाई ही नहीं दिए। इससे कैफ का यह बयान कि अक्षर पटेल को वनडे में भी मौका देना चाहिए, सही साबित हो रहा है। 3. शुभमन गिलः कप्तानी के दबाव में बिखरे शुभमन गिल की बतौर वनडे कप्तान शुरूआत किसी बुरे सपने की तरह रही है। टीम इंडिया ने उनकी कप्तानी में दो वनडे सीरीज खेली है और दोनों गंवाई है। इससे पहले वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में कप्तान रहे थे। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वह चोटिल थे और केएल राहुल ने कप्तानी की थी। हालांकि, शुभमन का प्रदर्शन काफी अच्छा नहीं रहा है। उनकी कप्तानी भी ढीली दिखी है। कप्तानी का दबाव उनकी बल्लेबाजी पर भी असर डाल रहा है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जहां वह तीन पारियों में 43 रन बना पाए थे, वहीं न्यूजीलैंड के खिलाफ शुभमन तीन पारियों में 135 रन बना सके। उनका औसत जरूर 45 का रहा, लेकिन वह अच्छी शुरूआत लेने के बाद खराब शॉट खेलकर विकेट गंवाते रहे। गिल ने दो अर्धशतक भी लगाए, लेकिन जिस पारी की उनसे जरूरत थी, वह वैसा नहीं कर सके। तीसरे वनडे में वह सिर्फ 23 रन बना सके। 1-0 की सीरीज में बढ़त बनाने के बाद कप्तानी और रणनीति में कहां चूक हुई, यह तो गिल और कोच गंभीर ही जानते होंगे। 4. मध्यक्रम पूरी तरह रहा विफल अगर किसी विभाग ने सबसे ज्यादा निराश किया, तो वह था मध्यक्रम। तीसरे वनडे में भारत का स्कोर 28/0 से 71/4 हो गया, वो भी सिर्फ नौ ओवर में। काइल जेमीसन और जैक फोक्स ने केएल राहुल और श्रेयस अय्यर को दबाव में फंसाया, दोनों न स्ट्राइक रोटेट कर पाए और न पार्टनरशिप बना पाए। इन परिस्थितियों में विराट कोहली का 124 रन का शतक सोलो फाइट बनकर रह गया। नीतीश रेड्डी (52) ने कोशिश की, पर टीम को तीसरे हिस्से में सहयोग नहीं मिला। भारत को पुछल्ले बल्लेबाजों का साथ मिला, नहीं तो हार और भी बड़े अंतर से होती। 5. गेंदबाजी में धार की कमी और प्लान-बी का अभाव भारत की गेंदबाजी भी तीखी नहीं दिखी। न्यूजीलैंड लगभग तीनों मैचों में आसानी से 300 के स्कोर तक पहुंचता दिखा। पहले वनडे में कीवियों ने 50 ओवर में आठ विकेट पर 300 का स्कोर बनाया, फिर दूसरे वनडे में 47.3 ओवर में तीन विकेट पर 286 रन बनाकर मैच जीत लिया और तीसरे में तो कीवियों ने आठ विकेट पर 337 का स्कोर बनाया। 338 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम 46 ओवर में 296 रन पर सिमट गई। विदेशी टीम भारत आकर भारतीय टीम से अच्छी बल्लेबाजी करती दिखी। यह पूरी तरह भारतीय गेंदबाजों और स्पिनरों की विफलता रही। सिराज और कुलदीप ने विकेट तो लिए, पर दबाव नहीं बनाया। हर्षित ने भी विकेट लिए, लेकिन खूब रन लुटाए, जबकि प्रसिद्ध ने काफी निराश किया। वह बेअसर दिखे। नीतीश रेड्डी बतौर गेंदबाज कुछ कमाल नहीं दिखा पाए। वहीं न्यूजीलैंड के बल्लेबाज, खासकर मिचेल और फिलिप्स, भारतीय गेंदबाजों के खिलाफ सहज दिखे। मिचेल के दो शतक इस बात का प्रमाण है। जडेजा की विफलता ने कुलदीप पर अधिक भार डाला, प्लान-बी की कमी दिखी और डैथ ओवर्स में रन लीक होना तय हो गया। भारत को डेथ ओवर्स में जसप्रीत बुमराह की कमी खली। 6. नीतीश का प्रयोग अब भी विफल, हार्दिक की खल रही कमी नीतीश रेड्डी का प्रयोग फिर से विफल रहा। पहले वनडे में वॉशिंगटन सुंदर के खेलने के बाद दूसरे वनडे में उनके चोटिल होने पर नीतीश को मौका दिया गया, लेकिन वह दूसरे वनडे में न तो गेंद से और न ही बल्ले से प्रभाव छोड़ पाए थे। तीसरे में बल्ला तो चला, लेकिन गेंदबाजी फ्लॉप रही। भारत को अहम सीरीज में हार्दिक पांड्या की कमी खलती है। हार्दिक टीम को बैलेंस देते हैं। गेंदबाजी में उनके पास गति और स्विंग है, जो कि नीतीश के पास नहीं है। उनकी मध्यम तेज गति की गेंदों को बल्लेबाज आसानी से खेल जाते हैं। 7. रणनीति में भी रहे विफल, जबरदस्ती खिलाया इन खिलाड़ियों को टीम इंडिया की रणनीति भी कमजोर दिखी। मिचेल स्पिनर्स को अच्छा खेलते हैं और यह देखते हुए उनके सामने स्पिनर्स लगाए गए। वहीं, प्रसिद्ध कृष्णा को भारतीय पिचों पर वह बाउंस नहीं मिलती, जिसकी उम्मीद की जाती है। इसके बावजूद दो वनडे में उन्हें मौका मिला। हर्षित राणा का इकोनॉमी रेट हर मैच में 5.50 से ऊपर रहा। हालांकि, उन्होंने बल्ले से इसकी भरपाई की। 8. श्रेयस अय्यरः वापसी के बाद बिल्कुल ही फुस्स साबित हुए भारतीय वनडे टीम के उपकप्तान श्रेयस अय्यर पर बहुत दारोमदार था, लेकिन वह फेल हुए। तीन मैचों में उन्होंने 20 की औसत से 60 रन बनाए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 81 का रहा। उनके बल्ले से मानो रन निकल ही नहीं रहे थे। इसके बावजूद वह टी20 सीरीज में रिप्लेसमेंट बने हैं। श्रेयस का विफल होना भारतीय टीम की हार की मुख्य वजह रही। बड़े चेज या बड़े स्कोर के लिए नंबर चार का चलना जरूरी होता है, लेकिन श्रेयस ऐसा करने में विफल रहे। ऐतिहासिक डेटा भी बताता है कि यह हार सामान्य नहीं थी सीरीज ने कई ऐतिहासिक आंकड़े बदले, जैसे- 1988 के बाद पहली बार न्यूजीलैंड ने भारत में कोई द्विपक्षीय वनडे सीरीज जीती (8 प्रयासों में पहली सफलता)। इंदौर में भारत की पहली वनडे हार, सात मैचों की जीत के बाद। इंदौर में खेले गए आठ वनडे में से छह में पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ने जीत दर्ज की। अक्तूबर 2022 के बाद पहली बार भारत ने घरेलू वनडे में टॉस जीतकर मैच गंवाया (13 जीत के बाद)। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि यह हार सामान्य प्रोसेस का हिस्सा नहीं थी, बल्कि कई कमजोरियों का सम्मिलित परिणाम थी।

क्या मुश्किल में है जडेजा का वनडे करियर निशाने पर रवींद्र अश्विन ने बताई गिल की तकनीकी खामी

नई दिल्ली। अगले साल वनडे विश्व कप होना है और उससे पहले भारत का घर में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज हारना काफी चिंताजनक है। इस सीरीज में रवींद्र जडेजा का प्रदर्शन काफी खराब रहा जिस कारण उनकी आलोचना की जा रही है। भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। पिछले 38 वर्षों में कीवी टीम की भारतीय धरती पर वनडे में यह पहली सीरीज जीत है। इस सीरीज में अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा जिस कारण उन्हें निशाने पर लिया जा रहा है। पूर्व भारतीय खिलाड़ी आकाश चोपड़ा ने भी हार को चुभने वाला बताया। भारत का

निराशाजनक प्रदर्शन इंदौर के होल्कर स्टेडियम में खेले गए तीसरे और निर्णायक वनडे मुकाबले में कीवियों ने भारत को 41 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। अक्तूबर 2022 के बाद पहली बार ऐसा हुआ जब टॉस जीतने के बावजूद भारत को घरेलू वनडे में हार का सामना करना पड़ा। लगातार 13 जीत के बाद यह सिलसिला भी टूट गया। भारत के लिए यह हार इसलिए भी निराशाजनक है क्योंकि न्यूजीलैंड टीम में ज्यादातर नए खिलाड़ी थे। इस हार के बाद एक बार फिर टीम प्रबंधन की आलोचना हो रही है क्योंकि टीम बदलाव के दौर से गुजर रही है और भारतीय वनडे टीम में तीन खिलाड़ी ऐसे हैं जिनकी उम्र 36 साल या इससे अधिक है। क्यों निशाने पर आ रहे जडेजा रोहित शर्मा, विराट कोहली और रवींद्र जडेजा अपने करियर के आखिरी दौर में है। अगले साल वनडे विश्व कप होना है और भारत को अब इस साल लंबे समय तक वनडे नहीं खेलना है। कोहली इस वक्त दमदार फॉर्म में चल रहे हैं, जबकि रोहित ने भी कुछ मैचों में अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया है। लेकिन जडेजा का प्रदर्शन चिंताजनक है। सबसे ज्यादा आश्चर्य की बात यह है कि जडेजा न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज में एक भी विकेट नहीं ले सके और ना ही उनके बल्ले से बड़ी पारी निकली। जडेजा के आंकड़े भी उनके लिए मुश्किलें पैदा कर रहे हैं। 2017 के बाद पहली बार हुआ जब वह तीन मैचों की वनडे सीरीज में एक भी विकेट नहीं ले सके। यहां तक कि फील्डिंग में भी अब वह पहले जैसे नजर नहीं आते और कई मौकों पर उनसे कैच भी छूट जाती है। इंदौर वनडे में भी ऐसा देखने मिला। आकाश चोपड़ा ने जडेजा के प्रदर्शन पर चिंता जताई। उन्होंने अपने यू-ट्यूब चैनल पर कहा, 'रवींद्र जडेजा का प्रदर्शन चिंता का विषय है। उनके लिए हालात बिल्कुल भी अनुकूल नहीं हैं। यह हार उन्हें बेहद चुभेगी।' अश्विन ने गिल के प्रदर्शन का किया विश्लेषण भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कप्तान शुभमन गिल की बल्लेबाजी का विश्लेषण किया है। गिल तीसरे वनडे में काइल जैमिसन की गेंद पर बोल्ड हो गए थे।

अनुष्का को भाभी बोल हर्षित राणा ने विराट कोहली के साथ मजेदार वाकये का खुलासा किया

नई दिल्ली। हर्षित राणा ने एक इंटरव्यू में बताया कि कैसे पहली बार अनुष्का शर्मा को 'मैम' कहने पर विराट कोहली ने उन्हें मजाकिया अंदाज में 'भाभी' कहने को कहा। राणा ने कोहली और हार्दिक पांड्या को टीवी पर देखकर एग्रेसिव समझा था, लेकिन असल जिंदगी में उन्हें बेहद मजाकिया पाया। राणा ने कोहली के अंतिम टेस्ट टूर में डेब्यू को जीवन का यादगार पल बताया। भारत के युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा ने हाल ही में एक मजेदार घटना का खुलासा किया, जो उनके और पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली के बीच हुई थी। राणा, जिन्होंने आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए प्रभावशाली प्रदर्शन किया और उसके बाद भारत के लिए टेस्ट डेब्यू किया, अब तीनों फॉर्मेट में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। 2024 के पर्थ टेस्ट में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डेब्यू किया था, जो संयोग से विराट कोहली का आखिरी टेस्ट टूर भी था। राणा ने मेन्स एक्सपी से बातचीत में बताया कि किस तरह पहली बार अनुष्का शर्मा से मिलने पर उन्हें असहज और मजेदार स्थिति का सामना करना पड़ा। अनुष्का को मैम कहा तो कोहली ने किया सुधार हर्षित राणा ने बताया कि वह पहली बार अनुष्का शर्मा से मिले तो उन्होंने आदर स्वरूप उन्हें 'मैम' कहकर संबोधित किया, लेकिन विराट कोहली को यह मजाकिया लगा और उन्होंने तुरंत टोक दिया। राणा ने बताया, 'मैं पहली बार अनुष्का को मिल रहा था। मैंने उन्हें 'मैम' कहा। विराट ने मुझसे कहा कि उन्हें मैम मत बोल, 'भाभी' बोल। मैंने कहा कि पहली बार मिल रहा हूं इसलिए 'मैम' बोला। तो विराट ने अनुष्का से मजाक में कहा कि बाहर शैम्पेन मेरे ऊपर फेंक रहा था और अब अंदर आकर 'मैम' बोल रहा है। वह बहुत मजाकिया हैं।' यह किस्सा सुनाकर राणा खुद भी हंस पड़े और बताया कि उनके लिए यह अनुभव बहुत खास था। कोहली-हार्दिक को टीवी पर देखकर किया गलत अनुमान हर्षित राणा ने आगे यह भी स्वीकार किया कि भारतीय टीम में आने से पहले उनके मन में कोहली और हार्दिक पांड्या को लेकर अलग धारणा थी। उन्होंने कहा, 'मेरे मन में विराट और हार्दिक के लिए यह इमेज थी कि वह बहुत एग्रेसिव होंगे क्योंकि मैंने उन्हें टीवी पर देखा था। मुझे लगा कि वह सबको डरा देंगे, लेकिन जब असल में मिला तो वह बहुत मजाकिया और बिल्कुल अलग निकले।' युवा खिलाड़ियों के लिए यह बड़ी बात है कि टीम के सीनियर्स उन्हें सहज महसूस कराते हैं और राणा का अनुभव इसका उदाहरण है। डेब्यू मैच और कोहली की विदाई टूर की यादें हर्षित राणा ने अपने टेस्ट डेब्यू को जीवन की बड़ी उपलब्धि बताया और कहा कि कोहली की आखिरी टेस्ट सीरीज का हिस्सा बनना बेहद खास था। उन्होंने कहा, 'मैं इसे किस्मत नहीं कहूंगा, लेकिन यह बहुत बड़ा मौका था कि मैं उनके आखिरी टेस्ट टूर का हिस्सा बना। मैंने उनके साथ डेब्यू किया, मैच के बाद उनके साथ फोटो भी ली। यह पल मैं कभी नहीं भूलूंगा।' हर्षित फिलहाल उस भारतीय टीम का हिस्सा थे, जो न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज 1-2 से हार चुकी है। इंदौर में खेले गए निर्णायक मुकाबले में विराट कोहली की शतक भी टीम को जीत नहीं दिला सकी।

रोहित शानदार फॉर्म में हैं हिटमैन के बारे में पूछे जाने पर शुभमन गिल ने क्यों कहा ऐसा

इंदौर। न्यूजीलैंड ने भारत को इंदौर में 41 रन से हराकर पहली बार भारत में वनडे सीरीज जीती। रोहित शर्मा का प्रदर्शन फीका रहा, लेकिन कप्तान शुभमन गिल ने उनका बचाव करते हुए कहा- रोहित शानदार फॉर्म में हैं, लेकिन हर शुरूआत को शतक में बदलना संभव नहीं होता। भारत के कप्तान शुभमन गिल ने पोस्ट-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में रोहित शर्मा का खुलकर समर्थन किया। तीन मैचों की ओडीआई सीरीज में भारत 1-2 से हार गया और मेन इन ब्लू को होलकर स्टेडियम, इंदौर में निर्णायक मुकाबले में 41 रन से हार झेलनी पड़ी। इस मैच में रोहित शर्मा केवल 11 रन बनाकर आउट हुए और पूरी सीरीज में सिर्फ 61 रन ही बना सके। गिल ने कहा- रोहित शानदार फॉर्म में हैं प्रेस कॉन्फ्रेंस में जब रोहित की फॉर्म पर सवाल पूछा गया तो शुभमन गिल ने बेहद सीधा जवाब दिया। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि रोहित शर्मा शानदार फॉर्म में हैं, ऑस्ट्रेलिया सीरीज से लेकर दक्षिण अफ्रीका सीरीज तक उन्होंने अच्छी बल्लेबाजी की। जैसा कि मैंने कहा, आप हर बार शुरूआत को कन्वर्ट नहीं कर सकते। रोहित ने इस न्यूजीलैंड सीरीज में भी शुरूआत की, लेकिन हर बार उन्हें बड़े स्कोर में बदलना संभव नहीं था।' गिल ने आगे कहा, 'एक बल्लेबाज के लिए अपनी शुरूआत को शतक में बदलना हमेशा लक्ष्य होता है, लेकिन यह हर मैच में नहीं हो सकता। फिर भी यही वो चीज है जिसे हम हमेशा हासिल करने की कोशिश करते हैं।' मिडिल ऑर्डर ने किया कमाल, लेकिन भारत चूका न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 337/8 रन बनाए। डेरिल मिचेल ने लगातार दूसरी सेंचुरी ठोकते हुए 137 रन (131 गेंद) बनाए, जबकि ग्लेन फिलिप्स ने 106 (88 गेंद) की तेज पारी खेली। कप्तान माइकल ब्रेसवेल ने अंत में 28* रन जोड़कर स्कोर को प्रतिस्पर्धी बनाया। भारत की ओर से अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा ने तीन-तीन विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की शुरूआत खराब रही, लेकिन विराट कोहली ने जुझारू शतकीय (124 रन, 108 गेंद) पारी खेली। हर्षित राणा (52) और नीतीश कुमार रेड्डी (53) ने भी संघर्ष किया, लेकिन पूरी टीम 46 ओवर में 296 पर सिमट गई और मैच और सीरीज दोनों गंवा बैठी। न्यूजीलैंड की ओर से क्लार्क (3/54) और फॉल्क्स (3/77) सबसे सफल गेंदबाज रहे।

गावस्कर ने कोहली का उदाहरण देकर युवा खिलाड़ियों को क्या दी सलाह विराट की मानसिकता को जमकर सराहा

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर विराट कोहली के प्रदर्शन से काफी प्रभावित हैं। गावस्कर ने युवा खिलाड़ियों को कोहली की मानसिकता से सीखने की सलाह

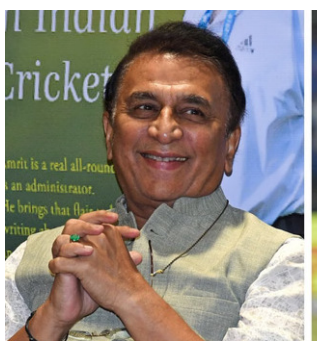

दी है। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली इस समय शानदार फॉर्म में चल रहे हैं और उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे वनडे में शतक लगातार इसका सबूत भी दिया है। कोहली की इस पारी को देखकर दिग्गज भारतीय बल्लेबाज सुनील गावस्कर भी काफी प्रभावित हुए और उन्होंने युवा खिलाड़ियों को कोहली से सीखने की सलाह दे डाली। कोहली की शतकीय पारी भी हालांकि, भारत को सीरीज बचाने में सफल नहीं रही और टीम ने 1-2 के अंतर से सीरीज गंवाई। कोहली ने खेली शतकीय पारी गावस्कर ने कहा कि कोहली की तकनीक के बजाय उनकी मानसिकता ही उन्हें इस प्रारूप के सबसे सुसंगत बल्लेबाजों में से एक बनाती है। कोहली ने इंदौर में 108 गेंदों पर 124 रन बनाए, लेकिन भारतीय टीम 338 रनों के लक्ष्य का पीछा नहीं कर सकी और उसे 41 रन से हार का सामना करना पड़ा। कोहली के खेलने के तरीके का विश्लेषण करते हुए गावस्कर ने बताया कि यह स्टार बल्लेबाज इस बात से प्रभावित नहीं होता कि लोग उससे किस तरह खेलने की उम्मीद करते हैं। गावस्कर ने बताया क्यों भारत लक्ष्य का पीछे करने में असफल रहा गावस्कर ने कहा, विराट कोहली को पूरा सहयोग नहीं मिलने के कारण भारत के लिए चीजें मुश्किल हो गई। कोहली को बहुत कम सहयोग मिला। इस सीरीज में भारत के लिए असली समस्या अच्छी शुरूआत न कर पाना रही है। कहा भी जाता है कि अच्छी शुरूआत का मतलब आधा काम हो गया। भारत की शुरूआत कभी अच्छी नहीं रही और यही उसकी हार के मुख्य कारणों में से एक है कि वह बड़े स्कोर का पीछा करने में सक्षम नहीं था। गावस्कर ने कहा, जब आप केएल राहुल जैसे शानदार फॉर्म में चल रहे खिलाड़ी को खो देते हैं और आपके पास नीतीश कुमार रेड्डी हैं, जिन्होंने 53 रन की इस पारी से पहले अपनी क्षमता का सही प्रदर्शन नहीं किया था और फिर हर्षित राणा हैं, जिनसे आप कभी भी पूरी तरह से आश्वस्त नहीं हो सकते कि वह कैसा प्रदर्शन करेंगे तो लक्ष्य तक पहुंचना बड़ी चुनौती बन जाती है। भारत को ठीक इसी स्थिति का सामना करना पड़ा। आखिरी तक प्रयास के लिए कोहली को सराहा गावस्कर ने आखिर तक प्रयास करने के लिए कोहली की प्रशंसा की और दूसरों से उनकी मानसिकता और निरंतरता का अनुकरण करने को कहा। उन्होंने कहा, उनकी विशेषता यह है कि वे किसी छवि से बंधे नहीं हैं। कई बल्लेबाज और गेंदबाज यह सोचते हैं कि लोग उनके बारे में कैसा सोचते हैं और उन्हें लगता है कि उन्हें अपनी क्षमता पर खरा उतरना होगा। विराट ऐसे नहीं हैं। कोहली अपने काम के प्रति पूरी तरह समर्पित हैं और वह काम है रन बनाना। कभी-कभी इसका मतलब होता है संभलकर खेलना और फिर खुलकर खेलना। कभी-कभी इसका मतलब जल्दी आक्रामक अंदाज अपनाना या फिर परिस्थितियों के अनुसार स्ट्राइक रोटेट करना होता है। कोहली इस बारे में नहीं सोचते कि उनसे किस तरह से खेलने की उम्मीद की जाती है। उन्होंने कहा, उनका स्वभाव ही सबसे अहम है। वह यह नहीं सोचते कि मुझसे छक्का मारने की उम्मीद की जाती है। वह परिस्थिति के अनुसार खेलते हैं। वह कभी हार नहीं मानते। उन्होंने आखिर तक प्रयास किया। युवाओं को उनसे यही सबक लेना चाहिए कि वे किसी तरह की छवि में बंधकर नहीं रहें और परिस्थिति के अनुसार खेलें। ऐसा करने पर आप अधिक सफल और निरंतर अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी बन जाओगे।

इस भारतीय गेंदबाज पर शुरू से आक्रमण करने की न्यूजीलैंड ने बनाई थी रणनीति

इंदौर। न्यूजीलैंड ने तीन मैचों की वनडे सीरीज में भारत के सामने कड़ी चुनौती पेश की। इस सीरीज में डेरिल मिचेल ने शानदार बल्लेबाजी की। उन्होंने बताया कि कीवी टीम ने किस गेंदबाज के खिलाफ आक्रामक प्रदर्शन करने की रणनीति बनाई थी। भारत के खिलाफ वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन करने वाले न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेरिल मिचेल ने खुलासा करते हुए बताया है कि न्यूजीलैंड ने रणनीति बनाई थी कि वे कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव को शुरूआत से ही आक्रामक रहेंगे। मिचेल का कहना है कि कुलदीप अपनी गेंदबाजी से कीवी बल्लेबाजों को परेशान कर सकते थे, इसलिए टीम ने उनके खिलाफ पहली ही गेंद से आक्रामक रवैया अपनाने का प्लान बनाया। तीसरे वनडे में महंगे रहे कुलदीप मिचेल इस सीरीज में शानदार फॉर्म में रहे और टीम को सीरीज दिलाने में अहम भूमिका निभाई। मिचेल ने कुलदीप यादव के खिलाफ रन बटोरने की कोशिश की और इस गेंदबाज का मनोबल कम किया। तीसरे वनडे मैच

में 41वें ओवर में मिचेल और ग्लेन फिलिप्स ने फिर कुलदीप को निशाने पर लिया। इंदौर की पिच पर कुलदीप संघर्ष करते नजर आए और उन्होंने छह ओवर में 48 रन देकर एक विकेट लिया। मिचेल ने कुलदीप को बताया विश्व स्तरीय गेंदबाज आक्रामक रवैया अपनाने के बावजूद मिचेल ने कुलदीप की सराहना की। उन्होंने कहा, कुलदीप विश्व स्तरीय गेंदबाज हैं। हम उन पर दबाव बनाने की कोशिश करते हैं, इसका एक कारण है। जब वह अच्छी गेंदबाजी करते हैं, तो उनकी पूरी गेंदबाजी आक्रमण की नींव पड़ जाती है। वह गेंद को दोनों तरफ स्पिन करा सकते हैं और मुझे अब भी लगता है कि भविष्य में भारत के लिए उनकी बहुत बड़ी भूमिका होगी। मिचेल ने इसके साथ ही कहा कि सीरीज में मिली यह जीत उनके लिए काफी मायने रखती है। उन्होंने कहा, न्यूजीलैंड की कई टीमें अतीत में भारत का दौरा कर चुकी हैं और हर बार जब आप यहां आते हैं तो कुछ न कुछ सीखते और आगे बढ़ते हैं। लेकिन इस टीम के साथ हमने यहां जो हासिल किया है, उस पर टीम के सभी सदस्यों को बहुत गर्व है। स्वदेश लौटते समय सबके चेहरों पर बड़ी मुस्कान होगी। भारत में सीरीज जीतने से गदगद मिचेल मिचेल से जब वनडे सीरीज की जीत को न्यूजीलैंड की भारत में टेस्ट सीरीज में जीत से तुलना करने के लिए कहा गया, तो उन्होंने कहा कि दोनों जीत से पता चलता है की टीम सही दिशा में आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा, भारत को उसकी धरती पर किसी भी प्रारूप में हराना कभी आसान नहीं होता। इस टीम के साथ ऐसा करना न्यूजीलैंड क्रिकेट के लिए बहुत खास है।

आईपीएल की राह पर पीएसएल पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने लीग में संरचनात्मक सुधारों की घोषणा की

लाहौर। खिलाड़ियों की नीलामी के लिए फ्रेंचाइजी का कुल बजट भी 13 लाख अमेरिकी डॉलर से बढ़ाकर 16 लाख अमेरिकी डॉलर कर दिया गया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में बड़े संरचनात्मक सुधारों की घोषणा की है, जिसमें 2016 में इस प्रतियोगिता की शुरूआत से प्रचलित ड्राफ्ट प्रणाली के स्थान पर खिलाड़ी नीलामी प्रणाली लागू करना भी शामिल है। खिलाड़ियों की नीलामी के लिए

फ्रेंचाइजी का कुल बजट भी 13 लाख अमेरिकी डॉलर से बढ़ाकर 16 लाख अमेरिकी डॉलर कर दिया गया है। पीएसएल के सीईओ सलमान नसीर ने कहा, 'पीएसएल में अब ड्राफ्ट प्रणाली की जगह खिलाड़ियों की नीलामी प्रणाली लागू होगी जिससे पारदर्शिता बढ़ेगी और टीमों के बीच संतुलन भी पैदा होगा।' उन्होंने कहा कि इससे खिलाड़ियों को कमाई के अधिक अवसर भी मिलेंगे। नए सुधारों के तहत प्रत्येक फ्रेंचाइजी अधिकतम चार खिलाड़ियों को अपने पास रख सकेगी, जिसमें प्रत्येक श्रेणी में एक ही खिलाड़ी शामिल होगा। पहले प्रत्येक फ्रेंचाइजी को अपनी टीम में आठ खिलाड़ियों को रिटेन करने की अनुमति थी। नसीर ने कहा कि खिलाड़ियों की नीलामी से पहले दोनों नई टीम हैदराबाद और सियालकोट को उपलब्ध खिलाड़ियों के पूल से चार खिलाड़ियों का चयन करने की अनुमति दी जाएगी। पीएसएल 26 मार्च से शुरू होगा और इस बार इसके मैच फैसलाबाद में भी खेले जाएंगे।

मौसम खराब होने से लखनऊ एयरपोर्ट पर कई उड़ानें लेट

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ में मौसम की खराबी और कोहरे की वजह से एक बार फिर हवाई यातायात प्रभावित हुआ। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर सोमवार को आने और जाने वाली कई घरेलू व अंतरराष्ट्रीय उड़ानें अपने तय समय से देरी से संचालित हुईं। इससे यात्रियों को एयरपोर्ट पर लंबा इंतजार करना पड़ा। सुबह से ही उड़ानों के शेड्यूल में बदलाव देखने को मिला। एयरपोर्ट प्रशासन ने कहा कि, कम दृश्यता के कारण सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विमानों की लैंडिंग और टेकऑफ में देरी करनी पड़ी। मुंबई से लखनऊ आने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान एक्सआई-1026 सुबह 8.35 बजे पहुंचनी थी, लेकिन यह 10.05 बजे लखनऊ पहुंचेगी। रियाद से आने वाली फ्लाइट एक्सवाई-333 निर्धारित समय 9.00 बजे के बजाय 11.43 बजे पहुंचेगी। इसी तरह जेद्दा से आने वाली सऊदिया एयरलाइंस की उड़ान एसवी-890 भी देरी का शिकार रही और 10.30 बजे की जगह 11.15 बजे लैंड होगी। दुबई से आने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान आईएक्स-194 भी तय समय से करीब 50 मिनट देरी से 12.21 बजे लखनऊ पहुंचेगी। प्रस्थान करने वाली उड़ानों पर भी कोहरे का असर साफ दिखा।

नेहा कक्कड़ ने किया ब्रेक का एलान सोशल मीडिया पर शेयर किया पोस्ट और फिर कर दिया डिलीट

मशहूर सिंगर नेहा कक्कड़ ने काम और जिम्मेदारियों से ब्रेक का एलान किया है। उन्होंने कथित तौर पर सोशल मीडिया पर यह बात शेयर की, मगर कुछ ही देर में पोस्ट डिलीट भी कर दिया।

सिंगर नेहा कक्कड़ ने काम से ब्रेक लिया है। आज सोमवार को उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर यह एलान किया। उन्होंने कुछ वक्त के लिए काम और जिम्मेदारियों से ब्रेक की बात कही। कुछ ही देर बाद पोस्ट डिलीट भी कर दिया। मगर, उनके पोस्ट के स्क्रीनशॉट वायरल हो रहे हैं।

क्यों लिया नेहा कक्कड़ ने ब्रेक?

नेहा कक्कड़ ने आज कथित तौर पर अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट शेयर कर काम से ब्रेक का एलान किया। हालांकि, फिलहाल उनके इंस्टाग्राम अकाउंट के पोस्ट या स्टोरी पर ऐसा कोई अपडेट नहीं है। कहा जा रहा है कि सिंगर ने पोस्ट शेयर करने के चंद मिनट बाद ही डिलीट भी कर दिया, मगर इसके स्क्रीनशॉट वायरल हो रहे हैं। उन्होंने ब्रेक लेने की वजह इमोशनल डिस्ट्रेस, नेगेटिविटी व इंडस्ट्री का दबाव बताया है'।

पहले भी लिया था ब्रेक

बता दें कि यह पहली बार नहीं है, जब नेहा कक्कड़ ने ब्रेक लिया है। साल 2020 में नेपोटिज्म की बहस के बीच भी उन्होंने ब्रेक का एलान किया था। आज सोमवार को फिर उन्होंने ब्रेक की बात कहकर फैंस को चौंका दिया है। उन्होंने लिखा, 'अब जिम्मेदारियों, रिश्तों, काम और हर उस चीज से ब्रेक लेने का समय है, जिसके बारे में अभी मैं सोच सकती हूं। पक्का नहीं पता कि मैं वापस आऊंगी या नहीं। शुक्रिया'।

पैपराजी से की यह गुजारिश

नेहा कक्कड़ ने पैपराजी और फैंस से भी गुजारिश की है कि वे उनकी निजता का ख्याल रखें। सिंगर ने लिखा, ' मैं पैपराजी और फैंस से रिक्वेस्ट करती हूं कि वे कहीं भी मेरी फोटोज और तस्वीरें कैप्चर न करें। मुझे उम्मीद है कि आप मेरी प्राइवेसी का सम्मान करेंगे और मुझे इस दुनिया में आजादी से जीने देंगे। कोई कैमरा नहीं प्लीज। मैं रिक्वेस्ट करती हूं'। नेहा कक्कड़ के ब्रेक के एलान पर नेटिजन्स के रिएक्शन आ रहे हैं। कुछ यूजर्स इसे पीआर स्टंट बता रहे हैं तो कुछ उन्हें सपोर्ट कर रहे हैं। फैंस लिख रहे हैं, 'ब्रेक लेकर कुछ बेहतर और क्रिएटिव करिए'।

मैं खुद को सुपरस्टार बनाने में नहीं लगा, इमरान खान ने बताया कैसे हुई हैप्पी पटेल में एंट्री

हैप्पी पटेल से 10 साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी करने वाले इमरान खान ने बताया कि वो क्यों करते हैं फिल्में? साथ ही उन्होंने साझा किया कि हैप्पी पटेल में कैसे मिली एंट्री?

अभिनेता इमरान खान हाल ही में हैप्पी पटेल में नजर आए हैं। हैप्पी पटेल के जरिए इमरान ने लगभग 10 साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी की है। हालांकि, फिल्म में उनका कैमियो ही है। अब इमरान ने बताया कि आखिर क्यों उन्होंने फिल्मों में वापसी की और इसके पीछे क्या प्रमुख वजह रही।

दो साल में कई स्क्रिप्ट पढ़ीं, लेकिन पसंद नहीं आई

हाल ही में पीटीआई के साथ बातचीत में इमरान ने बताया कि पिछेल दो साल में मैंने कई स्क्रिप्ट पढ़ीं, लेकिन कोई भी ऐसी स्क्रिप्ट नहीं मिली जो पसंद आई हो। 2023 के अंत में जब मैंने अपने लंबे ब्रेक के बाद दुनिया से दोबारा जुड़ना शुरू किया, तो लोगों ने कहा, 'अरे ये आदमी जिंदा है' और मुझसे संपर्क करने लगे। लेकिन इस समय मेरा नजरिया पहले से बहुत अलग है। हर किसी की अपने करियर से एक जैसी चाहत नहीं होती। हर किसी का अपना अलग रास्ता होता है। मैं खुद को बहुत बड़ा स्टार बनाने, सबसे बड़ा स्टार बनने या टॉप तीन में आने की कोशिश नहीं कर रहा हूं। जब तक मुझे फिल्म पसंद नहीं आती और मैं उसे सच में बनाना नहीं चाहता, मैं नहीं बनाऊंगा। मैं तभी फिल्म बनाऊंगा जब मुझे कुछ छूट जाने का डर महसूस होगा।

इमरान ने बताया कैसे मिली हैप्पी पटेल

एक्टर ने कहा कि मैंने फिल्में इसलिए बनाईं ताकि मैं अपने दोस्तों के साथ मस्ती कर सकूं। हम कुछ दोस्ताना लोगों को इकट्ठा करते हैं, मेकअप करते हैं, वेशभूषा पहनते हैं और किरदार निभाते हैं। फिल्म निर्माण को मैं इसी तरह देखता हूं। आर्ट वहीं से बनती है जहां प्यार और मजा होता है। हैप्पी पटेल को लेकर इमरान ने बताया कि मैंने सुना कि वीर और उनकी दोस्त मिथिला मिलकर एक मजेदार कॉमेडी स्पाई फिल्म बना रहे हैं।तो उन्होंने मेरे लिए एक रोल लिखा, जो पहले स्क्रिप्ट में नहीं था और कहा, चलो कुछ मजा करते हैं।

आखिरी बार 2015 में कट्टी बट्टी में नजर आए थे इमरान

इमरान खान आखिरी बार साल 2015 में फिल्म कट्टी बट्टी में नजर आए थे। इसके दस साल बाद अब वो हैप्पी पटेल में कैमियो कर रहे हैं। इमरान ने अपने करियर में जाने तूञ्चया जाने ना, आई हेट लव स्टोरीज और ब्रेक के बाद जैसी फिल्में की हैं।

अंकिता लोखंडे ने तस्वीरों के जरिए दिखाई अपनी जिंदगी की झलक सबसे मुश्किल दौर को किया याद लिखा- मैं टूट

अंकिता लोखंडे भी 2016 ट्रेंड में शामिल हो चुकी हैं। उन्होंने इस ट्रेंड में शामिल होकर अपने जीवन के सबसे मुश्किल समय के बारे में बताया।

अंकिता लोखंडे भी बाकी सेलेब्स की तरह 2016 ट्रेंड लिस्ट में शामिल हो चुकी हैं। अंकिता ने 2016 से लेकर अब तक के कई शानदार पलों को तस्वीरों के जरिए सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर किया। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने एक खास नोट भी लिखा है।

अंकिता का पोस्ट

अंकिता लोखंडे ने इंस्टाग्राम पर 2016 से लेकर 2026 तक की कई तस्वीरों को शेयर किया और कैप्शन में लिखा, '2016 की यादें mere जीवन का सबसे कठिन दौर एक ऐसा साल जिसने मुझे चुपचाप तोड़ दिया और हमेशा के लिए बदल दिया। आज मैं सिर्फ आभारी और गर्व महसूस करती हूं कि मैं वहां से इतनी दूर आ गई हूं।'

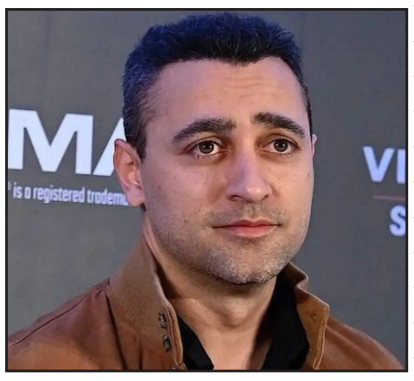

अंकिता ने अपने स्कॉच को किया याद

अंकिता ने ये भी बताया कि वो हमेशा से एक पारिवारिक लड़की रही हैं। उन्होंने अपनी पहली इंस्टाग्राम पोस्ट के साथ ही अपने प्यारे कुत्ते स्कॉच को बहुत याद किया। स्कॉच को वो अपना सबसे बड़ा सहारा बताती हैं, जो हर मुश्किल वक्त में उनके साथ रहा।

सुशांत को किया याद?

2016 में अंकिता और दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत का ब्रेकअप हुआ था। दोनों की मुलाकात टीवी सीरियल 'पवित्र रिश्ता' शो के सेट पर हुई थी, जहां वो लंबे समय तक साथ रहे। बाद में 14 जून 2020 को सुशांत सिंह राजपूत की मुंबई में मौत हो गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी थी। अंकिता ने 2016 को याद करके बताया कि वो साल कितना दर्द भरा था, लेकिन आज वो उस मुश्किल से निकलकर मजबूत हो गई हैं।

मंडे को संडे मनाती दिखीं श्रद्धा कपूर बोलीं क्या कर लोगे नेटिजन बोले हम स्त्री जी का क्या बिगाड़ेंगे

अभिनेत्री श्रद्धा कपूर ने आज सोमवार को सोशल मीडिया पर अपनी कुछ फोटोज शेयर की हैं। पोस्ट शेयर कर उन्होंने मजेदार कैप्शन लिखा है, जिस पर नेटिजन्स के रिएक्शन आ रहे हैं।

श्रद्धा कपूर अपने सोशल मीडिया पोस्ट के साथ फनी कैप्शन लिखने के लिए जानी जाती हैं। आज सोमवार को एक बार फिर कुछ ऐसा ही हुआ। उन्होंने अपनी कुछ फोटोज शेयर की हैं। इसके साथ ऐसी बात लिखी है कि उनके फैंस और नेटिजन्स हंसी नहीं रोक पा रहे। दरअसल, श्रद्धा कपूर आज सोमवार को रविवार का लुत्फ उठा रही हैं।

बोलीं- 'मेरा संडे आज है, क्या कर लोगे'?

कल रविवार मनाने की जगह श्रद्धा आज सोमवार को रविवार की छुट्टी मना रही हैं। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने अपनी दो फोटोज शेयर की हैं, जिनमें मैसी लुक में नजर आ रही हैं। इसके साथ एक्ट्रेस ने कैप्शन लिखा है, 'मेरा संडे आज है, क्या कर लोगे?'

नेटिजन बोले- 'आखिर हम स्त्री जी का क्या बिगाड़ लेंगे'

श्रद्धा कपूर के इस पोस्ट पर नेटिजन्स के कमेंट्स की झड़ी लग गई है। एक यूजर ने लिखा, 'आखिर हम स्त्री जी का क्या ही बिगाड़ लेंगे'। एक यूजर ने लिखा, 'हम भी संडे मना लेंगे, लेकिन आज वैसे मंडे ही है'। कुछ यूजर्स सवाल भी कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'इतना एआई देख लिया कि अब सब एआई लगता है'। इस पर श्रद्धा ने जवाब दिया है, 'जब सब एआई है तो कुछ एआई नहीं है'। एक यूजर ने लिखा, 'आज मेरा फ्राईडे है'। इस पर एक्ट्रेस ने कहा, 'आपने लाइफ क्रैक कर ली है। बधाई हो'। एक यूजर ने लिखा, 'उदयपुर आओ, बताता हूं'। श्रद्धा ने लिखा है, 'आ रही हूं। प्याज टमाटर भी जमा करके रखो बेटा जी'।

श्रद्धा कपूर का वर्क फ्रंट

श्रद्धा कपूर के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे दर्शकों को इच्छाधारी 'नागिन' के रूप में पर्दे पर नजर आएंगी। उनकी नई फिल्म ह्यनागिनह्ल पर जल्द काम शुरू होने की उम्मदी है। इसके अलावा फिल्म 'ईथा' भी उनके पास है। श्रद्धा कपूर को पर्दे पर देखने के लिए दर्शक उत्साहित हैं।

मेरे प्यार साथ में जिंदगी 37वीं वेडिंग एनिवर्सरी पर भाग्यश्री ने पति के लिए लिखा लव नोट

भाग्यश्री और हिमालय की शादी की सालगिरह के आज पूरे 37 साल हो चुके हैं। इस अवसर पर एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर एक खास पोस्ट शेयर कर अपने दिल की बात बताई है।

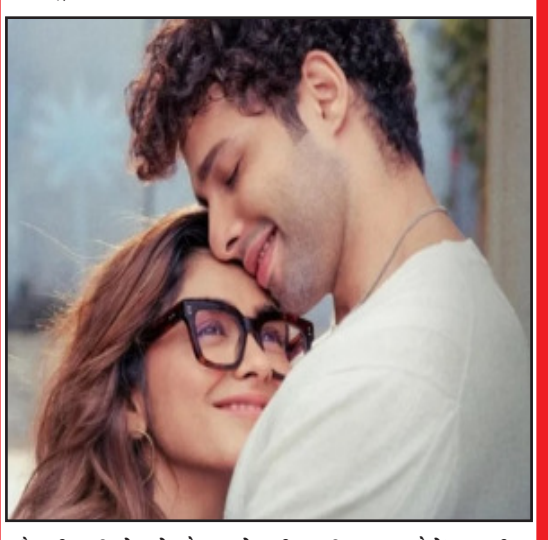

बॉलीवुड एक्ट्रेस भाग्यश्री और हिमालय की शादी की सालगिरह को आज (19 जनवरी) को पूरे 37 साल हो चुके हैं। इस मौके पर भाग्यश्री ने हिमालय के लिए अपना प्यार जाहिर किया है। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने खुद को भाग्यशाली बताया है।

भाग्यश्री का पोस्ट

भाग्यश्री ने आज इंस्टाग्राम पर अपनी शादी की तस्वीरों से लेकर कई तस्वीरें शेयर की हैं। इन शानदार तस्वीरों के साथ भाग्यश्री ने कैप्शन में लिखा, 'बचपन से साथ बड़े हुए हैं और आज भी हमारा रिश्ता बहुत मजबूत है। 37 साल हो गए, और आगे भी

ऐसे ही साथ रहेंगे।

हमने ढेर सारी यादें बनाई हैं। साथ हंसे, रोए, झगड़े किए और फिर मन भी मिलाया।'

शादी की सालगिरह की दी बधाई

भाग्यश्री ने आगे लिखा, 'अपना घर बसाया, दो प्यारे बच्चे हैं, बहुत मेहनत की, दुनिया घूमी, जिंदगी के अच्छे-बुरे पल देखे, मुश्किलों का सामना किया और खुशियां भी बहुत मनाईं। अब हमें कोई नहीं रोक सकता। हम हमेशा साथ रहेंगे। तुम्हारे साथ पूरी जिंदगी बिताने का सौभाग्य मिला है... सालगिरह मुबारक हो मेरे प्यार।'

कब हुई थी भाग्यश्री और हिमालय की शादी?

भाग्यश्री और हिमालय दासानी बॉलीवुड के एक चर्चित जोड़ो में से एक हैं, जिनकी प्रेम कहानी स्कूल के दिनों से शुरू हुई और 1989 में शादी के रूप में पूरी हुई। हिमायल से शादी के बाद भाग्यश्री ने फिल्म इंडस्ट्री से ब्रेक लिया। भाग्यश्री और हिमायल के दो बच्चे हैं- बेटा अभिमन्यु दासानी और बेटी अवंतिका दासानी। उनकी शादी को आज पूरे 37 साल हो चुके हैं।

'दो दीवाने सहर में' का टीजर हुआ रिलीज, एक-दूजे के इश्क में डूबे नजर आए सिद्धांत चतुर्वेदी और मृणाल ठाकुर

सिद्धांत चतुर्वेदी और मृणाल ठाकुर की फिल्म 'दो दीवाने सहर में' का टीजर आज कुछ ही देर पहले रिलीज हुआ है। डायरेक्टर रवि उदयावर की यह फिल्म क्या एक अधूरी प्रेम कहानी है?

फिल्म दो दीवाने सहर में का रोमांटिक टीजर रिलीज हो चुका है। इसके टीजर में सिद्धांत चतुर्वेदी और मृणाल ठाकुर की लव केमिस्ट्री देखने को मिली। संजय लीला भंसाली के भंसाली प्रोडक्शंस

और जी स्टूडियोज के बैनर तले बनी यह फिल्म इस वैलेंटाइन वीक पर रिलीज होगी। टीजर में मेकर्स ने दावा किया है कि इस बार प्यार के मौसम में इस 'इस्क' से 'इस्क' हो जाएगा।

दो दीवाने सहर में का टीजर हुआ रिलीज

'मॉम' जैसी फिल्म बना चुके निर्देशक रवि उदयावर ने इस फिल्म का निर्देशन किया है। 'दो दीवाने सहर' के टीजर की शुरूआत बैकग्राउंड में बज रहे फिल्म 'घरौंदा' के मशहूर गाने 'दो दीवाने शहर में' से होता है। इसलिए यह थोड़ा अनोखा है। टीजर की शुरूआत में मृणाल और सिद्धांत रोमांटिक अंदाज में नजर आते हैं, लेकिन टीजर के आखिर के कुछ सेकेंड में यह प्रेम कहानी दर्द के एहसास में बदलती दिखाई देती है। करीब 1 मिनट के टीजर में इसमें प्यार और दर्द दोनों को दिखाया गया है।

निमार्ताओं का पेस्ट

निमार्ताओं ने आज दो दीवाने सहर में का टीजर शेयर किया। टीजर के साथ निमार्ताओं ने कैप्शन में लिखा, 'क्योंकि हर 'इस्क' परफेक्ट नहीं होता, पर काफी होता है। इस शहर की एक ऐसी ही अधूरी लेकिन पूरी प्रेम कहानी के साक्षी बनिए।'

कब रिलीज होगी दो दीवाने सहर में?

'दो दीवाने सहर में' को अभिरुचि चंद ने लिखा और रवि उदयवार ने निर्देशित किया है। यह एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म है। फिल्म का निर्माण संजय लीला भंसाली, प्रेरणा सिंह, उमेश कुमार बंसल और भरत कुमार रंगा ने जी स्टूडियोज, रैनकॉर्प मीडिया और भंसाली प्रोडक्शंस के बैनर तले किया है। यह फिल्म 20 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

दो दीवाने सहर में की कास्ट

फिल्म में सिद्धांत चतुर्वेदी और मृणाल ठाकुर मुख्य भूमिका में हैं। इन दोनों के अलावा फिल्म में ईला अरुण, जॉय सेनगुप्ता, आयशा रजा, विराज गेहलानी, संदीपा धर, दीपराज राणा, मोना अम्बेगांवकर, अचिंत कौर और नवीन कौशिक भी नजर आएंगे।

गजब संयोग! अपर्णा ने आज ही दिन ज्वाइन की थी बीजेपी,आज ही तलाक का ऐलान

लखनऊ (संवाददाता)। ऐसे संयोग सामने आते हैं जो हैरान कर देते हैं। सैफई परिवार यानि मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू अपर्णा यादव के लिए आज 19 जनवरी की तारीख ऐसा ही संयोग बन गई है। आज की तारीख एक तरफ जहां उनकी नई राजनीतिक पारी की शुरूआत की याद दिलाती है, दूसरी ओर उनके निजी जीवन के लिए यह एक कड़वा मोड़ साबित हो रही है। आज से ठीक चार साल पहले 19 जनवरी 2022 को यूपी विधानसभा चुनाव से ऐन पहले अपर्णा ने समाजवादी पार्टी का साथ छोड़ दिया था। उन्होंने दिल्ली में बीजेपी मुख्यालय में तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह और डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य की मौजूदगी में भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की थी। उस समय मुलायम सिंह यादव की बहू का पाला बदलना देश की सबसे बड़ी राजनीतिक खबर थी। गजब संयोग देखिए कि उसी तारीख को चार साल बाद 19 जनवरी 2026 को उनके पति प्रतीक यादव ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर हलचल मचा दी। प्रतीक ने सार्वजनिक रूप से अपर्णा को स्वार्थी बताते हुए उनसे जल्द से जल्द तलाक लेने का ऐलान कर दिया। प्रतीक ने अपनी पोस्ट में यहां तक लिख दिया कि अपर्णा ने उनके पारिवारिक रिश्तों को बर्बाद कर दिया और वे केवल शोहरत की भूखी हैं। सोशल मीडिया पर लोग इस संयोग को लेकर कई तरह की चचाएं कर रहे हैं। जिस तारीख को अपर्णा ने अपने राजनीतिक करियर की नई दिशा तय की थी, उसी तारीख को उनके वैवाहिक जीवन में इतनी बड़ी दरार की खबर सामने आना कई सवाल खड़े कर रहा है।

पुर्तगाल के राष्ट्रपति चुनाव के दूसरे दौर में चौंकाने वाला नतीजा

इस पार्टी के नेता ने मारी बाजी

लिस्बन (एजेंसी)। पुर्तगाल में राष्ट्रपति का पद नाममात्र का होता है, उनके पास कार्यकारी शक्तियां नहीं होतीं। ज्यादातर राष्ट्राध्यक्ष का उद्देश्य राजनीतिक खींचतान से दूर रहकर विवादों में मध्यस्थता करना और तनाव कम करना होता है। हालांकि, राष्ट्रपति के पास कुछ शक्तिशाली अधिकार हैं, जैसे संसद से पारित किसी भी कानून को वीटो करना और संसद भंग करने के साथ समय से पहले चुनाव कराने की शक्ति भी होती है। पुर्तगाल के राष्ट्रपति चुनाव में रविवार को चौंकाने वाले नतीजे में एक धुर दक्षिणपंथी पार्टी के नेता दूसरे स्थान पर रहे। अगले महीने होने वाले दूसरे दौर के मतदान में उनका सामना एक मध्य-वामपंथी प्रतिद्वंद्वी से होगा, जो आधिकारिक नतीजों के अनुसार यूरोप की बढ़ती धुर दक्षिणपंथी पार्टियों के लिए एक और राजनीतिक सफलता ला सकता है। पुर्तगाल के राष्ट्रपति चुनाव के लिए लगभग 98 प्रतिशत वोटों की गिनती हो चुकी है। सात साल से भी कम समय पहले बनी चेगा पार्टी के नेता आंद्रे वेंचुरा को 24 प्रतिशत वोट मिले हैं। वह मध्य-वामपंथी समाजवादी उम्मीदवार एंटोनियो जोस सेगुरो से पीछे दूसरे स्थान पर रहे, जिन्हें लगभग 31 प्रतिशत वोट मिले। 8 फरवरी को दूसरे चरण के मतदान में दोनों शीर्ष उम्मीदवारों का आमना-सामना होगा। पुर्तगाल में वेंचुरा की पार्टी ने कैसे किया दमदार प्रदर्शन? आंद्रे वेंचुरा का दमदार प्रदर्शन यूरोप में धुर दक्षिणपंथी विचारधारा की ओर हो रहे बदलाव में एक और मील का पत्थर साबित हुआ है। दरअसल, हाल के वर्षों में लोकलुभावन पार्टियों ने सत्ता की बागडोर अपने हाथ में ले ली है या उसके करीब पहुंच गई हैं। जनता के भारी समर्थन के चलते चेगा पार्टी पिछले साल पुर्तगाल की संसद में दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बन गई, जबकि इसकी स्थापना को महज छह साल ही हुए थे। वेंचुरा और उनके समर्थकों को यूरोप भर में जैसे कि फ्रांस, जर्मनी, इटली और पड़ोसी देश स्पेन में समान विचारधारा वाली राष्ट्रवादी पार्टियों के बढ़ते प्रभाव से प्रोत्साहन मिला है। राष्ट्रपति चुनाव में रिकॉर्ड संख्या में अन्य नौ उम्मीदवार मैदान में उतरे, लेकिन कोई भी पहले दौर की जीत के लिए आवश्यक 50 प्रतिशत से अधिक वोटों के करीब नहीं पहुंच सका। चुनाव जीतने वाला राष्ट्रपति मासेर्लो रेबेलो डी सूसा की जगह लेंगे, जिन्होंने पांच-पांच साल के दो कार्यकाल की सीमा पूरी कर ली है।

शख्स पर लगा महिला को गलत तरीके से छूने का आरोप, वीडियो वायरल हुआ तो की आत्महत्या

कोझिकोड (एजेंसी)। पुलिस ने इस मामले में संबंधित धाराओं के तहत अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है। इस बीच व्यक्ति की मौत के बाद वीडियो बनाने वाली महिला की ओर से कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। बताया गया है कि वीडियो वायरल होने के बाद वह भी साइबर ट्रोलिंग का शिकार हुई थी। केरल में सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो के बाद 42 वर्षीय व्यक्ति की ओर से आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। वीडियो में एक महिला ने स्थानीय बस में यात्रा के दौरान उस पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। पुलिस के मुताबिक यह घटना रविवार सुबह की है। मृतक की पहचान कोझिकोड के गोविंदपुरम निवासी दीपक के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, जब रविवार सुबह करीब सात बजे उनके माता-पिता ने उन्हें जगाने की कोशिश की तो कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। कई बार दरवाजा खटखटाने और आवाज लगाने के बाद भी जवाब न मिलने पर पड़ोसियों की मदद से दरवाजा तोड़ा गया, जहां दीपक अपने कमरे में फंदे से लटके मिले। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो से आत्महत्या तक आत्महत्या का यह मामला तब सामने आया, जब एक महिला ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया। इस वीडियो में उसने आरोप लगाया कि भीड़ भरी बस में यात्रा के दौरान उस शख्स ने जानबूझकर उसे कई बार अनुचित तरीके से छुआ था। बताया जाता है कि पय्यानूर रेलवे स्टेशन से बस स्टैंड तक की यात्रा के दौरान रिकॉर्ड किया गया यह वीडियो वायरल हो गया। इसे 20 लाख से ज्यादा बार देखा गया, जिससे ऑनलाइन प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई। मानसिक तनाव के आगे टूटा शख्स मृतक के माता-पिता का आरोप है कि सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद से उनका बेटा मानसिक तनाव से गुजर रहा था।

बांग्लादेश में बीएनपी ने लगाए आम चुनाव से पहले धांधली के आरोप

मुख्य चुनाव आयुक्त से की ये मांग

ढाका (एजेंसी)। मुख्य चुनाव आयुक्त एएमएम नासिर उद्दीन ने सभी हितधारकों से स्वतंत्र, निष्पक्ष और समावेशी चुनाव कराने में सहयोग की अपील की। सीईसी ने कहा कि आयोग के फैसले बिना किसी पक्षपात के और गहन विश्लेषण के बाद लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि सुचारू और विश्वसनीय मतदान प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए जनता और सभी हितधारकों का सहयोग आवश्यक है। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने 12 फरवरी को होने वाले आम चुनाव से पहले चुनाव आयोग 'पूर्ण निष्पक्षता' के साथ काम करने की अपील की है। सरकारी समाचार एजेंसी बीएसएस की रिपोर्ट के अनुसार बीएनपी के महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने रविवार शाम ढाका के आगारगांव स्थित चुनाव आयोग भवन में मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) एएमएम नासिर उद्दीन से मुलाकात के बाद यह बात कही। आलमगीर ने कहा कि बीएनपी ने हमेशा स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित करने के लिए चुनाव आयोग के साथ सहयोग किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि हाल के दिनों में कुछ व्यवस्थाएं पक्षपातपूर्ण दिखाई दे रही हैं और आचरण को लेकर गंभीर चिंताएं हैं। उन्होंने कहा कि हमने आयोग से ऐसी प्रथाओं से बचने और पूरी निष्पक्षता के साथ कार्य करने का आग्रह किया है। डाक मतपत्र का मुद्दा नहीं सुलझ रहा-

बीएनपी का आरोप बैठक के एजेंडे पर प्रकाश डालते हुए आलमगीर ने कहा कि डाक मतपत्र (पोस्टल बैलेट) से जुड़ा मुद्दा अब भी पूरी तरह सुलझा नहीं है। उन्होंने कहा कि विदेश में पंजीकृत मतदाताओं के लिए छापे गए मतपत्रों की प्रक्रिया सही नहीं है और इससे किसी विशेष राजनीतिक दल को लाभ पहुंचाने का प्रयास प्रतीत होता है। बीएनपी ने इन मतपत्रों में बदलाव की मांग की है। उन्होंने यह भी कहा कि देश के भीतर चुनावी ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों को चुनाव चिह्न आवंटन के बाद ही डाक मतपत्र दिए जाएं, ताकि वे भी अन्य मतदाताओं की तरह स्वतंत्र रूप से अपना निर्णय लेकर मतदान कर सकें। बीएनपी ने क्यों कहा- बांग्लादेश में हो रहे आपराधिक कृत्य? आलमगीर ने चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन और निजी जानकारी एकत्र करने के आरोप भी लगाए। उन्होंने कहा कि एक राजनीतिक दल के कार्यकर्ता घर-घर जाकर मतदाताओं की राष्ट्रीय पहचान पत्र (एनआईडी) की प्रतियां, बीकेश (डंरँ) नंबर और मोबाइल नंबर इकट्ठा कर रहे हैं, जो निजता का उल्लंघन और आपराधिक कृत्य है। उन्होंने इस पर तत्काल कार्रवाई की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि एक राजनीतिक दल देश के विभिन्न हिस्सों से मतदाताओं को ढाका स्थानांतरित कर रहा है। बीएनपी ने आयोग से यह जानकारी मांगी है कि किन क्षेत्रों से, कितने मतदाताओं को, किस कारण और कब ढाका लाया गया। एक खास दल के लिए काम कर रहे निर्वाचन अधिकारी बीएनपी नेता ने यह भी दावा किया कि कई निर्वाचन क्षेत्रों में अधिकारियों की ओर से एक विशेष राजनीतिक दल के पक्ष में काम करने की शिकायतें मिली हैं। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष, स्वतंत्र और स्वीकार्य चुनाव के हित में, हमने जांच के अधीन ऐसे अधिकारियों को हटाने का अनुरोध किया है।

दुष्कर्म पीड़िता की मौत के बाद इंसाफ की मांग तेज, कुकी संगठनों ने उठाया अलग प्रशासन का मुद्दा

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर की हिंसा के दौरान दुष्कर्म का शिकार हुई युवती की मौत के बाद कुकी संगठनों ने न्याय की मांग तेज कर दी है। संगठनों का कहना है कि यह मामला केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि पूरे समुदाय की सुरक्षा और सम्मान से जुड़ा है। संगठनों ने दोषियों पर कार्रवाई न होने पर नाराजगी जताई है। साल 2023 में मणिपुर हिंसा के दौरान दुष्कर्म का शिकार हुई कुकी युवती की 32 महीनों बाद अस्पताल में मौत हो गई, जिसके बाद कई संगठनों ने पीड़िता के लिए न्याय की मांग की है। संगठनों का आरोप है कि महिला की जान उस बीमारी और गहरे सदमे की वजह से गई, जो मई 2023 में उसके साथ हुआ था। गुवाहाटी में तोड़ा दम चुराचांदपुर और दिल्ली स्थित कुकी संगठनों ने दावा किया कि मई 2023 में इंफाल से महिला का अपहरण किया गया था और उसके साथ दरिंदगी की गई थी। वह किसी तरह अपहरणकताओं के चंगुल से बच निकली, लेकिन शारीरिक चोटों और मानसिक आघात से उबर नहीं पाई और दस जनवरी को गुवाहाटी में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। अलग प्रशासन ही एकमात्र विकल्प इस घटना के बाद कुकी संगठनों ने केंद्र सरकार से अलग प्रशासन की मांग तेज कर दी है। उनका कहना है कि मैतेई समुदाय के साथ अब उनका रहना संभव नहीं है। 'इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम' (आईटीएलएफ) ने कहा कि यह मौत इस बात का सबूत है कि कुकी-जो लोगों को कितनी बेरहमी से निशाना बनाया गया है।

जर्मनी का तीन अरब यूरो का ईवी प्लान, इलेक्ट्रिक कार खरीदारों को मिलेंगे 6,000 यूरो तक

नई दिल्ली (एजेंसी)। जर्मनी ने मांग को फिर से बढ़ाने, कम इनकम वाले खरीदारों को टारगेट करने और चीन से बढ़ते कॉम्पिटिशन के बीच कार बनाने वाली कंपनियों को सपोर्ट करने के लिए 3 अरब यूरो का ईवी सब्सिडी प्रोग्राम प्लान किया है। जर्मनी ने इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की बिक्री को फिर से रफ्तार देने के लिए 3 अरब यूरो (करीब 27,000 करोड़ रुपये) का नया सब्सिडी कार्यक्रम पेश किया है। इसका मकसद न केवल ईवी की मांग को बढ़ाना है, बल्कि दबाव झेल रहे देश के ऑटोमोबाइल उद्योग को भी राहत देना है। करीब 8 लाख इलेक्ट्रिक कारों को मिलेगा समर्थन इस योजना के तहत लगभग 8 लाख इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद को प्रोत्साहन दिया जाएगा। सरकार का कहना है कि हाल के वर्षों में नीतियों में अचानक हुए बदलावों के कारण बाजार में अस्थिरता आई थी, जिसे अब स्थिर करने की कोशिश की जा रही है। खरीदारों को मिलेंगे 6,000 तक के अनुदान पहले की योजनाओं से अलग, यह नया प्रोग्राम खास तौर पर कम और मध्यम आय वर्ग के परिवारों पर केंद्रित है। पात्र खरीदारों को 1,500 यूरो से लेकर 6,000 यूरो तक की सब्सिडी मिलेगी। अनुदान की राशि वाहन के मॉडल, परिवार के आकार और आय स्तर के आधार पर तय होगी। 2029 तक चलेगी योजना, 2026 से आवेदन मान्य सरकारी सहायता 2029 तक जारी रहेगी। हालांकि अंतिम ढांचे पर अभी कुछ संशोधन किए जा रहे हैं, लेकिन अधिकारियों ने साफ कर दिया है कि 1 जनवरी 2026 से की गई खरीद पर भी आवेदन को मान्यता मिलेगी।

मध्य अमेरिकी देश में गैंगवार से दहशत, जेल में हिंसा के बाद सात पुलिसकर्मियों की हत्या

ग्वाटेमाला सिटी (एजेंसी)। मध्य अमेरिकी देश ग्वाटेमाला में गैंग हिंसा ने एक बार फिर देश की कानून-व्यवस्था को हिला कर रख दिया है। जेलों में कैदियों के विद्रोह और उनके नियंत्रण के बाद राजधानी समेत कई इलाकों में पुलिस पर हुए हमलों में 7 पुलिस अधिकारियों की जान चली गई, जिससे पूरे देश में दहशत का माहौल है। मध्य अमेरिकी देश ग्वाटेमाला में गैंग हिंसा ने एक बार फिर सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी है। राजधानी ग्वाटेमाला सिटी और आसपास के इलाकों में हुए समन्वित हमलों में 7 पुलिस अधिकारियों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हिंसा उस वक्त भड़की जब सुरक्षा बलों ने देश के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में स्थित रेनोवेशन अधिकतम सुरक्षा जेल पर दोबारा नियंत्रण हासिल किया। एक रात पहले ही कैदियों ने तीन हाई-सिक्योरिटी जेलों पर कब्जा कर 46 जेल प्रहरियों को बंधक बना लिया था। बढ़ते तनाव को देखते हुए शिक्षा मंत्रालय ने पूरे देश में सोमवार को स्कूल बंद रखने का फैसला लिया है। जेलों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है और सैन्य गश्त भी तेज कर दी गई है। जेलों से बाहर भी हिंसा का असर अधिकारियों के अनुसार, जेलों में बंद गैंग लीडर्स ने बाहर मौजूद अपने साथियों को जवाबी हमलों के आदेश दिए। इसी के चलते राजधानी में पुलिस को निशाना बनाया गया। गृह मंत्री मार्को एंटोनियो विलेदा ने बताया कि इन हमलों में 10 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं, जबकि एक गैंग सदस्य भी मारा गया। सुरक्षा बलों की कार्रवाई एंटी-रायट पुलिस ने एस्कुइंटला स्थित जेल में धावा बोलकर 9 बंधक प्रहरियों को सुरक्षित मुक्त करा लिया। इस दौरान भारी गोलीबारी हुई, लेकिन राहत की बात यह रही कि सभी प्रहरी सुरक्षित पाए गए। हालांकि, अब भी दो अन्य जेलों में 30 से अधिक गार्ड बंधक बने हुए हैं। पुलिस और सेना की संयुक्त टीमें लगातार हालात पर काबू पाने की कोशिश कर रही हैं। गृह मंत्री ने साफ शब्दों में कहा राज्य अपराधियों के सामने नहीं झुकेगा। उन्होंने इसे सरकार द्वारा संगठित अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे सख्त अभियान का परिणाम बताया।

नेपाली कांग्रेस के भीतर घमासान, देउबा गुट की 'सुप्रीम' फैसला आने तक चुनाव प्रक्रिया पर रोक की मांग

काठमांडो (एजेंसी)। नेपाली कांग्रेस के देउबा गुट ने सुप्रीम कोर्ट के फैसला आने तक चुनाव प्रक्रिया पर रोक की मांग की है। देउबा पक्ष ने चुनावी कार्य तालिका पर रोक लगाने का अनुरोध करते हुए अलग से आवेदन जमा कराया है। नेपाली कांग्रेस के भीतर जारी विवाद को लेकर पार्टी अध्यक्ष शेरबहादुर देउबा पक्ष सुप्रीम कोर्ट पहुंचा है। इस बीच, देउबा पक्ष ने निर्वाचन आयोग से सुप्रीम कोर्ट से अंतिम फैसला आने तक प्रतिनिधि सभा चुनाव के नामांकन कार्यक्रम को स्थगित करने की मांग भी की है। आयोग के एक निर्णय के खिलाफ रविवार को सुप्रीम कोर्ट में रिट याचिका दायर करने के तुरंत बाद देउबा पक्ष ने चुनावी कार्य तालिका पर रोक लगाने का अनुरोध करते हुए अलग से आवेदन जमा कराया। पार्टी कार्यालय के मुख्य सचिव कृष्ण प्रसाद पौडेल, पूर्व म ह ान्यायाधिवक्ता खम्बाबहादुर खाती और अधिवक्ता केशवराज जोशी ने आयोग में आवेदन दर्ज कराए। आवेदन में दी ये दलील आवेदन में कहा गया है कि कांग्रेस की आधिकारिकता से जुड़ा मामला सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है और जब तक उस पर अंतिम निर्णय नहीं हो जाता तब तक नामांकन सहित सभी चुनावी गतिविधियों को आगे बढ़ाना उचित नहीं होगा।

ग्रीनलैंड पर ट्रंप की धमकी के बाद आया ब्रिटिश पीएम स्टार्मर का बड़ा बयान

कहा– ये किसी के हित में नहीं

लंदन (एजेंसी)। ग्रीनलैंड को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ धमकी पर ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कड़ा ऐतराज जताया है। उन्होंने कहा कि व्यापार युद्ध किसी के हित में नहीं है और सहयोगी देशों पर दबाव डालना गलत है। आइए जानते इस मुद्दे पर ब्रिटिश पीएम ने क्या कुछ कहा। ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से दी गई टैरिफ की धमकी पर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। स्टार्मर ने साफ कहा कि सहयोगी देशों पर दबाव बनाने का यह तरीका पूरी तरह गलत है और किसी भी तरह का व्यापार युद्ध किसी के हित में नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अंतरराष्ट्रीय साझेदारी दबाव या धमकी से नहीं, बल्कि आपसी सम्मान और संवाद से चलती है। स्टार्मर की यह प्रतिक्रिया उस बयान के बाद आई है, जिसमें ट्रंप ने कहा था कि अगर यूरोपीय देशों ने ग्रीनलैंड पर अमेरिका के नियंत्रण का समर्थन नहीं किया तो फरवरी से उनके सामानों पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगाया जाएगा। इस सूची में ब्रिटेन सहित आठ यूरोपीय देश शामिल बताए गए हैं। यह बयान ऐसे समय आया है जब यूरोप और अमेरिका के रिश्तों में पहले से ही कई मुद्दों पर तनाव बना हुआ है। ग्रीनलैंड के विवाद को समझें ग्रीनलैंड डेनमार्क के अधीन एक स्वायत्त क्षेत्र है और रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। ट्रंप का कहना है कि अमेरिका की सुरक्षा के लिए ग्रीनलैंड अहम है। उनके मुताबिक यहां से मिसाइल डिफेंस सिस्टम को और मजबूत किया जा सकता है। ट्रंप ने आशंका जताई कि रूस और चीन इस क्षेत्र में अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश कर सकते हैं। इसी वजह से उन्होंने सहयोगी देशों पर दबाव बनाने के संकेत दिए। ब्रिटेन का स्पष्ट रुख ब्रिटिश प्रधानमंत्री स्टार्मर ने कहा कि ब्रिटेन ग्रीनलैंड और डेनमार्क के उस बुनियादी अधिकार का समर्थन करता है, जिसके तहत वे अपने भविष्य का फैसला खुद कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि साझेदारी का मतलब यह नहीं कि सिद्धांतों से समझौता कर लिया जाए।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।